www.navpradesh.com

दैनिक **नवप्रदेश**

आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्

प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर ❖❖ 3 | राजधानी 4 | अभिव्यक्ति 5 | आंचलिक 7 | मनोरंजन/खेल/व्यापार

RNI NO.CHHHIN/2015/62431 बिलासपुर, मंगलवार 19 अप्रैल 2022, कृष्ण पक्ष तृतीया, विक्रम संवत-2078 वर्ष-08 अंक-7 पृष्ठ-08 मूल्य- 4 रुपए रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

//-- सुविचार --//

व्यक्ति को कभी भी मौके का इंतजार नहीं करना चाहिए। क्योंकि जो आज है वो ही सबसे बड़ा मौका हैं।

आज बेबाक

महाराष्ट्र में लाऊड स्पीकर पर घमासान के चलते महाअघाड़ी सरकार ने फैसला लिया है कि अब किसी भी धार्मिक स्थल पर लाऊड स्पीकर का इस्तेमाल करने से पहले प्रशासनिक अनुमति लेनी पड़ेगी। इससे अजान और हनुमान चालीसा के पाठ को लेकर उठे विवाद का पटाक्षेप शायद ही हो। ध्वनि विस्तारक यंत्रों के लिए अनुमति आसानी से मिल जाएगी। जिन शर्तों पर अनुमति मिलेगी उसकी खुली अवहेलना भी होगी। जब सुप्रीम कोर्ट के आदेश की धज्जियां उड़ाई जा रही है तो अदने से प्रशासन की सशर्त अनुमति किस खेत की मूली है? बेहतर होगा इस बारे में सुप्रीम कोर्ट नए निर्देश जारी करें।

सूर्योदय

उदय : 6:04 प्रात:

अस्त : 6:48 संध्या

जनसंख्या

विश्व : 7,941,138,200

भारत : 1,404,718,780

बाजार

सेंसेक्स : 57166.74

निफ्टी : 17173.70

गोल्ड : 54,380 प्रति 10 ग्राम

चांदी : 69,900 प्रति किग्रा

अण्डा दर : 4.01 प्रति नग

प्रदेश का मौसम

स्थान	अधिकतम	न्यूनतम
रायपुर	39.7	24.8
बिलासपुर	40.4	24.2
जगदलपुर	37.7	22.6
अंबिकापुर	37.4	21.5

आज का दिवस

विश्व लीवर दिवस - विश्व लीवर दिवस शरीर में दूसरे सबसे बड़े अंग के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए प्रतिवर्ष 19 अप्रैल को मनाया जाता है। मस्तिष्क के अपवाद के साथ, लीवर शरीर का दूसरा सबसे बड़ा और सबसे जटिल अंग है। हेपेटाइटिस ए,बी,सी अल्कोहल और ड्रग्स के कारण लीवर की बीमारियां हो सकती हैं। वायरल हेपेटाइटिस, दूषित भोजन और पानी के सेवन, असुरक्षित यौन व्यवहार और नशीली दवाओं के दुरुपयोग के कारण होता है। लीवर इसलिए महत्वपूर्ण है कि, संक्रमण और बीमारी से लड़ता है। ब्लड शुगर को नियंत्रित करता है। शरीर से टॉक्सिक सब्सटांस को निकालता है। कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित करता है।

अब ब्रांडेड दवाइयां लिखी तो डॉक्टरों की खैर नहीं, सीएम ने जताई नाराजगी

■ छग में अब पालिकाओं की संपत्तियां होगी फ्री होल्ड

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सोमवार को नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग तथा पर्यावरण एवं आवास विभाग की समीक्षा बैठक ली। सीएम ने बैठक में श्री धन्वंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर योजना की समीक्षा के दौरान सरकारी अस्पतालों में जेनेरिक दवाईयों की बजाय ब्रांडेड दवाई लिखने पर कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि जो सरकारी डॉक्टर ब्रांडेड दवाईयां लिखते हैं उन पर कड़ी कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद प्रमुख सचिव स्वास्थ्य ने तत्काल सभी कलेक्टरों और सीएमएचओ को निर्देश जारी करते हुए कहा है कि यह सुनिश्चित करें की डॉक्टर सिर्फ जेनेरिक दवाईयां ही लिखे। मुख्यमंत्री ■ शेष पृष्ठ 6 पर

ले आउट पास करने का अधिकार अब निगम को

बैठक में मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि ले-आउट पास करने का अधिकार अब नगर निगम को सौंपा जाएगा। अब तक टाउन एडं कंट्री प्लानिंग विभाग द्वारा ले-आउट पास किया जाता था। नागरिकों को किसी भी काम के लिए दो कार्यालयों के चक्कर नही लगाने पड़ेंगे। मुख्यमंत्री ने नगरीय निकायों की सम्पत्तियों को फ्री-होल्ड करने के भी निर्देश दिए। अब तक नगरीय निकायों की सम्पत्ति लीज पर दी जाती है। इस निर्णय से लाखों नागरिक लाभान्वित होंगे।

सीएमओ अब राजपत्रित अधिकारी

मुख्यमंत्री ने बैठक के दौरान आम नागरिकों की सहूलियत और प्रशासनिक काम-काज के सुचारू संचालन की दृष्टि से अनेक महत्वपूर्ण निर्देश दिए। बैठक में मुख्यमंत्री द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार अब नगरीय निकाय के मुख्य नगर पालिका अधिकारी राजपत्रित अधिकारी घोषित किए जाएंगे। बैठक में नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ.शिवकुमार डहरिया ने मुख्यमंत्री से मुख्य नगरपालिका अधिकारी को राजपत्रित अधिकारी घोषित करने की मांग की थी, जिस पर मुख्यमंत्री ने सहमति प्रदान कर दी है।

लाल आतंक का उत्पात : आदिवासी नेता की हत्या, 7 वाहनों में लगाई आग

आधी रात कैंप में फायरिंग, 4 जवान घायल

बीजापुर-बस्तर-सुकमा। छत्तीसगढ़ के नक्सलवाद जिले बस्तर, सुकमा व बीजापुर में एक बार फिर नक्सलियों ने उत्पात करना शुरू कर दिया है। अपना दबाव बनाने के लिए वे निर्माण कार्यो में लगे वाहनों को आग के हवाले कर रहे हैं और तो और अलग-अलग इलाकों में पहुंचकर नक्सलवाद के खिलाफ त करने वालों को मौत के घाट उतार रहे हैं। बीते 24 घंटो में नक्सलियों ने एक आदिवासी नेता की हत्या कर दी। नक्सली उत्पात यही नहीं थमा। विकास कार्यों में लगे करीब आधा दर्जन वाहनों को नक्सलियों ने आग के हवाले कर दिया। वहीं सीएएफ कैंप में आधी रात फायरिंग कर दी। जिसमें चार जवान घायल हो गए। दो जवानों को रायपुर रेफर किया गया है।

आदिवासी नेता की हत्या, मुखबिरी का था शक

सुकमा जिले के भेजी थाना क्षेत्र में मुखबिरी के संदेह में एक आदिवासी नेता की नक्सलियों ने धारदार हथियार से प्रहार कर हत्या कर दी है। जिले के भेजी थाना के तहत ग्राम कलईगुड़ा में रविवार की रात दुधगंगा अपने रिश्तेदार के घर से वापस आ रहा था। रास्ते में नक्सलियों ने तेज धारदार हथियार से उनकी हत्या कर दी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दुधीगंगा कई बरसों से तेलंगाना में रह रहा था। वो अपने एक रिश्तेदार के यहां घूमने आया था। इस घटना के बाद से इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस का कहना है कि मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

7 वाहनों को किया आग के हवाले

बारसूर क्षेत्र के मंगनार गांव में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के काम में लगे वाहनों को आग के हवाले कर दिया। माओवादियों ने 7 ट्रैक्टर को फूंक दिया। पूर्व बस्तर डिवीजन कमेटी ने इस आगजनी की घटना को अंजाम दिया है। बताया जाता है कि सौ से अधिक की संख्या में हथियारबंद नक्सली आए थे और निर्माण नहीं करने की चेतावनी देकर गए। जानकारी के मुताबिक रविवार की रात 8 बजे सौ से ज्यादा हथियारबंद माओवादी पहुंचे और हवा में अंधाधुंध फायरिंग की। नक्सली आधुनिक हथियारों से लैस थे। नक्सली मंगनार गांव पहुंचे ■ शेष पृष्ठ 6 पर

घायल 2 जवान रायपुर रेफर

बीजापुर जिले के कुटरू थाना क्षेत्र के दरभा सीएएफ कैंप पर रविवार रात करीब 11 बजे नक्सलियों ने अचानक हमला कर दिया। कैंप पर नक्सलियों ने दो बीजीएल आधी रात कैंप पर दागे है। अचानक हुई इस कार्रवाई से सीएएफ के जवानों ने मोर्चा संभाला और जवाबी कार्रवाई की। सुरक्षाबलों की ओर से की गई जवाबी कार्रवाई से नक्सली मौके से भाग गए। करीब रात 11 बजे नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के कैंप पर फायरिंग किया। इस मुठभेड़ में चार जवान घायल हो गए हैं। घायल दो जवानों को रायपुर ले जाया गया है। घायल जवान टुकेश्वर ध्रुर्वे और जितेंद्र मंडावी का रायपुर के एक निजी अस्पताल में इलाज जारी है। जबकि दो जवानों का स्थानीय जिला अस्पताल में उपचार हो रहा।

जिला मुख्यालय से 40 किमी पर स्थित कैंप

कुटरू थाना से दरभा कैंप की दूरी लगभग 8 किमी है। बीजापुर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पंकज शुक्ला ने घटना की पुष्टि करके बताया कि सीएएफ कैंप पर नक्सलियों के तरफ से बीजीएल राकेट लांचर बम दागे। जिसमें चार जवान घायल हुए। पुलिस की तरफ से जवाबी फायरिंग करने पर नक्सली भाग खड़े हुए। सुरक्षाबलों द्वारा आसपास सर्चिंग अभियान चलाया जा रहा है। इस तरह की घटना नक्सलियों की बौखलाहट है।

3 दिन पहले ही शुरू हुआ सड़क का काम

बैनर में नक्सलियों ने ग्रामीणों व सियानों (बुजुर्गों) से अपील की है कि ऐसे पूंजीपतियों व ठेकेदार से दूर रहे। बताया जाता है कि घटना बारसूर थाना अंतर्गत दंतेवाड़ा जिला में आता है। बीजापुर के कार्यपालन अभियंता बलराम ठाकुर ने बताया कि सड़क का काम ठेकेदार अंकित गुप्ता द्वारा की जा रही है। 6 किमी के इस सड़क को बनाने का काम 3 दिन पहले ही शुरू किया गया है। मंगनार पंचायत के गांव तुसवाल पारा में सड़क का निर्माण शुरू हुआ है। जिस क्षेत्र में माओवादियों ने वाहनों में आगजनी की घटना को अंजाम दिया है वह नक्सलियों का प्रभाव वाला इलाका है। ठेकेदार को पहले सड़क नहीं बनाने की चेतावनी माओवादियों ने दी थी। माओवादी दहशत की वजह से सरपंच-सचिव सहित ग्रामीणों सड़क निर्माण नहीं कराने की बात कह रहे हैं।

दीवार में लगी टाइल्स गिरने से 4 बच्चे घायल, मंत्री ने दिए जांच के आदेश

बालोद-रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में एक बड़ा हादसा हो गया। दरअसल, आंगनबाड़ी केंद्र की दीवार में लगी टाइल्स गिरने से 4 छोटे-छोटे मासूम बच्चे घायल हो गए। इस हादसे में आंबा केंद्र में बैठे बच्चों का सर फट गया। घटना सोमवार की सुबह लगभग 10 बजे की है। घटना के बाद से आंगनबाड़ी केंद्र व गांव में अफरा-तफरी मच गई। सभी घायल बच्चों को इलाज के लिए संजीवनी 108 से जिला अस्पताल लाया गया, जहां सभी बच्चों का इलाज जारी है। इधर, इस घटना को लेकर प्रदेश की महिला बाल विकास मंत्री अनिला भेंड़िया ने गम्भीरता से लेते हुए कलेक्टर को घटना की जांच कर दोषियों के विरूद्ध कार्यवाही करने

के निर्देश दिए हैं। मंत्री ने घायल बच्चों के समुचित इलाज और देख-भाल के निर्देश भी कलेक्टर को दिए हैं। उन्होंने इस प्रकार की घटना की पुनरावृत्ति न हो यह सुनिश्चित करने को कहा है। बता दें कि सोमवार की सुबह बालोद जिले के भैसबोड आंगनबाड़ी केन्द्र में बच्चे पढ़ने के लिए पहुंचे थे। ■ शेष पृष्ठ 6 पर

देश स्वच्छता के क्षेत्र में नित नई गाथाएं लिख रहा है : मोदी

नई दिल्ली (वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि जनभागीदारी ने देश के विकास में नई ऊर्जा प्रदान की है और स्वच्छ भारत अभियान इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है।

श्री मोदी ने सोमवार को कहा कि शौचालयों का निर्माण हो या कचरे का निपटान, ऐतिहासिक धरोहरों का संरक्षण हो या फिर स्वच्छता की प्रतिस्पर्धा, देश आज स्वच्छता के क्षेत्र में नित नई गाथाएं लिख रहा है।

प्रधानमंत्री ने ट्वीट कर कहा, जनभागीदारी किस प्रकार किसी देश के विकास में नई

ऊर्जा भर सकती है, स्वच्छ भारत अभियान इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है। शौचालय का निर्माण हो या कचरे का निष्पादन, ऐतिहासिक धरोहरों का संरक्षण हो या फिर सफाई की प्रतिस्पर्धा, देश आज स्वच्छता के क्षेत्र में नित नई गाथाएं लिख रहा है।

मछली प्रोसेसिंग यूनिट में हादसा, दम घुटने से 5 की मौत

बेंगलुरु (ए.)। कर्नाटक के मेंगलुरु में मछली प्रोसेसिंग यूनिट में दम घुटने से पांच मजदूरों की मौत हो गई। मेंगलुरु के पुलिस आयुक्त एन शशि कुमार ने सोमवार को यह जानकारी दी। इस हादसे में मारे गए पांचों श्रमिक पश्चिम बंगाल के थे। एन शशि कुमार ने कहा कि यह घटना मेंगलुरु विशेष आर्थिक क्षेत्र में मछली प्रसंस्करण इकाई श्री उल्का एलएलपी में रविवार शाम करीब सात बजे हुई।

पुलिस आयुक्त ने कहा, श्रमिकों में से एक कचरा संग्रह टैंक के अंदर गिर गया और उसके अंदर बेहोश हो गया। उसे बचाने के लिए सात अन्य मजदूर टैंक में घुस गए और वे भी बेहोश हो गए। उन्हें ए जे अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया, जहां कल रात तीन की मौत हो गई। आज सुबह आईसीयू में दो अन्य मजदूरों की मौत हो गई।

मारे गए सभी मजदूर बंगाल के रहने वाले

पुलिस आयुक्त ने कहा कि मारे गए सभी मजदूर पश्चिम बंगाल के रहने वाले हैं और उनकी उम्र 20 से 22 वर्ष के बीच बताई जा रही है। एन शशि कुमार ने कहा, हमने प्रबंधक और पर्यवेक्षक के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 304 (गैर इरादतन हत्या) के तहत मामला दर्ज किया है। उत्पादन प्रबंधक रूबी जोसेफ, क्षेत्र प्रबंधक कुबेर गाडे और पर्यवेक्षकों मोहम्मद अनवर और फारुख को हिरासत में ले लिया गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है।

चौथी मंजिल से कूदा मंत्रालय कर्मचारी, मौत

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी रायपुर में रविवार की रात एक सरकारी कर्मचारी ने खुदकुशी कर ली। घटना नवा रायपुर की राखी थाने की है। पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक, सेक्टर 27 में बने फ्लैट में मंत्रालय में काम करने वाला 33 साल का ओमप्रकाश अपनी पत्नी के साथ रह रहा था। रविवार रात ओमप्रकाश का अपनी पत्नी से झगड़ा हुआ, जिसके बाद उसने 4 मंजिला इमारत की छत से नीचे कूदकर जान दे दी। बताया जा रहा है कि ओमप्रकाश का अक्सर अपनी पत्नी के साथ झगड़ा हुआ करता था। ओमप्रकाश मूलतः कोरबा का रहने वाला था। करीब 4 साल पहले उसकी शादी हुई थी। तब से वह रायपुर में ही अपनी पत्नी के साथ रह रहा था। ओमप्रकाश रायपुर के मंत्रालय में पीएचई ■ शेष पृष्ठ 6 पर

जहांगीरपुरी में पथराव, पुलिस ने की इलाके की घेराबंदी

नई दिल्ली (वार्ता)। राष्ट्रीय राजधानी में हिंसा प्रभावित जहांगीरपुरी इलाके में सोमवार को एक बार फिर पथराव की घटना सामने आयी। पुलिस ने इलाके की घेराबंदी करने के बाद लोगों से शांति कायम रखने की अपील की।

दिल्ली पुलिस आयुक्त राकेश अस्थाना जहांगीरपुरी हिंसा के परिप्रेक्ष्य में आज मीडिया को जानकारी दे रहे थे। इसी दौरान जहांगीरपुरी इलाके में फिर से पथराव होने की रिपोर्टें मिली।

श्री अस्थाना ने संवाददाताओं

को बताया कि जहांगीरपुरी हिंसा मामले की जांच का काम अपराध शाखा को सौंपा गया है तथा इसमें 14 टीमें लगी हुई हैं। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी फुटेज, सोशल मीडिया पोस्ट और अन्य डिजिटल साक्ष्यों की छानबीन के साथ उनका विश्लेषण किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि इस मामले में अब तक 23 लोगों को गिरफ्तार किया गया है जिनमें से आठ लोग विभिन्न मामलों ■ शेष पृष्ठ 6 पर

गरमा-गरम

सुनवाई... सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट से नये सिरे से विचार करने को कहा

लखीमपुर हिंसा : मुख्य आरोपी आशीष मिश्रा की जमानत रद्द

नई दिल्ली (वार्ता)। उच्चतम न्यायालय ने केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा के पुत्र एवं लखीमपुर खीरी हिंसा मामले के मुख्य आरोपी आशीष मिश्रा को इलाहाबाद उच्च न्यायालय से मिली जमानत सोमवार को रद्द करते हुए उसे (आशीष को) एक सप्ताह के भीतर आत्मसमर्पण करने का आदेश दिया।

मुख्य न्यायाधीश एन. वी. रमन, न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति हिमा कोहली की पीठ ने आशीष की जमानत रद्द करने तथा उसे आत्मसमर्पण करने का आदेश देने के साथ ही इलाहाबाद उच्च न्यायालय से कहा कि वह नये सिरे से विचार करे कि उसे (आशीष को) जमानत दी

जानी चाहिए या नहीं।

पीठ ने जमानत रद्द करने का आदेश पारित करते हुए कहा कि उच्च न्यायालय ने कई अप्रासंगिक तथ्यों पर विचार किया और जल्दबाजी में अपना फैसला लिया। पीड़ितों को प्रथम दृष्टया आरोपी की जमानत याचिका का विरोध करने के लिए पर्याप्त समय दिए बिना ही अपना आदेश पारित कर दिया। पीठ ने संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद चार अप्रैल को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

जमानत के खिलाफ मृतक किसानों के परिजनों एवं अन्य ने शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया था। जमानत रद्द करने की मांग वाली उन याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान पीठ ने जमानत के 'आधार' पर कई सवाल खड़े किए थे।

शीर्ष अदालत द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) ने उत्तर प्रदेश सरकार को आशीष की जमानत के खिलाफ अपील करने की सिफारिश की थी, लेकिन सरकार ने उसे नजरअंदाज ■ शेष पृष्ठ 6 पर

कार्यक्रम के दौरान हुई थी हिंसक घटनाएं

गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में तीन अक्टूबर को उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के एक कार्यक्रम का विरोध करने के दौरान हिंसक घटनाएं हुई थी। इस हिंसा में केंद्र के तत्कालीन तीन कृषि कानूनों (अब रद्द कर दिए गए) के खिलाफलंबे समय से आंदोलन कर रहे चार किसानों समेत आठ लोगों की मौत हो गयी थी। मामले के मुख्य आरोपी आशीष को इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने 10 फरवरी को जमानत दी थी। पुलिस ने आशीष को नौ अक्टूबर को गिरफ्तार किया था।

नए जिले का खाका तैयार

रायपुर। मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद प्रशासन ने प्रस्तावित खैरागढ़-छुईखदान-गंडई' जिले का खाका तैयार कर दिया है। राजनांदगांव जिले का बंटवारा कर नया जिला बनाने का प्रस्ताव और नक्शा अब विधि विभाग के पास है। यहां से मंजूरी मिलते ही असाधारण राजपत्र में जिला गठन की अधिसूचना का प्रारंभिक प्रकाशन कर दिया जाएगा। नये जिले के गठन के लिए रविवार को भी मुख्य सचिव और राजस्व विभाग का दफ्तर खुला। मुख्य सचिव कार्यालय के अफसरों ने नये जिले के गठन की प्रशासकीय स्वीकृति जारी कराई। इस आदेश के राजस्व विभाग में पहुंचते ही पहले से बन चुके ड्राफ्ट को आधिकारिक स्वरूप देने का काम शुरू हुआ। दिन भर काम करने के बाद राजस्व विभाग की टीम ने प्रस्तावित नये जिले के आकार पर अंतिम स्वरूप दिया।

संपादकीय

भारत से मदद की अपील

पड़ौसी देश पाकिस्तान के नए प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर उनसे आर्थिक क्षेत्र में सहयोग देने की अपील की है। दरअसल शहबाज शरीफ को यह बात समझ में आ गई है कि आज की तारीख में भारत की ताकत लगातार बढ़ती जा रही है और भारत से पंगा लेना पाकिस्तान जैसे भिखारी देश के हित में नही है। जिस शाहबाज शरीफ ने प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के पहले ही बेसूरा कश्मीर राग अलापा था और इसके लिए भारत से बातचीत की पेशकश की थी और यह कहा था कि जब तक कथित कश्मीर समस्या का समाधान नहीं हो जाता तब तक शांति कायम नहीं हो पाएगी। उनकी इस बात में गीगड़ भभकी भी छिपी हुई थी। उनका मतलब था कि यदि भारत कश्मीर समस्या के समाधान के लिए बातचीत नही करेगा तो पाकिस्तान पहले की तरह ही आगे भी कश्मीर में आतंकवादी की आग हो हवा देने के लिए आतंक मचाता रहेगा। उनकी इस बात का भारत ने कोई जवाब ही नहीं दिया, इससे शाहबाज शरीफ को यह समझते देर नहीं लगी कि भारत के साथ मित्रता करने में ही उसकी भलाई है। पाकिस्तान पहले ही आर्थिक रूप से बदहाल हो चुका है। महंगाई की मार ने वहां के लोगों का जीना मुहाल कर रखा है। भारत और पाकिस्तान के बीच व्यापार बंद हो जाने से भी पाकिस्तान में भुखमरी की स्थिति पैदा होने लगी है। यही वजह है कि शाहबाज शरीफ ने भारत से आर्थिक क्षेत्र में सहयोग करने की गुजारिश की है। भारत ने उनके इस अनुरोध पर अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। इसकी वजह साफ है कि पाक अभी भी अपने नापाक इरादों से बाज आने का नाम नहीं ले रहा है। पाक अधिकृत कश्मीर में आतंकवादी प्रशिक्षण शिविर बदस्तूर चल रहे है और कश्मीर में गड़बड़ी फैलाने की उसकी कोशिशें भी लगातार जारी है। ऐसी स्थिति में भारत पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय संबंध फिर से बहाल करने की बात सोच भी नहीं सकता। गौरतलब है कि पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान जो लगातार तीन साल तक भारत के खिलाफ जहर उगलते रहे उन्होने अपने पद से हटने के पहले भारत की तारीफ के पुल बांधने शुरू कर दिए थे। एक बार नहीं बल्कि कई बार उन्होने भारत की विदेश नीति की जमकर तारीफ की थी और कहा था कि भारत की विदेश नीति स्वतंत्र है। इसी तरह पाकिस्तान में भी उसकी विदेश नीति स्वतंत्र होनी चाहिए। पाकिस्तानी हुक्मरानों के ये बदले हुए सुर साबित करते है कि पाकिस्तान को अब देर से ही सही लेकिन अक्ल आ रही है। इसके पीछे भले ही उसका अपना नीजी स्वार्थ हो, लेकिन भारत को उसकी चिकनी चुपड़ी बातों में नहीं आना चाहिए और पाकिस्तान के प्रति अपना कठोर रूख कायम रखना चाहिए।

लघुकथा

भारत-पाक: बेहतर मौका है

पाकिस्तान के नए प्रधानमंत्री शाहबाज़ शरीफने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जो जवाबी खत लिखा है, उसे देखकर मुझे लगता है कि दोनों देशों के बीच पिछले तीन साल में जो संवादहीनता पनप गई थी, अब शायद वह टूट जाए। मोदी ने शाहबाज को बधाई का जो पत्र लिखा था, उसमें यही इच्छा व्यक्त की थी कि दोनों देशों के बीच ऐसे संबंध रहने चाहिए, जिनसे दक्षिण एशिया के क्षेत्र में शांति और स्थायित्व का वातावरण बने। शाहबाज ने एक कदम आगे बढ़कर कहा है कि दोनों देशों को मिलकर गरीबी और बेकारी के खिलाफ युद्ध लड़ना चाहिए। दोनों प्रधानमंत्रियों ने एक-दूसरे को बहुत ही सराहनीय बातें कही हैं लेकिन दोनों की मजबूरियां हैं। उन्हें वे व्यक्त न करें तो दोनों देशों में उनके विरोधी उनकी जान खा जाएंगे। इसीलिए शाहबाज अपने खत में कश्मीर का मुद्दा उठाए बिना नहीं रहे और नरेंद्र मोदी आतंकवाद का! इन मुद्दों ने ही भारत-पाक संबंधों में खटास पैदा कर रखी है। इमरान खान जब सत्तारुढ़ हुए थे तो उन्होंने कहा था कि भारत-पाक संबंध सुधारने के लिए यदि भारत एक कदम आगे बढ़ाएगा तो हम दो कदम आगे बढ़ाएंगे लेकिन 2019 में पुलवामा में पाकिस्तान के हवाई हमले और भारत के बालाकोट में जवाबी हमले ने जो तनाव पैदा किया था, उसे खतरे के निशान तक पहुंचाने में कश्मीर से धारा 370 की बिदाई ने सख्त भूमिका अदा की। दोनों देशों का आपसी व्यापार ठप्प हो गया और दोनों के राजदूतावासों में आजकल उच्चायुक्त भी नहीं हैं। ऐसा लगता है कि इमरान सरकार ने 2019 में कूटनीति का मार्ग छोड़कर अपनी सेना को खुश रखने का मार्ग ज्यादा पसंद किया लेकिन शाहबाज शरीफके नेतृत्व में बनी यह नई सरकार चाहे तो वह काम कर सकती है, जो आज तक पाकिस्तान की कोई भी सरकार नहीं कर सकी है। इस नई सरकार को सेना का भी पूरा समर्थन प्रतीत होता है। यह तो मैं पहले ही लिख चुका हूं कि जब-जब शरीफ बंधुओं से मेरी मुलाकात हुई, शाहबाज को हमेशा मैंने ज्यादा नरम और विनम्र पाया। इसके अलावा इनके पूज्य पिता मोहम्मद शरीफ मुझे बताया करते थे कि विभाजन के बाद वे कई वर्षों तक रोज सुबह अपने गांव जाति उमरा, जो कि अमृतसर में है, जाते थे और बस में भरकर उसके मजदूरों को ले आते थे। जैसा कि आसिफजरदारी ने कहा था, हर पाकिस्तानी की तरह, उनके दिल में भी एक हिंदुस्तान धड़कता था। जब नरेंद्र मोदी पहली बार शपथ ले रहे थे तो प्रधानमंत्री मियां नवाज़ ने दो-तीन दिन कोई जवाब नहीं दिया तब मैंने उनके वरिष्ठ साथी सरताज अजीज को बताया कि सभी पड़ौसी देशों के प्रधानमंत्रियों को बुलाने की पेशकश मेरी ही है। उन्हें आना ही चाहिए। वे दोनों आए भी।

राजस्थान में नहर विवाद बनेगा चुनावी मुद्दा

रमेश सर्राफ

राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे की सरकार ने 2017-18 के बजट में पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना की घोषणा की थी। इस परियोजना में राजस्थान के जयपुर, दौसा, अलवर, भरतपुर, धौलपुर, करौली, सवाई माधोपुर, अजमेर, टोंक, बूंदी, कोटा, बारां और झालावाड़ सहित कुल 13 जिले शामिल है। इस परियोजना के पूरा होने पर 13 जिलों में पेयजल और सिंचाई की सुविधा मिलने लगेगी। इस परियोजना में 6 बैराज और एक बांध बनाया जाएगा। नदियों और बांधों को आपस में जोड़ने के लिए 1268 किलोमीटर लंबी नहरे बनेगी। इस परियोजना की लागत फिलहाल 38 हजार करोड रुपए आंकी गई है। इस परियोजना पर अभी तक राज्य सरकार ने अपने बजट से करीबन एक हजार करोड रुपए से अधिक की राशि खर्च कर कई जिलों में बैराज निर्माण कार्य शुरू करवाए हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपने 2022-23 के बजट में भी उक्त परियोजना के लिए 9 हजार 600 सौ करोड रुपए देने की घोषणा की है।

राजस्थान में पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) को लेकर कांग्रेस व भाजपा में विवाद बढ़ गया है। इस परियोजना को लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमलावर हो रहे हैं। मुख्यमंत्री गहलोत का कहना है कि 2018 के विधानसभा चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जयपुर व अजमेर की जनसभा में राजस्थान के 13 जिलों को मीठा पानी उपलब्ध कराने वाली पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने की बात कही थी। जिसे अभी तक पूरा नहीं किया गया है। इस परियोजना को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राजस्थान की जनता से वादाखिलाफी कर रहे हैं।

गहलोत का कहना है कि यदि केंद्र सरकार इस परियोजना को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा दे देती है तो परियोजना की कुल लागत का 90 प्रतिशत खर्चा केंद्र सरकार उपलब्ध करा देगी। राज्य सरकार को मात्र 10 प्रतिशत राशि ही खर्च करनी पड़ेगी। ऐसे में 40 हजार करोड़ रुपयों वाली इस बड़ी परियोजना को धन की उपलब्धता के चलते जल्दी पूरा किया जा सकेगा। जिससे प्रदेश के 13 जिलों का कायाकल्प हो जाएगा। इन 13 जिलों के करीबन साढ़े तीन करोड़ से अधिक लोगों को जहां पीने को मीठा पानी उपलब्ध हो सकेगा। वहीं डेढ़ से दो लाख हेक्टेयर भूमि की सिंचाई भी होगी। जिससे लोगों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। यह नहर परियोजना पूरी होने पर पूर्वी राजस्थान के 13 जिलों के लोगों के लिए एक नई जीवनदायिनी साबित होगी।

दरअसल इस विवाद की शुरुआत जल जीवन मिशन पर जयपुर में 9 राज्यों की रीजनल कॉन्फ्रेंस के दौरान हुई थी। जहां केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और राजस्थान के जलदाय मंत्री महेश जोशी पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना के मुद्दे पर भीड़ गए थे। महेश जोशी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वादे का हवाला देकर पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने की मांग रखी थी। इस पर केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने महेश जोशी को भाषण के बीच में ही टोकते हुए कह दिया था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अजमेर के सभा में उक्त नहर परियोजना को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने पर एक शब्द बोला हो तो मैं राजनीति से संन्यास ले लूंगा।

महेश जोशी ने कहा था कि पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना को राष्ट्रीय परियोजना घोषित किया जाना बहुत जरूरी है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान में दो बार इस परियोजना को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा देने का वादा किया था। चाहे जो भी परिस्थिति हो इसे राष्ट्रीय परियोजना घोषित किया जाना चाहिए। पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) का मुख्य उद्देश्य राजस्थान के जल प्रबंधन को नए सिरे से विकसित करना है। इस योजना के जरिए दक्षिणी राजस्थान में स्थित चंबल और उसकी सहायक नदियों कुन्नू, पार्वती, कालीसिंध को आपस में जोड़ा जाना है। इसके साथ ही इन नदियों में बारिश के मौसम के दौरान इकट्ठे होने वाले पानी के लिए नई तकनीकी विकसित करना है। राज्य के जल संसाधन विभाग के अनुसार देश के सबसे बड़े राज्य राजस्थान का भौगोलिक क्षेत्रफल 342.52 लाख हेक्टेयर है। जो पूरे देश का 10.4 प्रतिशत है। लेकिन यहां सतही जल का केवल 1.16 प्रतिशत और भूजल का 1.72 प्रतिशत ही है।

शेखावत ने जोशी से कहा कि बोलने से पहले आप रिकॉर्ड चेक कर लीजिए। आपके पास वीडियो नहीं है तो दोनों कार्यक्रमों के वीडियो में आपको भेज देता हूं। जिस अजमेर की मीटिंग को आप मेंशन कर रहे हो प्रधानमंत्री ने अजमेर की मीटिंग में एक शब्द भी इस बारे में नहीं कहा। उन्होने केवल प्रस्ताव प्राप्त होने की बात कही थी। हमें एक बार रिकॉर्ड चेक करके सुनिश्चित करने के बाद ही बोलना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं दावे से कहता हूं कि अजमेर की मीटिंग में एक शब्द बोला हो तो मैं राजनीति छोड़ दूंगा या आप के मुख्यमंत्री राजनीति छोड़ दें। इस तरह की बात कहने का यह तो मंच नहीं है।

महेश जोशी ने कहा था कि पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना को राष्ट्रीय परियोजना घोषित किया जाना बहुत जरूरी है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान में दो बार इस परियोजना को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा देने का वादा किया था। चाहे जो भी परिस्थिति हो इसे राष्ट्रीय परियोजना घोषित किया जाना चाहिए।

पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) का मुख्य उद्देश्य राजस्थान के जल प्रबंधन को नए सिरे से विकसित करना है। इस योजना के जरिए दक्षिणी राजस्थान में स्थित चंबल और उसकी सहायक नदियों कुन्नू, पार्वती, कालीसिंध को आपस में जोड़ा जाना है। इसके साथ ही इन नदियों में बारिश के मौसम के दौरान इकट्ठे होने वाले पानी के लिए नई तकनीकी विकसित करना है। राज्य के जल संसाधन विभाग के अनुसार देश के सबसे बड़े राज्य राजस्थान का भौगोलिक क्षेत्रफल 342.52 लाख हेक्टेयर है। जो पूरे देश का 10.4 प्रतिशत है। लेकिन यहां सतही जल का केवल 1.16 प्रतिशत और भूजल का 1.72 प्रतिशत ही है।

ऐसे में पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना यहां की पानी की समस्या को दूर करने में अहम भूमिका निभा सकती है। इसके बनने से राजस्थान के 41.6 प्रतिशत क्षेत्रफल में सिंचाई के साथ-साथ 23.67 प्रतिशत क्षेत्र के वाटर लेवल को भी मेंटन किया जा सकेगा। केंद्र सरकार ने 1996-97 में त्वरित सिंचाई लाभ योजना बनाई थी। ऐसी बड़ी परियोजनाओं को राष्ट्रीय परियोजना कहां गया। राष्ट्रीय परियोजना उन परियोजनाओं को बनाया जा सकता है जिसमें दो लाख हेक्टेयर से अधिक की सिंचाई हो सके और जल बंटवारे का विवाद ना हो। अभी तक देश में कुल 16 राष्ट्रीय परियोजनाएं हैं। लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि सबसे ज्यादा पानी की कमी वाले राजस्थान में इनमें से एक भी परियोजना नहीं है। हालांकि इस परियोजना पर मध्य प्रदेश सरकार ने एनओसी नहीं दी है। मध्यप्रदेश में जब कमलनाथ की सरकार थी तब उस समय परियोजना की एनओसी को रोका गया था। मध्यप्रदेश ने राजस्थान के प्रोजेक्ट पर यह कहकर आपत्ति जताई थी कि यह प्रस्ताव भारत सरकार की अंतर राज्य नदियों की गाइडलाइन के अनुसार नहीं है। गाइडलाइन के अनुसार 75 प्रतिशत निर्भरता होने पर ही परियोजना बनाई जानी थी। लेकिन राजस्थान में 50 प्रतिशत ही निर्भरता की योजना भेजी हुई है। इसके चलते मामला अंतर राज्य विवाद का बन रहा है।

इस परियोजना पर केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के बयान के बाद कांग्रेस ने इस पर विवाद खड़ा कर इसे मुद्दा बना लिया है। इसे राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने की मांग को लेकर कांग्रेस पार्टी राजस्थान के 13 जिलों में केंद्र सरकार के खिलाफ धरना प्रदर्शन करने लगी है। शेखावत के बयान के बाद कांग्रेस लगातार हमलावर है।

अस्पृश्यता सामाजिक बुराई से आखिर न्याय कैसे मिलेगा?

लक्ष्मी नारायण लहरे

इतने संरक्षण के बाद भी आज भी समाज में अस्पृश्यता फैली है आज भी गरीब इस अस्पृश्यता की जंजीर में जकड़ा दिखता है आखिर समाज इन नियमो के बाद भी कानून को कैसे ठेंगा रही है ,और मजलूमों पर अब भी अत्याचार ,अन्याय हो रहा है । इन सब बातों को लेकर उस सत्य को कहने की एक कोशिश करना चाहता हूं जो आज एक गरीब परिवार इस अस्पृश्यता की शिकार हो गया है और वह पद्मनी कैसे इस विभीषिका से उबर पायेगी । क्या अनुसूचित जाति में जन्मी पद्मनी इस समाज से लड़ पायेगी ? आखिर आज हमें अस्पृश्यता जैसे विषय पर इतनी विश्रित बातें करने की जरूरत क्यों पढ़ रही है ऐसा क्या हुआ कि आज फिर दबे -कुचले समाज इस गंभीर कुरीति का शिकार होकर जी रहे है।

सभ्य समाज आज भी कहीं न कहीं खोखली नजर आती है ।21 वीं सदी में हम अपनी जीवन गुजर -बसर कर रहे हैं ,फिर भी 100 वर्ष पूर्व की जिंदगी जीने को मजबूर दिखते हैं। आज विज्ञान ने बड़े -बड़े चमत्कार किया है पर समाज और धर्म की जंजीरों में अभी भी जकड़े नज़र आते हैं। लोग मन्दिर में देवी को पूजते हैं ।उसकी आराधना करते हैं ,उनकी शक्ति का गुणगान करते हैं ,फिर आज भी नारी जाति पर अन्याय ,अत्याचार क्यों ? समाज आज भी नारी को सम्मान देने से क्यों पीछे हट रहा है ।क्यों वह कभी दहेज की भेंट चढ़ जाती है ,कभी लव जिहाद और कभी अंतर जातीय विवाह की शैय्या में सिसकती नज़र आती है ।समाज की खाप पंचायत उसे अपने ही घर से बेघर कर देती है ।आखिर कब तक समाज ये दुस्साहस कृत्य करता रहेगा और लोग तमाशबीन बन प्रताड़ित होते रहेंगे ।

इस सभ्य समाज की सोंच में कब परिवर्तन होगा ? गरीब आखिर समाज के ठेकेदारों धर्मधीशों की अन्याय कब सहते रहेंगे ।कब होगा उद्धार कब मिलेगी न्याय या यह सिलसिला बस यूं ही चलता रहेगा ।कमजोर वर्ग को न्याय कौन दिलाएगा। गांव टोला ,शहेर ,कस्बा समाज में समानता की भावना पैदा कौन करेगा ।अमीर -गरीब के बीच की खाई को अब पाटना होगा। अस्पृश्यता सामाजिक बुराई है । बापू ने कहा था अस्पृश्यता महापाप है ।यह बात उन्होंने 13 अप्रैल 1921को अहमदाबाद के दलित सम्मेलन में अपने भाषण में कहा था ।भारतीय सामाजिक ब्यवस्था में घर कर गयी कुरीतियों पर चौतरफा हमला किया ।धर्मशास्त्रो से उदाहरण देते हुए इस ब्यवस्था को समाप्त करने की अपील की और दलित लोगों का आह्वान किया वे स्वयं आगे आएं और इन कुरीतियों को मानने से इनकार दें।इस बात को 100 वर्ष हो गए फिर भी आज भेद -भाव नहीं मिट सका है। भारत को आजाद हुए 75 बरस बीत गए ।वहीं 1950 में भारत की संविधान अंगीकार हो गई ।अशपृश्यता उन्मूलन के 67 बरस गुजर गए ।इन वर्षों में अस्पृश्यता खत्म नहीं हो पायी आखिर संविधान का पालन नहीं होने की चुक कहाँ पर हो रही है ?

संविधान के अनुच्छेद 17 के अनुसार अस्पृश्यता या छुआछूत का उन्मूलन किया जा चुका है इसका मतलब यह है कि अब कोई भी ब्यक्ति दलितों को पढ़ने ,मन्दिरों में जाने और सार्वजनिक सुविधाओं का इस्तेमाल करने से नहीं रोक सकता ।वहीं संविधान के अनुच्छेद 15 में कहा गया है कि भारत के किसी भी नागरिक के साथ धर्म ,नस्ल ,जाति ,लिंग या जन्मस्थान पर भेदभाव नहीं किया जाएगा । सिविल अधिकार संरक्षण अधिनियम -संसद ने अस्पृश्यता के उन्मूलन के लिए अस्पृश्यता (अपराध) अधिनियम 1955 पारित किया था तथा 1976 में इसका संशोधन कर इसका नाम सिविल अधिकार संरक्षण कर दिया गया ।अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (उत्पीड़न निवारण)अधिनियम 1989 के तहत प्रथम बार उत्पीड़न की ब्यापक ब्याख्या की गई है । अंतर जातीय विवाह -अंतर जातीय विवाह का अर्थ है दो अलग -अलग जाति के वर और कन्या का विवाह ,चाहे वो किसी भी जाति से हो अनुसूचित जाति ,अनुसूचित जनजाति ,पिछड़ा वर्ग और सामान्य कोई भी किसी भी समुदाय के साथ विवाह रचा सकता है ।

संविधान निर्माता डॉ भीमराव अंबेडकर जी जैसे समतावादी दार्शनिक अंतर जातीय विवाह को प्रोत्साहन देकर जाति ब्यवस्था को कमजोर करने पर बल देते हैं और संविधान में भी अंतर जाति विवाह पर बल दिया गया है और सरकार को ऐसे जोड़ों की मदद की बात कही गई है । भारतीय समाज में आज भी जातियां आर्थिक ,सामाजिक ,राजनीतिक हैसियत निर्धारण करती है ।भारत में सामाजिक गतिशीलता अभी भी काफी कम है भारतीय संविधान में वर्णित बन्धुत्व के विचार को परम्परागत समाज में उस तरह स्व स्वीकार्यता नहीं मिल पायी जैसे आवश्यकता है। अंतर जातीय विवाह की बात करें तब मध्यप्रदेश के समय 1995 में अनुसूचित जाति आयोग के दुवारा यह योजना लागू की गई थी । छत्तीसगढ सरकार ने इस योजना को और महत्व देते हुए 2019 में और संशोधन कर इसे छत्तीसगढ़ सरकार अंतर जातीय विवाह योजना चालू कर दी और जो हिन्दू विवाह एक्ट 1995 के तहत रजिस्डर्ड होती है उन्हें इसका लाभ मिलता है और यह योजना प्रोत्साहित कर जाति भेद -भाव में कमी लाने में मदद करती है।

पाठकों की बात

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

अपने लिये भी

अपने लिये भी एक दिन ऐसा करूगा मैं शिद्दत से अपने सब्र का सौदा करूंगा मैं तुम मुझको देख के भले मुह फेर लो मगर ख्वाबों में तुमको रात दिन देखा करूंगा मै डरता हूं अपना इश्क न बन जाये लव जिहाद सोचा है फिर भी जान पे खेला करूगा मैं।

- राजीव कुमार

सूरज को घमंड था

सूरज को घमंड था उसका तपना तभी एक बादल आ गया चल हट तू पीछे कह के उसे छिपा गया बादल के जोर जबरदस्ती देख आया एक तूफान छिन्न भिन्न किया बादल को बादल हुआ परेशान अडिग खड़े पेड़ समूह रोक दिया तूफान को चित्त पड़े देख तूफान लगा ठोक दिया शैतान को देख इनकी गतिविधि लगा कि,नही बड़ा कोई पल भर के बड़प्पन से बलशाली कोऊ न होई।

- संत आर थवाईत

खास पाती | कश्तियां पानी में यूँ तैराया

कश्तियां पानी में यूँ तैराया न करो बचपन मुझे पास बुलाया न करो पतंग की डोर हवा में लहराया न करो, दोस्तो की याद मुझे दिलाया न करो वो बात बात पर झगड़ना बताया न करो, फिर से माँ की रोटी की याद आया न करो। लुका छुपी का खेल खिलाया न करो बचपन मुझे पास बुलाया न करो। घिर गयी हूँ वक्त की बंदिशों के साये में वक्त बेवक्त यूँ यादों में आया न करो। हो कर बड़ी तो मैं खुद कही खो गयी भीड़ में अकेली हूँ वक्त बताया न करो पाने की हसरतो ने मुझे गंवा दिया, खुद को खुद की याद दिलाया न करो। कश्तियाँ पानी मे यूँ तैराया न करो, बचपन मुझे पास बुलाया न करो।

- आकांक्षा द्विवेदी

शब्दों का जाल बिछाना आया ना

शब्दों का जाल बिछाना आया ना हमें दूसरों का दिल दुखाना आया ना हमें प्रेम -प्यार को ही खुदा माना जब से नफरत का गीत सुनाना आया ना हमेंचालाकियों से भरे सरे बाजार में, दाम मासूमियत का चुकाना आया ना हमें सब को ही अपना बनाते रहे हम तो गैरों से फासला बनाना आया ना हमें बहुत समझाया पाठ कोरेपन का सबने नादाँ थे, समझ अफसाना आया ना हमें यह जमाना नही जगह ÷ सीमा÷ है तेरी इन गलियों में घर बसाना आया ना हमें। **- सीमा भाटिया**

कभी कभी इंसान कुछ ऐसे

कभी कभी इंसान कुछ ऐसे रिश्तों के लिए अपनी ज़मीनी रिश्तों को दांव पर लगा देता है जिसकी कोई जमीन ही नहीं होती। आखिर ऐसा सुख और ऐसी खुशियां किस काम की जिसमें सिर्फ खुद का स्वार्थ छुपा होता है। ऐसे बनानटी रिश्ते बनावटी लोग अहंकार के स्तंभ पर टिके होते हैं।

- अनामिका चक्रवर्ती

पहले कर्नाटक... अब जहाँगीरपुरी...

पहले कर्नाटक... अब जहाँगीरपुरी... तो क्या करें... हनुमान जी की शोभायात्रा निकालना बंद कर दें...? राम-नवमी मनाना छोड़ दें..? पालघर को 2 साल हो चुके हैं... हत्यारे अब तक स्वतंत्र हैं... कुछ करिए... क्यूँकि सहिष्णुता के नाम पर अत्याचार सहने वाली जाति को... समाप्त होते देर नहीं लगती... इतिहास पढ़ लीजिये..! **- कुमार संतोष**

डोर जोड़ अपने नाम की सांसो की

डोर जोड़ अपने नाम की सांसो की डोर से , डोर जोड़ अपने नाम की , या छोड़ दे पकड़ इस हाँथ की , पलट के चला जा , या फिर निकल जा आगे कुछ कदम , मेरे इन कदमो की चल से , छोड़ दे ख्वाबों में यु हर रोज आ कर सताना , होंठो पे खिल जा मुस्कान बन के या , निकल जा आँखों से आंसु की धर बन के। **- नमन कुमार मिश्रा**

घर में धूँआ धूँआ भरा बाहर जरा

घर में धूँआ धूँआ भरा बाहर जरा निकल कर देखा आग लगी थी हर एक घर में हर शख्स हैरान सा देखा था जरा सा मर्ज मेरा तो मैंने हाकिम बीमार देखा आसुओं के सैलाब से बह रहा था शहर पूरा दामन अपना सूखा देखा गई थी दर्द बांटने जरा गड़ गई संकोच से हर नजर शिकवा उफ्फमैंने बेशुमार देखा है प्रभु की मर्जी शामिल हर वक्त तैयार हूँ मैं हाँ फक्र से कह सकती हूँ सबसे निश्चिंत इंसा हूँ मैं। **- डॉ मेनका त्रिपाठी**

चले आए हैं रघुराई, मेरे संकट

चले आए हैं रघुराई, मेरे संकट मिटाने को। शिला बन कर रही बरसों, वचन मुनि का निभाने को। नहीं परवाह थी कोई मिलेगी मुक्ति या जीवन- प्रतीक्षित ही रही हरदम, चरण माथे लगाने को।

- अंशु विनोद गुप्ता

QUIZ TIME

1) कौन-सी तरंगें, जिनके संचरण के लिये माध्यम की आवश्यकता नहीं होती हैं?
2) समतल दर्पण की वक्रता त्रिज्या कहाँ होती है?
3) ऐसे निवेशक , जो नव उद्यमियों को अपना व्यवसाय आरंभ करने के लिये पूंजी उपलब्ध कराते हैं, उन्हें क्या कहा जाता है?
4) किसी कंपनी की शुद्ध वार्षिक आय पर लगाया जाने वाला कर का नाम क्या है?
5) स्वतंत्रता उपरांत अगस्त 1949 में गठित राष्ट्रीय आय समिति के अध्यक्ष कौन थे?

Ramaquiz

उत्तरमाला- (1) विद्युत चुंबकीय तरंगें (2) अनंत तक (3) एंजेल निवेशक (4) निगम कर (5) पी.सी. महालनोबिस

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। 1451 - बहलोल खान लोदी ने दिल्ली पर कब्जा किया। 1770 - कैप्टन जेम्स कुक ऑस्ट्रेलिया पहुंचने वाले पहले पश्चिमी व्यक्ति बने। 1775 - अमेरिकी क्रांति की शुरुआत। 1852 - कैलिफोर्निया हिस्टोरिकल सोसाइटी का गठन हुआ। 1882 - प्रसिद्ध जीव विज्ञानी चार्ल्स डार्विन का निधन। 1910 - हेली पुच्छल तारे को पहली बार खुली आंखों से देखा गया। 1919 - अमेरिका के लेस्ली इरविन ने पैराशूट से पहली बार छलांग लगाई। 1933 - अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति फ्रैंकलिन डी. रूजवेल्ट ने गोल्ड स्टैंडर्ड को छोड़ने की घोषणा की। 1936 - फिलीस्तीन में यहूदी विरोधी दंगे शुरू हुए। 1948 - च्यांग काई शेक चीन के राष्ट्रपति बने। 1972 - बांग्लादेश राष्ट्रमंडल का सदस्य बना। 1975 - तत्कालीन सोवियत रूस की मदद से पहला भारतीय उपग्रह आर्यभट्ट प्रक्षेपित किया गया। 1989 - अफ्रीकी देश सिएरा लियोन ने गणतंत्र की घोषणा की। 2003 - चीन की महिला भारोत्तोलक बांग मिंग च्यान ने विश्व रिकार्ड बनाया। 2006 - प्रथम अंतरिक्ष यात्री नील आर्मस्ट्रांग को उनके द्वारा लाया गया चांद टुकड़ा भेंट किया गया। 2007 - द विजार्ड ऑफ़ आईडी सीरीज के कार्टूनिस्ट ब्रैंड पार्कर का निधन। 2008 - पाकिस्तान ने परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम 2000 किलोमीटर की मारक क्षमता वाले प्रक्षेपास्त्र शहीन-2 का सफल परीक्षण किया। 2011 - क्यूबा के पूर्व राष्ट्रपति फिदेल कास्त्रो ने कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ क्यूबा की केन्द्रीय समिति में 45 वर्षों तक बने रहने के बाद इस्तीफा दिया।

हितग्राहियों को स्वास्थ्य योजनाओं का मिलें शत प्रतिशत लाभः डॉ. अलंग

■ संभागायुक्त ने नगरीय प्रशासन एवं ग्राम निवेश विभाग के अधिकारियों की ली बैठक

बिलासपुर/नवप्रदेश। संभागायुक्त डॉ. संजय अलंग ने नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग तथा नगर एवं ग्राम निवेश विभाग के अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में डॉ. अलंग ने विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि हितग्राहियों को स्वास्थ्य संबंधी योजनाओं का शत प्रतिशत लाभ मिलना चाहिए। डॉ. अलंग ने शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना के प्रगति के संबंध में जानकारी ली। बिलासपुर नगर निगम आयुक्त अजय त्रिपाठी ने बताया कि शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना के तहत अब तक 1 लाख 43 हजार से अधिक मरीजों का उपचार किया जा चुका है तथा 1 लाख 39 हजार से अधिक मरीजों को निःशुल्क दवाईयों का वितरण किया गया है। इसी प्रकार कोरबा जिले में इस योजना के अंतर्गत 2 लाख 43 हजार से अधिक मरीजों का उपचार किया गया है। डॉ. अलंग ने कहा कि शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना शासन की महत्वाकांक्षी योजना है। उन्होंने हितग्राहियों को शत प्रतिशत लाभान्वित करने के लिए जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के भी निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। डॉ. अलंग ने धन्वंतरी मेडिकल स्टोर्स के संचालन के प्रगति के संबंध में भी जानकारी ली। उन्होंने सभी धन्वंतरी मेडिकल स्टोर्स में दवाईयों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा निर्धारित छूट पर ही दवाईयां उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए। डॉ. अलंग ने कार्ययोजना बनाकर समय-समय पर इन दुकानों के मॉनिटरिंग करने के लिए भी निर्देशित किया। संभागायुक्त डॉ. अलंग ने रेन वाटर हार्वेस्टिंग की प्रगति के संबंध में भी जानकारी संबंधित अधिकारियों से ली। उन्होंने कहा कि वाटर हार्वेस्टिंग वर्षा जल संचयन की एक महत्वपूर्ण विधि है। सभी आवासों में इसका इस्तेमाल किया जाना चाहिए। उन्होंने सभी शासकीय भवनों में शत प्रतिशत वाटर हार्वेस्टिंग प्रणाली लगाने के भी निर्देश दिए। इसी प्रकार डॉ. अलंग ने भवन अनुज्ञा, लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत आवेदनों के निराकरण के संबंध में भी जानकारी ली तथा समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। डॉ. अलंग ने कमजोर आय वर्ग के लिए चिन्हांकित भूमि के उपयोग की स्थिति, ले आउट अनुमोदन के लिए प्राप्त आवेदनों के निराकरण आदि के संबंध में जानकारी ली तथा प्रगति लाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर उपायुक्त अर्चना मिश्रा, अखिलेश साहू, कोरबा नगर निगम आयुक्त प्रभाकर पांडेय सहित नगरीय प्रशासन विभाग के अन्य अधिकारी मौजूद रहे

कुचिपुड़ी नृत्य में आराध्या को मिला तीसरा स्थान

बिलासपुर/नवप्रदेश। अखिल भारतीय नृत्य स्पर्धा में बिलासपुर के 52 प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। इसमें साई नृत्य निलयम के बच्चों ने भाग लिया था। संचालक श्वेता नायक ने बताया कि कुचिपुड़ी बहुत कठिन नृत्य साधना है और बच्चों ने बहुत बेहतर निभाया। सैकड़ों प्रतिभागियों में 8 वर्षीय आराध्या नंदी ने कुचिपुड़ी नृत्य का बेहतर प्रदर्शन कर तृतीय स्थान प्राप्त किया।

कमिश्नर व कलेक्टर ने किया तहसील कार्यालय का निरीक्षण

■ डेढ़ दर्जन किसानों को बांटे किसान किताब, खसरा एवं बी-1 की प्रतियां

बिलासपुर/नवप्रदेश। कमिश्नर डॉ. संजय अलंग ने आज कलेक्टर डॉ. सारांश मित्तर के साथ सकरी तहसील कार्यालय का आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने तहसील कार्यालय में राजस्व अभिलेखों एवं दस्तावेजों के रख-रखाव का जहां बारीकी से अवलोकन किया वहीं उपस्थित पक्षकारों एवं अधिवक्ताओं स चर्चा कर तहसील के काम-काज की जानकारी ली। डॉ. अलंग ने करीब डेढ़ दर्जन काश्तकारों को किसान किताब, खसरा एवं बी-1 की प्रतियां भी वितरित किये। उन्होंने अभिलेखों के बेहतर रख-रखाव एवं प्रकरणों की समय-सीमा में निराकरण के लिए तहसील कार्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारियों को शाबाशी दी। ग्राम छतौना से आये किसान विमल केंवट ने बताया कि उनकी दादी एवं पिताजी की फौत के बाद नामांतरण के लिए तहसील कार्यालय में आवेदन किये थे। बिना कोई परेशानी के प्रक्रिया के तहत उनका काम हो गया और उनकी मां कौशल्या के नाम पर जमीन चढ़ गई। जमीन के काग-जात भी तहसील कार्यालय से प्राप्त हो गया। लगभग 20 दिनों में आसानी से यह काम हो गया। पाली के किसान नंदकुमार कौशिक का भूमि सुधार के लिए दिया गया आवेदन का भी एक महीने में काम हो गया। उन्होंने जटिल समझ रहे काम के त्वरित गति से हो जाने पर खुशी जाहिर की। इसी प्रकार बहतराई के प्रमोद कौशिक को मुर्गीपालन उद्योग शुरू करने के लिए अपने पुरखौती जमीन अपने नाम पर कराना था। इसका पट्टा एवं बी-1 की कॉपी भी एक महीने के भीतर उन्हें प्राप्त हो गया। इस अवसर पर मौजूद अधिवक्ताओं ने चर्चा के दौरान कमिश्नर से कहा कि नकल के लिए अभी भी लोगों को तखतपुर जाना होता है। नकल देने की सुविधा भी यहां होनी चाहिए। कमिश्नर ने इस पर सहमति व्यक्त करते हुए कलेक्टर को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिये। नये बन रहे तहसील कार्यालय में अधिवक्ताओं के बैठने की बेहतर व्यवस्था भी बनाने का आश्वासन कमिश्नर ने दिया है। डॉ. अलंग ने निरीक्षण में प्रमुख रूप से दायरा पंजी, राजस्व एवं दाण्डिक प्रकरण, चालू प्रकरण, निराकृत प्रकरण, अर्थदण्ड संबंधी फ ाईलों एवं नस्तियों का निरीक्षण किया और इनके और बेहतर संधारण के लिए कुछ दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कानून संबंधी कुछ किताबों के लिए मांग पत्र भी भेजने को कहा है। इस अवसर पर एसडीएम तखतपुर महेश शर्मा, तहसीलदार अश्विनी कंवर, नायब तहसीलदार मनीषा साहू एवं गुरूदत्त पंचभाई भी उपस्थित थे।

साइंस कालेज प्रबंधन की मनमानी, कर्मचारियों का रोका वेतन

बिलासपुर/नवप्रदेश। शासकीय राघवेंद्र राव विज्ञान महाविद्यालय के कर्मचारियों ने कलेक्टर से शिकायत की है। उन्होंने आरोप लगाया है कि उन्हें समय पर वेतन नहीं मिल रहा है। यहां तक बैंक के माध्यम से भी वेतन जारी नहीं किया जा रहा है। यहां कई प्रकार की परेशानी से कर्मचारी जूझ रहे हैं। कालेज प्रबंधन समस्या को दूर करने ध्यान नहीं दे रहा है।

कर्मचारियों ने अपनी शिकायत में बताया कि शासकीय ई राघवेंद्र राव विज्ञान महाविद्यालय के कर्मचारी करीब 12 वर्षों से अर्ध कुशल मजदूर के रूप में कार्य कर रहे हैं। इसके बावजूद कर्मचारियों को कलेक्टर दर से वह बैंक अकाउंट से वेतन का भुगतान नहीं किया जा रहा है। सभी कर्मचारी का इलाहाबाद बैंक में प्राचार्य के निर्देशानुसार खाता खुलवाया गया था एवं वेतन का भुगतान बैंक द्वारा किया जाना प्रस्तावित था, लेकिन आज तक इसे लागू नहीं किया गया।कर्मचारियों को आचार्य द्वारा भुगतान नहीं दिया जा रहा है और लगातार कर्मचारियों के साथ काम लिया जा रहा है। इसके बावजूद कर्मचारियों को 20 मार्च से से अब तक वेतन भुगतान नहीं किया गया और बिना बताए वेतन पर रोक लगा दी गई है। जिससे कर्मचारी आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं और स्वजनों के सामने भुखमरी की स्थिति निर्मित हो गई है। यहां तक कि बच्चों की परवरिश और स्कूल फीस जमा करने को लेकर भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

मानसिक रूप से परेशान हैं कर्मचारी

कर्मचारियों ने बताया कि समय पर वेतन भुगतान और कलेक्टर दर के नियमानुसार वेतन नहीं मिलने के कारण सही कर्मचारी मानसिक रूप से परेशान है और आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ रहा है। कर्मचारियों ने जिला प्रशासन से समस्या का निराकरण करने की मांग की है। साथ ही वेतन का भुगतान करने प्राचार्य को निर्देश देने की बात कही है।

सौ फीसद ड्यूटी में पहुंच रहे कर्मचारी

कर्मचारियों ने बताया कि मानसिक तनाव के बावजूद सभी कर्मचारी पूरी ईमानदारी से रोजाना ड्यूटी करने पहुंच रहे हैं। कालेज परिसर पर सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं। वीडियो फुटेज देखकर इसकी पड़ताल कर पुष्टि की जा सकती है। सभी कर्मचारी समय पर कार्यालय में उपस्थिति दे रहे हैं और सरकारी काम को संपादित कर रहे हैं।

जर्जर टंकियों से हो रही पानी की आपूर्ति, निगम की लापरवाही

बिलासपुर/नवप्रदेश। नगर निगम में 15 ग्राम पंचायतों को शामिल हुए दो साल बीत गए, परंतु लीकेज और जर्जर टंकियों, जंग लगी टूटी पाइप लाइन से पानी लेने की मजबूरी खत्म नहीं हुई है। जिन परिस्थितियों में पानी सप्लाई हो रही है, उससे संक्रमण की आशंका से इन्कार नहीं किया जा सकता है। संक्रमण से ज्यादा जर्जर टंकियों के धराशायी होने का खतरा बड़ा है।

इनकी हालत बहुत खराब है। बार-बार रिपेयरिंग कराने के बावजूद न तो लीकेज दूर हुआ और न ही खतरा टला। राज्य सरकार के बजट में मार्च महीने में पंचायत क्षेत्रों में पेयजल की व्यवस्था के लिए 20.22 करोड़ रुपये का प्रविधान किया गया। बजट घोषणा अब तक झुनझुना साबित हुई। स्वीकृति का मामला पांच महीने से अटका हुआ है और अब केंद्र सरकार की नई 'जल जीवन मिशन' योजना के लिए नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने प्रस्ताव मंगाया है।

अभी तक यह तय नहीं हो पाया है कि आखिर नगर निगम एरिया में पीने के पानी की व्यवस्था के लिए किस योजना से कब तक पैसे मिलेंगे। बता दें कि जर्जर पानी टंकियों के स्थान पर नई पानी टंकियों के निर्माण का प्रस्ताव संशोधित हो चुका है। पहली बार 10 पानी टंकियों का प्रस्ताव था। अबकि उनकी संख्या बढ़ाकर 26 कर दी गई है।

पंचायत क्षेत्रों में पीने के पानी की व्यवस्था करने के लिए नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा नियुक्त कंसल्टेंट पिल्लीवार ने जो डीपीआर तैयार किया है, उसमें 59.6 करोड़ का प्रस्ताव है। इसके अंतर्गत 16 ग्राम पंचायतों में 75 केएल से 300 केएल की 28 पानी टंकियों का निर्माण किया जाना है।

राजकिशोर नगर फेस दो की टंकी के पाइप लाइन में लीकेज की समस्या महीनों से चल रही है। टंकी से सीपेज हो रहा है। तीन लाख लीटर की क्षमतावाली इस टंकी से एमआइजी, एलआइजी एवं सूरजमुखी के सैकड़ों मकानों में सप्लाई होती है। उन्होंने कहा कि पानी में संक्रमण का खतरा हो न हो, टंकी की जर्जर हालत देख कर कोई भी इसके धराशायी होने का अनुमान लगा सकता है।

नि :शुल्क वाहन प्रशिक्षण, आवेदन 20 तक

बिलासपुर/नवप्रदेश। जिले के बीपीएल श्रेणी के अनुसूचित जाति वर्ग के 20 हितग्राहियों को जो 8वीं उत्तीर्ण हो, उन्हें निःशुल्क वाहन प्रशिक्षण आईटीआई कोनी में दिया जाएगा। प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए आवेदन 20 अप्रैल 2022 तक सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग में किया जा सकता है। प्रशिक्षण अवधि 180 घंटा का होगा। वाहन चालक प्रशिक्षण के साथ वाहन मैकेनिक का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। व्यावसायिक लायसेंस हेतु निर्धारित शासकीय शुल्क विभाग द्वारा वहन किया जाएगा। विद्यार्थियों का चयन मेरिट सूची के आधार पर किया जाएगा। आवदेक के पास गरीबी रेखा के नीचे शासन द्वारा जारी गरीबी रेखा की सूची वर्ष 2011 शामिल परिवार में होना चाहिए। अभ्यर्थी को छ.ग. का मूल निवासी, छ.ग. राज्य द्वारा अधिसूचित अनुसूचित जाति वर्ग, न्यूनतम 8वीं उत्तीर्ण, आयु 18 से 35 वर्ष के मध्य एवं बिलासपुर जिले का निवासी होना चाहिए।

पानी के लिए आधा किलोमीटर दूर सफर, सिरगिट्टीवासी परेशान

बिलासपुर/नवप्रदेश। नगर निगम के अंतिम छोर पर स्थित सिरगिट्टी अब तीन वार्डों में सिमटकर रह गया है। इसके बावजूद यहां की जनता मूलभूत सुविधाओं को तरस रही है। वार्ड नंबर 12 की मुख्य रोड पर एक बोर कनेक्शन है। इसके सहारे 50 घरों के लोगों की प्यास बुझती है। पानी के लिए इस वार्ड के लोगों को आधा किलोमीटर दूर जाना पड़ता है। महिलाओं और क्षेत्र के युवाओं ने पाइपलाइन विस्तार के लिए जोन कमिश्नर से मांग की थी।वार्ड क्रमांक 14 निगम विस्तार के बाद वार्ड क्रमांक 12 बुढ़ादेवनगर में तब्दील हो चुका है। क्षेत्र में गर्मी के समय पानी की समस्या आम बात है। पद्दहाखार मुख्य रोड हरदी बसिया गांव जाने वाले रोड पर 50 से ज्यादा घर है। इन्हें आज भी पीने के पानी की समस्या से जूझना पड़ रहा है।

लोगों का कहना है कि नगर पंचायत के समय से लेकर अब निगम विस्तार के बाद भी सभी तरह की टैक्स जमा किए जा रहे हैं। बावजूद इसके निगम के द्वारा उन्हें कोई भी सुविधा मुहैया नहीं कराई जाती। क्षेत्र में ज्यादातर मजदूर तबके के लोग निवास करते हैं। जो दिनभर काम करने के बाद थक-हार कर अपने घर आते हैं। उन्हें पीने के पानी के लिए आधा किलोमीटर की दूरी का सफर तय करना पड़ता है।

सिरगिट्टी के पूर्व पार्षद गिरधारी सिंह ने बताया कि ज्यादा गर्मी पड़ने के कारण जमीन के अंदर पानी का लेवल गिर जाता है। जिससे नल, हैंडपंप, बोर से कम मात्रा में पानी निकलता है। इसके कारण लोगों को पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं मिल पाता है। जब सिरगिट्टी नगर पंचायत थी।

उस समय भी पानी की समस्या होती थी, लेकिन नगर पंचायत प्रशासन द्वारा पहले सही संकट को दूर करने के लिए टैंकर से पानी पहुंचाया जाता था। जब से निगम में शामिल हुआ है, तब से कोई भी काम तुरंत नहीं होता है। यहां तक कि जरूरी काम के लिए भी लोगों को इंतजार करना पड़ता है। पानी उपलब्ध करवाना सबसे ज्यादा जरूरी काम है। इसके लिए भी निगम ध्यान नहीं देता है।

हर साल होती है समस्या

सिरगिट्टी में हर साल गर्मी के मौसम में पानी की किल्लत होती है। इसके बावजूद जिला प्रशासन या निगम पहले से कोई तैयारी नहीं करते हैं। जब तक लोग पानी के लिए परेशान होने लगते हैं। इसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ता है। वार्ड नंबर 11 के लोगों को इन दिनों पानी के लिए दिक्कत हो रही है।

आवासीय विद्यालय में अंबेडकर जयंती मनाई गई

मुंगेली/नवप्रदेश। डॉ. भीमराव अम्बेडकर शिक्षण संस्थान द्वारा डॉ. भीमराव अम्बेडकर उच्चतर माध्यमिक आवासीय विद्यालय में बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 131वीं जयंती मनाई गई। इस अवसर पर तीन सत्रों में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रथम सत्र में स्थानीय वार्षिक परीक्षा परिणाम की घोषणा एवं वर्ष भर आयोजित विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं का पुरस्कार वितरण व्यवस्थापक एचआर भास्कर के मुख्य आतिथ्य में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थाध्यक्ष राजेन्द्र दिवाकर ने किया। द्वितीय सत्र में डॉ. भीमराव अम्बेडकर के जीवन दर्शन पर आधारित व्याख्यान तथा विद्यालय के उत्कृष्ट तथा वरिष्ठ अभिभावक एवं क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिकों, कड़ीहारों, राजमहंतो और सहयोगियों का सम्मान कार्यक्रम का आयोजन विधायक एवं पूर्व मंत्री पुन्नूलाल मोहले के मुख्य आतिथ्य में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अध्यक्ष नगर पालिका गुरू हेमेन्द्र गोस्वामी ने की। पुन्नूलाल मोहले ने कहा बाबा साहब ने विश्व के सबसे बड़े भारतीय संविधान की रचना की जिससे हम सभी अपने मौलिक अधिकारों एवं कर्तव्यों से अवगत हुए बाबा साहब ने समाज के उद्धार के लिए जो भी संदेश, विचार, क्रियाकलाप, सिद्धांत बताये उसे अपनाकर हम सभी समाज की उन्नति में योगदान दें।आज उन्हीं की देन है कि हम यहॉ एकत्र होकर स्वतंत्रतापूर्वक अपने विचारों का आदान-प्रदान कर रहें है। उन्होंने विद्यालय भवन निर्माण के लिए पांच लाख रुपए विधायक निधि से देने की बात कही। कार्यक्रम के अध्यक्ष नगर पालिका अध्यक्ष हेमेन्द्र गोस्वामी ने अम्बेडकर जयंती की शुभकामना देते हुए विद्यालय के लिए शीघ्र भूमि आबंटन करवाने एवं भूमि पूजन करवाने की घोषणा की। अंत में संस्थान की वार्षिक साधारण सभा की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें गतवर्ष में किये गये वास्तविक आय-व्यय को पारित कर आगामी वर्ष के लिये अनुमानित बजट एवं वार्षिक कलेण्डर का अनुमोदन किया गया।

ब्लॉक स्तरीय स्वास्थ्य मेले का आयोजन आज

मुंगेली/नवप्रदेश। ब्लाक स्तरीय स्वास्थ्य मेले का आयोजन आज सतनाम भवन दाऊपारा में किया जा रहा है। स्वास्थ्य मेले में विभिन्न प्रकार के बीमारियों का निशुल्क जांच एवं ईलाज किया जाएगा। स्वास्थ्य मेले में नाक, कान, गला विशेषज्ञ, नेत्र रोग विशेषज्ञ, अस्थि रोग विशेषज्ञ, स्त्री रोग विशेषज्ञ, शिशु रोग विशेषज्ञ, दंत चिकित्सा अधिकारी, चिकित्सा विशेषज्ञ मेडिसीन डॉक्टर उपस्थित रहकर अपनी सेवाएं देंगे। स्वास्थ्य मेले में आयुष्मान भारत कार्ड निर्माण, डिजिटल स्वास्थ्य आईडी, कैंसर का निशुल्क जांच, क्षय एवं चर्म रोग, नाक, कान, गला रोग, मोतियाबिंद, गर्भवती एवं शिशुवती महिलाओं की जांच, अस्थमा, परिवार नियोजन सामाग्री का निशुल्क वितरण, कोविड 19 टीकाकरण सुविधा, लेबोरेटरी जांच, हिमोग्लोबिन, शुगर, ब्लड ग्रुप, आयुर्वेदिक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध रहेगी। मेले में ध्यान एवं योगा कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाएगा।

भांग की दुकान आबंटन के लिए आवेदन 20 अप्रैल तक

बिलासपुर/नवप्रदेश। जिले में भांग एवं भांग घोटा की 02 फुटकर दुकानों के आबंटन के लिए 20 अप्रैल तक आवेदन आमंत्रित किए गए है। आबकारी उपायुक्त ने बताया कि मंगला चौक एवं गुरूनानक चौक की 02 भांग एवं भांग घोटा की फुटकर दुकानों के लिए लायसेंस आवेदन प्रणाली अंतर्गत वर्ष 2022-23 हेतु आवेदन निर्धारित प्रपत्र में समस्त औपचारिकताओं की पूर्ति पश्चात् सहायक आयुक्त आबकारी कार्यालय जिला बिलासपुर में 20 अप्रैल तक जमा किये जा सकते हैं। भांग एवं भांग घोटा की फुटकर दुकानों की अनुज्ञप्ति के लिए एक से अधिक आवेदन प्राप्त होने पर अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा 21 अप्रैल को दोपहर 3 बजे से मैन्युअल लॉटरी पद्धति के माध्यम से कलेक्टोरेट बिलासपुर में अनुज्ञप्तिधारियों का चयन किया जाएगा। भांग एवं भांग घोटा की फुटकर दुकानों के व्यवस्थापन के संबंध में अधिसूचित छ.ग. भांग अधिनियम 2021 में प्रावधानिक नियम, शर्तें, शुल्क ड्यूटी दरें, मादक पदार्थों की खपत आदि की जानकारी सहायक आयुक्त आबकारी कार्यालय से कार्यालयीन समय में प्राप्त की जा सकती है। किसी कारणवश निर्धारित तिथि एवं समय में अनुज्ञप्तिधारी के चयन की कार्यवाही पूर्ण नहीं होने की स्थिति में लायसेंस हेतु कलेक्टर द्वारा घोषित तिथि एवं समय में की जा सकेगी।

महिला आयोग की सुनवाई 21 अप्रैल को

बिलासपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक 21 अप्रैल को सुबह 11 बजे जिले से प्राप्त आवेदनों एवं शिकायतों की सुनवाई प्रार्थना सभाकक्ष बिलासपुर में करेंगी।

आईटीआई कोनी में अप्रेंटिसशीप मेला 21 को

बिलासपुर/नवप्रदेश। आईटीआई कोनी के सीओई भवन में 21 अप्रैल 2022 को सुबह 9 बजे से अप्रेंटिसशीप मेला का आयोजन किया गया है। जिसमें औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं बिलासपुर से विद्युतकार, फिटर, डीजल मैकेनिक, मैकेनिक मोटर व्हीकल, मैकेनिक ट्रेक्टर, वायरमैन, वेल्डर, इलेक्ट्रॉनिक्स, मैकेनिक रेफ्रिजरेशन एंड कंडीशनर, उपकरण यांत्रिकी, टर्नर, मशीनिष्ट, कोपा, आई.सी.टी.एस.एम. उत्तीर्ण प्रशिक्षणार्थी अपने समस्त दस्तावेजों के साथ सम्मिलित हो सकते हैं। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए आईटीआई कोनी बिलासपुर में कार्यालयीन समय पर संपर्क कर सकते हैं।

फलबहार का आवंटन 22 अप्रैल को

बिलासपुर/नवप्रदेश। बिलासपुर के सरकण्डा स्थित शासकीय उद्यान रोपणी की आम एवं नारियल फल बहार का आवंटन 22 अप्रैल को दोपहर 2 बजे किया जायेगा। आवंटन की प्रक्रिया नीलामी के जरिए की जायेगी। उद्यान अधीक्षक ने बताया कि इच्छुक व्यक्ति नीलामी के पूर्व रोपणी का दौरा कर फलबहार का अवलोकन कर सकते हैं। शर्तों एवं नियमों की जानकारी रोपणी स्थित कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। प्रक्रिया में शामिल होने वालों को कोविड की दिशा-निर्देशों का पालन करना होगा।

भवन के सामने खड़ी बाइक पार

मुंगेली/नवप्रदेश। शादी कार्यक्रम में शामिल होने गए युवक की मोटर साइकिल को अज्ञात चोरों ने पार कर दिया। आसपास पतासाजी करने के बाद जानकारी नहीं मिलने पर युवक ने सिटी कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई। शिवाजी वार्ड सिंधी कालोनी निवासी संजय लखवानी किराना दुकानदारी का काम है। 9 अप्रैल को अपनी मोटर साइकिल क्रमांक सीजी 28 इ 1947 मे रायपुर रोड स्थित केशरवानी भवन के सामने शादी कार्यक्रम में शामिल होने गया था। अपनी मोटर साइकिल को युवक रात्रि लगभग 10 बजे केशरवानी भवन के सामने खड़ा कर शादी कार्यक्रम में चला गया। कुछ देर बाद वापस आया तो देखा कि मोटर साइकिल पैशन प्रो को कोई अज्ञात चोर चोरी कर ले गया था।

पैराडाइज स्कूल में अग्नि सुरक्षा के लिये बच्चों को किया गया जागरूक

नगर सेना कांकेर द्वारा मॉक ड्रील कर अग्नि सुरक्षा की दी गई जानकारी

कांकेर/नवप्रदेश। पैराडाइज हायर सेकेण्डरी स्कूल में अग्नि सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत कांकेर नगर सेना के जवानों द्वारा मॉक ड्रील करके, अग्नि सुरक्षा के पूर्व अभ्यास का प्रर्दशन करके दिखाया गया। बच्चों को अचानक आगजनी की स्थिति में स्वयं एवं अन्य लोगों की कैसे बचाव करना चाहिये, किन-किन चीजों का उपयोग करके आग पर काबू पा सकते है। बच्चों एवं स्कूल स्टाफ को साधारण आग एवं तेल की आग पर कैसे काबू पाया जाता है।अग्नि शमन यंत्रों द्वारा प्रेक्टीकल करके दिखाया गया। पैराडाइज स्कूल में बच्चों की सुरक्षा के लिये पूरे अग्नि सुरक्षा संयंत्र लगाये गये है। सम्पूर्ण स्कूल अग्नि शमन यंत्रों के द्वारा पूर्ण रूप से सुरक्षित है। अग्नि सुरक्षा सप्ताह में नगर सेना के जवानों द्वारा स्कूल में लगे सभी अग्नि सुरक्षा यंत्रों द्वारा बच्चों को अग्नि सुरक्षा का पूर्वाभ्यास कराकर, आग लगने से बचाव की जानकारी दी गई।सैकड़ो बच्चों ने अग्नि सुरक्षा के महत्वपूर्ण जानकारी को कार्यरूप में भी समझा। इस अवसर पर नगर सेना टीम के अधिकारियों द्वारा स्कूल परिसर में लगे अग्नि शमन के संपूर्ण यंत्रों का निरीक्षण भी किया गया।अग्नि सुरक्षा सप्ताह के अवसर पर नगर सेना विभाग द्वारा अग्नि सुरक्षा विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।जिसमें आलिया बानो पल्लवी कोर्राम चेष्टा नेताम जायना ईशानी, अवनी रजक वैष्णवी ठाकुर भार्गवी कोर्राम प्रियल देवांगन निकिता नेताम,नीलगगन टोप्पो वंदना मरकाम,शशांक कोर्राम, मिनल नेताम शैलजा गौतम,दीपेन्द्र भण्डारी, शेजल पिद्दा प्रज्जवल सिन्हा, राहुल जैन, दीपांजली सिन्हा,मोनिशा पिद्दा, डाकेश रजक नूरफ्सा फातिमा खान, बूशरा बानो दीपाली साहू,सामिया बानो, समर्थ गुप्ता हर्षिता यादव, अरमान टोप्पो, यश नेताम, रोहन रजक आदि बच्चों ने भाग लिया और अग्नि सुरक्षा की जानकारियों को और अधिक आत्मसात किया। प्रथम चेष्टा नेताम द्वितीय पल्लवी कोर्राम एवं तृतीय स्थान सेजल पिद्दा ने प्राप्त किया। प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कार प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया।अग्नि सुरक्षा का यह सम्पूर्ण कार्यक्रम नगर सेना के अधिकारी के.के.श्रीवास्तव सहायक उप निरीक्षक नगर सेना कांकेर एवं उनके जवान फायरमैन'शत्रुघन सिन्हा, विनोद कुमार रावटे,सुखचंद कश्यप, 'फायर वाहन चालक'दिलीप कुरूप, 'फायर सैनिक'- मुकेश कश्यप, दयालुराम ध्रुव फरसराम कवासी, विष्णु गोस्वामी, देवनाथ देहारी, भोज कुंजाम एवं लांसनायक- प्रकाश ठाकुर द्वारा सम्पन्न हुआ। अग्नि सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम को सम्पन्न कराने में प्राचार्य रश्मि रजक मैनेजर योगेश रजक एवं अन्य सभी शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं का विशेष योगदान रहा।

अध्यक्ष सहित मण्डल कमेटी की घोषणा

सूरजपुर/नवप्रदेश। पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिलाध्यक्ष रामानंद जायसवाल के अनुमोदन से भाजपा मंडल अध्यक्ष अजय अग्रवाल ने सूरजपुर शहर के पिछड़ा वर्ग मोर्चा के अध्यक्ष सहित मण्डल कमेटी की घोषणा की, जिसमे मंडल अध्यक्ष *भुनेश्वर साहु* को बनाया गया है माहमंत्री मनोज कुमार एवं तुषाल कुमार को को बनाया गया, उक्त कमेटी में उपाध्यक्ष मंत्री एवं कोषाध्यक्ष बनाये गए हैं पिछड़ा वर्ग समाज मे भाजपा की विचारधारा पहुंचाने में उक्त मोर्चा काम करेगा। अजय अग्रवाल ने अध्यक्ष सहित सभी पदाधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

व्यापारी के बाइक में रखें 2 लाख अज्ञात बदमाशों ने किया पार

रामानुजगंज/नवप्रदेश। आज सुबह 11:15 बजे के करीब दिनदहाड़े नगर के सबसे व्यस्त स्थानों में एक आढ़त रोड में एक व्यापारी के बाइक में रखें 2 लाख अज्ञात बदमाशों के द्वारा बाइक खड़ा करने के मुश्किल से 5 मिनट के अंदर ले चंपत हो गए। घटना की तत्काल जानकारी लिखित में व्यापारी के द्वारा रामानुजगंज थाने को दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम बगरा के प्रदीप गुप्ता उम्र 50 वर्ष के द्वारा भारतीय स्टेट बैंक से आज सुबह 11 बजे के करीब 2 लाख रुपय निकालकर अपने बाइक की डिक्की में रखा जिसके बाद 11:15 बजे के करीब नगर के सबसे व्यस्त आढ़त रोड में गुलाब मार्केट के सामने की दुकान के पास अपना बाइक खड़ा किया व सामने के कपड़ा दुकान में टोपी लेने चला गया इस दौरान मुश्किल से 5 मिनट से भी कम समय में डिक्की में रखे 2 लाख रुपय अज्ञात बदमाशों के द्वारा निकाल लिया गया। घटना के बाद मौके पर अपना तफरी मच गई एवं तत्काल घटना की जानकारी व्यापारी ने लिखित में थाने में दी।

पहले भी कई बार हो चुकी है ऐसी घटनाएं

नगर में उठाई गिरी की कई घटनाएं पहले भी हो चुकी है वहीं आज फिर से हुई बड़ी घटना से व्यापारियों में दहशत है व्यापारियों ने मांग की है कि जल्द आरोपियों को पकड़ा जाए।

डॉ अम्बेडकर की 131 जयंती के उपलक्ष्य में भीम महाउत्सव सर्व समाज ने मिलकर मनाया

बीजापुर/नवप्रदेश। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश सचिव युवा कांग्रेस उपाध्यक्ष जिला पंचायत बीजापुर कमलेश कारम जी ने बाबा साहब के तस्वीर के सामने दीप प्रज्वलित कर बाबा साहब को स्मरण करते हुए उनकी तस्वीर पर पुष्पमाला अर्पित कर उन्हें कोटि कोटि नमन किए और उन्होंने कहा कि बाबा साहब की बताए गए मार्ग पर हर एक वर्ग के व्यक्ति को चलना चाहिए और मैं भी बाबा साहब के बताए गए मार्ग पर चलूंगा कहा,और जाति भेदभाव ऊंच-नीच जैसे प्रथा को सर्व समाज मिलकर जड़ से खत्म करना होगा इस समय सर्व समाज के लोगों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ जय भीम, जय भीम के खूब नारे लगाए। भीम महोत्सव में रंगारंग कार्यक्रम किया गया जैसे कि क्यूज कॉन्पिटिशन, नन्हे मुन्ने बच्चों का मॉडल लिंग, सिंगिंग, डांसिंग, एवं बीजापुर जिले के आगाज आर्केस्ट्रा ने खूब रोशनी बिखेरी

भीम महोत्सव में सम्मिलित हुए उसूर ब्लॉक के जनप्रतिनिधिगण जनपद अध्यक्ष अनीता तेलम, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुकलू पुनेम, विधायक प्रतिनिधि, मनोज अवलम, उपाध्यक्ष जनपद पंचायत श्रीनिवास बीराबोईना, पूर्व जिला पंचायत सदस्य रत्ना सोढी जी,आवापल्ली की सरपंच मीनाक्षी नोल्ली, नागेश सोढी, राजेश वासम, विनोद तालुकदार जी एवं अन्य।

समाज प्रमुख: नारायण ककेम, के.के चापड़ी, मुकेश शर्मा, गौतम पाइक, शेख मोहम्मद दीन एवं अन्य समाज प्रमुख हुए।

आयोजन समिति: अनिल झाड़ी, प्रभारानी बुरका, जगदीश झाड़ी। पुरुषोत्तम उप्पल, चंद्रवती ठाकुर, नीलू मडे, पूर्ण चंद बेहरा, रामप्रसाद सरके एवं अन्य आयोजन समिति के लोग थे। भीम महोत्सव मैं समस्त आवापल्ली के क्षेत्रवासी स्कूली बच्चे, छात्र-छात्राएं, माताएं बहने, अधिकारी कर्मचारी अनेक समाज के लोग सज्जन पुरुष, बालक, एवं सभी ग्राम से आए ग्रामीण इस भव्य कार्यक्रम में उपस्थित हुए।

विकास कार्यों का भूमि पूजन एवं लोकार्पण

गुंडरदेही/नवप्रदेश। आज संसदीय सचिव छत्तीसगढ़ शासन एवं गुंडरदेही विधानसभा के लोकप्रिय विधायक कुंवर सिंह निषाद जी गुंडरदेही ब्लॉक के ग्राम सिकोसा में भूमि पूजन एवं लोकार्पण समारोह में सम्मिलित होकर जल जीवन मिशन के अंतर्गत नवीन पानी टंकी, वार्ड क्रमांक 12, 13, 14, 15 गली सीमेंटीकरण, शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल शेड निर्माण के विकास कार्यों का भूमि पूजन एवं लोकार्पण किए।इस अवसर पर श्रीमति सुचित्रा हेमंत साहू जी अध्यक्ष, पुष्पेंद्र चंद्राकर जी सदस्य जिला पंचायत बालोद, श्रीमती ममता चंद्राकर जी सदस्य जनपद पंचायत गुंडरदेही, भोजराज साहू अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस गुंडरदेही, श्री डोमन देशमुख जी अध्यक्ष सरपंच संघ गुंडरदेही, संजय बारले जी अध्यक्ष जिला सतनामी समाज बालोद, आरोप चंद्राकर सरपंच सिकोसा एवं ग्रामवासी भारी संख्या में उपस्थित रहे।

मंगापेंटा एवं बरगापारा के बीच आगजनी की घटना में शामिल 8 माओवादी गिरफ्तार

थाना कुटरू एवं डीआरजी बीजापुर की संयुक्त कार्यवाही

बीजापुर/नवप्रदेश। जिले मे चलाये जा रहे माओवादी विरोधी अभियान के तहत् 17 अप्रैल 2022 को थाना कुटरू एवं डीआरजी का संयुक्त बल एरिया डॉमिनेशन पर ऐरामंगी की ओर निकली थी। अभियान के दौरान 17 अप्रैल को 08 माओवादियों को पकडे गये।उक्त पकडे गये माओवादी थाना कुटरू क्षेत्रान्तर्गत 04 फरवरी 2022 को मंगापेंटा व बरगापारा के बीच आगजनी की घटना में शामिल रहे। पकड़े गये सभी माओवादियों के विरूद्ध थाना कुटरू में वैधानिक कार्यवाही उपरान्त 18 अप्रैल को न्यायालय दन्तेवाड़ा पेश किया गया है।

पकड़े गये 8 माओवादी

हुंगा कवासी पिता गंगो कवासी उम्र 45 वर्ष जाति मुरिया, साकिन ऐरामंगी। वामन पोयाम पिता वैषू पोयाम उम्र 42 वर्ष जाति मुरिया साकिन ऐरामंगी। सुखराम पोयामी पिता सोंगडू पोयामी उम्र 36 जाति मुरिया साकिन ऐरामंगी। फागनू माडवी पिता मंगलू माडवी उम्र 18 वर्ष जाति मुरिया साकिन ऐरामंगी।सीतो राम माडवी पिता बुधरू माडवी उम्र 26 जाति मुरिया साकिन ऐरामंगी। तुलसी राम माडवी पिता पाण्डू माडवी उम्र 26 वर्ष जाति मुरिया साकिन ऐरामंगी। बदरू माडवी पिता चमरू माडवी उम्र वर्ष जाति मुरिया साकिन ऐरामंगी। चन्द्रु कुहरामी पिता सन्नू कुहरामी उम्र 52 वर्ष जाति मुरिया साकिन ऐरामंगी।

विकासखण्डों में स्वास्थ्य मेला का आयोजन 19 से 24 अप्रैल तक

कांकेर/नवप्रदेश। जिले के सभी विकासखण्डों में स्वास्थ्य मेला का आयोजन किया जायेगा, जिसमें डिजिटल स्वास्थ्य आई.डी. निर्माण, गैर संचारी रोग स्क्रीनिंग, आयुष्मान भारत कार्ड जारी करना, जागरूकता एवं स्वास्थ्य शिक्षा, बुनियादी स्वास्थ्य सेवायें, टेलीकंस्ल्टेशन और रेफरल, योग, ध्यान जैसी स्वास्थ्य गतिविधियां स्वास्थ्य मेला में किया जायेगा।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जे.एल. उईके ने बताया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अंतागढ़ एवं नरहरपुर में 19 अप्रैल मंगलवार को, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र धनेलीकन्हार एवं एमसीएच विंग पखांजूर में 20 अप्रैल बुधवार को, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चारामा में 21 अप्रैल गुरूवार को तथा कोयलीबेड़ा बाजार स्थल एवं दुर्गूकोंदल के बाजार स्थल में 22 अप्रैल शुक्रवार को और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भानुप्रतापपुर में 24 अप्रैल रविवार को स्वास्थ्य मेला का आयोजन किया जायेगा। विकासखण्डों में आयोजित स्वास्थ्य मेला में जिला चिकित्सालय एवं मेडिकल कॉलेज कांकेर के विशेषज्ञ डॉक्टरों के द्वारा अपनी सेवायें दी जायेंगी एवं मरीजों का उपचार किया जायेगा। स्वास्थ्य मेला प्रातः 09 बजे से सायं 05 बजे तक आयोजित किया जायेगा, जिसके लिए स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है।

डेढ़ साल बाद भी पोस्ट-कोविड के लक्षणों वाले मरीज आ रहे हैं: डॉ पटेल

रायगढ़/नवप्रदेश। जहां एक ओर जिले में कोरोना संक्रमण की थमती रफ्तार और कोरोना-संबंधित प्रशासनिक गाइडलाइन में ढील एक राहत की बात है वहीं दूसरी ओर कई मरीजों को संक्रमण के बाद पोस्ट-कोविड समस्याओं से एक लंबे समय तक जूझना पड़ रहा है। यह वायरस के कारण होने वाली वो तकलीफें हैं, जो लंबे समय तक इंसान की ज़िन्दगी में आफत बन सकती हैं। सावधानी नहीं बरती तो इससे जान को भी खतरा हो सकता है। डॉक्टर्स के अनुसार, मरीजों को कोरोना से ठीक होने के अगले तीन महीने तक सतर्क रहना चाहिए क्योंकि इस दौरान पोस्ट-कोविड से संबंधित दिक्कतें होने की संभावना बनी रहती है। जहां कुछ मरीजों को सामान्य परेशानियां हो सकती हैं, वहीं कुछ लोग गंभीर बीमारियों की चपेट में आ सकते हैं। छाती एवं श्वांस रोग विशेषज्ञ डॉ. गणेश पटेल कहते हैं, जब कोरोना वायरस किसी इंसान के शरीर में प्रवेश करता है, तो उसका इम्यून सिस्टम वायरस से लड़ता है। इस दौरान शरीर में माइक्रो न्यूट्रिएंट्स की खपत ज्यादा हो जाती है, जिसके चलते शरीर कमजोर हो जाता है। कोरोना से रिकवर होने के बाद भी माइक्रो न्यूट्रिएंट्स की कमी के कारण ये कमजोरी बनी रह सकती है। इसलिए कई लोगों में पोस्ट-कोविड कॉम्प्लिकेशन के लक्षण छह महीने तक भी दिखाई देते हैं। वायरस से लड़ने के लिए शरीर में बने एंटीजन इम्यून सिस्टम में इस तरह के बदलाव करते हैं, जिससे इम्यून सिस्टम ज्यादा एक्टिव हो जाता है। इसी वजह से कोरोना से ठीक होने के बाद भी उसके लक्षण, जैसे सिर चकराना, थकान, हल्का बुखार, जोड़ों में दर्द आदि बने रहते हैं। हेल्थ कोच प्रियंका द्विवेदी (28 वर्ष) बताती हैं कि कोविड के शुरुआत से ही उन्होंने व उनके परिवार ने एहतियात बरते लकिन कोविड की दूसरी लहर में वह संक्रमित हो गई। वह 14 दिन के होम आइसोलेशन में थी और ठीक हो गई है लेकिन कुछ ही दिनों बाद उन्हें गंध और स्वाद दोनों नहीं आ रहे थे हालांकि कुछ दिनों बाद यह ठीक हो गया पर अब उन्हें जो चीजें ज्यादा पसंद थी उनसे उन्हें बदबू आती हैं और इसको लेकर वह 10 माह से परेशान हैं। ऐसे ही 45 साल के पुरुषोत्तम साहू को मुख्यतः नींद न आने की समस्या है । कोरोना संक्रमण से ठीक होने के बाद उनमें कोई भी पोस्ट कोविड लक्षण नहीं थे लेकिन दीवाली के बाद से उन्हें नींद नहीं आने की शिकायत हुई। जिले के एकमात्र छाती एवं श्वांस रोग विशेषज्ञ डॉ. गणेश पटेल बताते हैं की उनके पास बीते एक साल से कोरोना संक्रमित मरीजों की तुलना में संक्रमण से उबरने के बाद होनी वाली दिक्कतों के मरीज अधिक आते हैं। जिसका अर्थ यह है कि जो कोविड से संक्रमित होकर घर में रहकर इलाज करा रहे थे उनमें भी पोस्ट-कोविड के लक्षण आए हैं। जिन्हें कोरोना ने संक्रमित किया है उनमें शुरुआती के तीन महीने के लक्षण अलग होते हैं। कमजोरी आना, सांस भरना, खांसी, सीने में दर्द, नींद नहीं आना, सिर दर्द होना, स्वाद और गंध का पता नहीं चलना जैसे आम लक्षण थे।

कलेक्टर ने सुनी जनदर्शन में ग्रामीणों की समस्याएं

सूरजपुर/नवप्रदेश। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने आज जिला कलेक्टोरेट में स्थित जनदर्शन सह जन संवाद कक्ष में विभिन्न शिकायतों एवं समस्याओं, मांगों को लेकर जनसंवाद कक्ष में पहुंचे ग्रामीणोंजनों की आवेदनों अतिक्रमण संबंधी, फौती, नामांतरण, प्राकृतिक आपदा, आवेदन प्राप्त आवेदन का अवलोकन किया। उन्होंने आवश्यक कार्यवाही करने संबंधित विभाग को निर्देश दिए हैं। राजस्व के अंतर्गत आने वाले जमीन विवाद, पट्टा संबंधी, अधिपत्य की भूमि पर कब्जा, मजदूरी भुगतान, अतिक्रमण के आवेदन प्राप्त हुए का नियमानुसार कार्रवाई कर निराकरण करने के निर्देश दिए।

देवभूमि राजापारा में हनुमान जन्मोत्सव में विशेष अनुष्ठान

नपा अध्यक्ष विशेष अनुष्ठान में हुइ शामिल

कांकेर/नवप्रदेश। देवभुमि राजापारा में हनुमान जन्मोंउत्सव के अवसर पर पार्षद आनंद चौरसिया व वॉर्डवासियों ने रामभक्त हनुमान जयंती की तैयारियो को लेकर क़रीब दो दिनो से जुटे हुए थे।हनुमान जयंती पर देवभूमि के नाम से मशहूर राजापारा में परम भक्त हनुमान की विशेष अनुष्ठान की तैयारी की गई थी। जिसमे मुख्य अतिथि के रुप में नगर पालिका अध्यक्ष सरोज जितेंद्र सिंह ठाकुर ने पूजा अर्चना में शामिल होकर विशेष अनुष्ठान में हवन पूजन कर राम भक्त हनुमान की श्रद्धा में लीन दिखाई दिए। सम्पूर्ण पुजा के। बाद नपा अध्यक्ष ने राजापारा वार्ड वासियो की मांग को देखते विभिन्न योजनाओं के तहत निर्माण कार्य की स्वीकृति प्रदान की गई है।

नपा अध्यक्ष श्रीमती सरोज जितेंद्र सिंह ठाकुर ने पार्षद आनंद चौरसिया के द्वारा अध्यक्ष महोदया के संज्ञान में लाते वार्डवासियों की मांगो का ध्यानकृष्ट कराया गया। जिसके बाद अध्यक्ष निधि से राजापारा वार्ड वासियों को नपा अध्यक्ष ने डामरीकरण सड़क और रोड के दोनों ?र पेपर ब्लॉक का भूमि पूजन किया गया ।राजापारा पार्षद आनंद चौरसिया ने वार्डवासियों में सम्मानिय गणमान्य नागरिक भूमिपूजन में शामिल हुए। उक्त भूमि पूजन में पार्षद आनंद चौरसिया ने विभिन्न निर्माण कार्यों का रूपरेखा तैयार कर लिया है। पार्षद आनंद चौरसिया ने बताया की वार्डवासीयो की लंबे समय से मांग थीं जिस पर अध्यक्ष महोदया ने गांधी चौक से लेकर सनराइज पब्लिक स्कूल तक डामरीकरण सड़क का पहले चरण में निमार्ण कार्य शूरू हो चुका है। डामरयुक्त सड़क निर्माण कार्य गांधी चौक से लेकर राजा पारा स्कूल तक बनेगा। इसके अलावा रोड के दोनों ओर पेवर ब्लॉक का कार्य शुरू किया जाएगा।दूसरे चरण में राजापारा स्कूल से लेकर राम जानकी मंदिर तक पर पेवर ब्लॉक का निर्माण कार्य शूरू किया जाएगा। इसके अलावा वॉर्ड में बिजली पानी की समस्या को जल्द दूर किए जाने की बात कहीं गई है। हनुमान जन्मोत्सव कार्यकम में

सोमेश सोनी अरविंद चौहान राम कुमार चौरसिया प्रवेश चौहान राजू जैन सुरेंद्र पटेल गौरव शास्त्री कामिनी चौरसिया उमा गुप्ता जया मिश्रा.शीतल पंसारी. लोकेश्वरी पटेल

माया गोस्वामी उमा चौरसिया.मम्मीता सींग हर्ष यादव अंकित देव सतीश यादव विकास चौरसिया आशुतोष देव कार्तिक चौरसिया मम्मीताआदि थे

बैतेल चर्च में ईस्टर पर्व मनाया गया

कांकेर/नवप्रदेश। क्रिस्चन समाज ने रविवार को ईस्टर पर्व बड़े ही हर्षोल्लास पूर्वक मनाया।इस दौरान टिकरापारा स्थित बैतेल चर्च के पास्टर एबल वर्गीस ने प्रभू यीशु मसीह के पुनरुत्थान का संदेश- इसाइओ का सबसे महत्वपूर्ण वार्षिक धार्मिक पर्व है। ईसाई धार्मिक ग्रन्थ के अनुसार, इस दिन ईसा मसीह को सूली पर लटकाए जाने के तीसरे दिन यीशु मरे हुओं में से पुनर्जीवित हो गए थे।

प्रभु येशु मसीह की इस पुनरुत्थान को बड़े धूम धाम से मनाया प्रभु की मारे हुए में से जी उठने की बाते येशु की दर्शन की बाते मत डरो, शीघ्र जाओ ब्लेसन वर्गीस द्वारा और महिलाओं द्वारा आराधना किया गया क्योंकि यीशु का पुनरुत्थान का समय उन्हें सबसे पहले मरियम मगदलीनी नामक महिला ने देख अन्य महिलाओं को इस बारे में बताया था।ओर गाड़ा गया; और पवित्र शास्त्र के अनुसार तीसरे दिन जी भी उठा था।और कैफा को तब बारहों को दिखाई दिया।फिर पांच सौ से अधिक भाइयों को एक साथ दिखाई दिया, जिन में से बहुतेरे अब तक वर्तमान हैं पर कितने सो गए। परमेश्वर,येशु की दर्शन की बाते सांति की बाते प्रभु येशु की मारे जाने गाड़े जाने और जी उठने की बाते और हर एक मनुष्य जाति के लिए प्रार्थना किया गया।

मुख्यमंत्री करेंगे राष्ट्रीय जनजातीय साहित्य महोत्सव का शुभारंभ

■ **तीन दिवसीय आयोजन राजधानी रायपुर में आज से**

■ **देशभर के साहित्यकारों, विद्वानों, शोधार्थियों का समागम**

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी रायपुर में राष्ट्रीय जनजातीय साहित्य महोत्सव का आयोजन आज से किया जा रहा है। इस तीन दिवसीय महोत्सव में देश भर के जनजातीय साहित्यकार शामिल होंगे। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल 19 अप्रैल को राजधानी रायपुर के पंडित दीनदयाल ऑडीटोरियम में तीन दिवसीय राष्ट्रीय जनजातीय साहित्य महोत्सव का शुभारंभ करेंगे।

आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने मीडिया से चर्चा करते हुए बताया कि यह आयोजन देश भर में पारंपरिक एवं समकालीन साहित्य से परिचय तथा आधुनिक संदर्भ में उनके विकास की स्थिति ज्ञात करने के साथ ही छत्तीसगढ़ राज्य में जनजातीय साहित्य के क्षेत्र में कार्य कर रही शोधार्थियों, साहित्यकारों, रचनाकारों को मंच प्रदान कर जनजातीय साहित्य के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। राष्ट्रीय जनजातीय साहित्य महोत्सव के साथ-साथ राज्य स्तरीय कला एवं चित्रकला तथा आदिवासी नृत्य महोत्सव का आयोजन आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान के तत्वाधान में किया गया।

साहित्य महोत्सव में देश के विभिन्न राज्यों से जनजातीय विषयों पर लिखने वाले जनजातीय एवं अन्य स्थापित और विख्यात साहित्यकारों, रचनाकारों, विश्वविद्यालयों के अध्येताओं, शोधार्थियों, विषय-विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया है। अब तक 80 शोधपत्र प्राप्त हो चुके हैं। शोधार्थियों को कार्यक्रम में शोध पढ़ने के लिए आमंत्रण पत्र भेजा जा चुका है। वरिष्ठ साहित्यकारों और विद्वानों के साथ परिचर्चा के लिए देश के विभिन्न जनजातीय राज्यों और विश्वविद्यालयों से लगभग 28 प्रोफेसरों एवं साहित्यकारों की सहमति प्राप्त हो चुकी है। छत्तीसगढ़ राज्य के भी विद्वान जो महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों एवं जनजातीय क्षेत्र में है, उनको भी आमंत्रित किया गया है। शोधपत्रों के सारंश को पुस्तक के स्वरूप में प्रकाशित किए जाने की भी तैयारी है।

राष्ट्रीय जनजातीय साहित्य सम्मेलन परिचर्चा में झारखंड, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, मेघालय, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, मध्यप्रदेश, अरूणाचल प्रदेश, कर्नाटक से विद्वान एवं प्रतिष्ठित साहित्यकार भाग लेंगे। इसके साथ ही तीन पद्मश्री सम्मान प्राप्त लोक संस्कृति के संरक्षण एवं विकास से संबंधित पद्मश्री दम्यन्ती बेसरा, ओडिया पद्मश्री हलधर नाग ओडिसा, पद्मश्री साकी नेती रामचन्द्रा (कोया जनजाति) तेलंगाना उद्घाटन समारोह में विशेष रूप से शामिल होंगे। समारोह में विशेष रूप से छत्तीसगढ़ के स्थापित तथा नवोदित साहित्यकारों को प्रोत्साहन के पृथक से 21 अप्रैल को प्रथम एवं द्वितीय सत्र में 74 रचनाकारों को आमंत्रित किया गया है। इसमें पारंपरिक जनश्रुतियों पर आधारित कथा, कहानियां, काव्य इत्यादि पर वाचित परंपरा की शैली पर चर्चा होगी। साथ ही छत्तीसगढ़ के इस वाचित परंपरा के साहित्य के संरक्षण के समाधान पर भी चर्चा की जाएगी।डॉ. टेकाम ने बताया कि समारोह के प्रथम दिवस 19 अप्रैल को महोत्सव के उद्घाटन कार्यक्रम में देशभर से आए और छत्तीसगढ़ के स्थानीय साहित्यकारों से मुख्यमंत्री भूपेश बघेल प्रत्यक्ष भेंटकर परिचय प्राप्त करेंगे। इसके साथ ही जनजातीय साहित्य के विषय में पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलपति द्वारा आधारभूत व्याख्यान दिया जाएगा। इसके अलावा सांस्कृतिक कार्यक्रम में बस्तर बैण्ड का प्रदर्शन और जनजातीय नृत्य मुख्य आकर्षण होंगे। जनजातीय साहित्य सम्मेलन को प्रख्यात साहित्यकार भी सम्बोधित करेंगे।

प्रथम दिवस 19 अप्रैल को प्रथम सत्र में जनजातीय साहित भाषा विज्ञान एवं अनुवाद, जनजातीय साहित्य में जनजातीय अस्मिता एवं जनजातीय साहित्य में जनजातीय जीवन का चित्रण पर प्रथम सत्र में 9 शोधपत्र प्रस्तुत किए जाएंगे। जनजातीय समाजों की वाचिक परंपरा की प्रासंगिकता एवं जनजातीय साहित्य में अनेकता एवं चुनौतियों विषय पर द्वितीय सत्र में 12 शोधपत्र प्रस्तुत किए जाएंगे।

द्वितीय दिवस 20 अप्रैल को तृतीय सत्र में जनजातीय साहित्य में लिंग संबंध मुद्दे, जनजातीय कला साहित्य, जनजातीय साहित्य में सामाजिक-सांस्कृतिक संघर्ष जनजातीय साहित्य मुद्दे, चुनौतियां एवं संभावना विषय पर 12 शोधपत्र प्रस्तुत किए जाएंगे। जनजातीय विकास मुद्दे एवं चुनौतियों पर चतुर्थ सत्र में 15 शोधपत्र प्रस्तुत किए जाएंगे।

तृतीय दिवस 21 अप्रैल को पंचम सत्र में जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी (भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में इनका संघर्ष, भूमिका एवं योगदान) पर 5 शोधपत्र प्रस्तुत किए जाएंगे। राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके 21 अप्रैल को शाम 7 बजे से समापन समारोह की मुख्य अतिथि होंगी। साहित्यकारों, शोधार्थियों से राज्यपाल का परिचय, तीन दिवसीय कार्यक्रमों का प्रतिवेदन वाचन, महोत्सव के संबंध में प्रतिभागियों के अनुभव प्रस्तुत किए जाएंगे। इसके साथ ही सांस्कृतिक एवं नृत्य के कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे।

महोत्सव में राज्य स्तर पर कला एवं चित्रकला प्रतियोगिता आयोजन के साथ ही जनजातीय नृत्य एवं नाटकों का मंचन भी प्रत्येक दिन किया जाएगा। साहित्य महोत्सव के अंतर्गत कला एवं चित्रकला प्रतियोगिता तीन आयु वर्गों में होगी। चित्रकला प्रतियोगिता के लिए राज्य भर से प्रविष्टियां आमंत्रित की गई है। अब तक तीनों आयु वर्गों में 200 प्रविष्टियां प्राप्त हुई है। इसके अतिरिक्त हस्तकला के अंतर्गत माटी, बांस, बेलमेटल, लकड़ी की कलाकृतियों का प्रदर्शन भी किया जाएगा।

महोत्सव में छत्तीसगढ़ के विभिन्न नृत्य विधाओं का प्रदर्शन किया जाएगा। इसमें विभिन्न जनजातीय क्षेत्रों में किए जाने वाले जनजातीय नृत्य शैला, सरहुल, करमा, सोन्दो, कुडुक, दशहरा करमा, विवाह नृत्य, मड़ई नृत्य, गरवसिंह गेड़ी, करसाड़, मांदरी, डण्डार आदि नृत्यों का प्रदर्शन शामिल है। यह प्रदर्शन तीनों दिन शाम को किया जाएगा। कार्यक्रम के तीनों दिन शाम को जनजातीय संस्कृति एवं जनजातीय महापुरूषों एवं क्रांतिवीर, गुण्डाधूर, शहीद वीर नारायण सिंह पर आधारित प्रख्यात कलाकारों द्वारा मंचित नाट्य कार्यक्रम मुख्य आकर्षक होंगे। इसी प्रकार जनजातीय विषयवस्तु पर आधारित नाटक की प्रस्तुतियों से जनजातीय संस्कृतियों को महोत्सव में जीवंत किया जाएगा।

महोत्सव में जनजातीय विषयों पर आधारित पुस्तक मेले का भी आयोजन किया जा रहा है। इसमें देश के 12 प्रतिष्ठित शासकीय, अशासकीय प्रकाशकों को आमंत्रित किया गया है। इसमें आदिम जाति अनुसंधान तथा प्रशिक्षण संस्थान छत्तीसगढ़ एवं आदिम जाति तथा विकास संस्थान मध्यप्रदेश के विभिन्न प्रकाशनों को भी प्रदर्शित किया जाएगा। पुस्तक स्टॉलों के लिए ऑडीटोरियम की आंतरिक परिसर की गैलरी में व्यवस्था की गई है। जनजातीय विषयों का अध्ययन कर रहे छात्रों, शोधार्थियों के साथ ही आम साहित्य प्रेमी पाठक इससे लाभान्वित होंगे।

तीन दिवसीय महोत्सव में ऑडीटोरियम परिसर में छत्तीसगढ़ में निर्मित विभिन्न जनजातीय हस्तशिल्प कलाओं के प्रदर्शन-सह-विक्रय के 30 स्टॉल भी लगाए जा रहे हैं। हस्तशिल्प कलाओं सें संबंधित स्टॉल के लिए हस्तशिल्प कला बोर्ड एवं माटीकला बोर्ड के द्वारा स्टॉल लगाए जाएंगे। वन विभाग द्वारा संजीवनी, वनोपज एवं वन औषधि स्टॉल के साथ-साथ जनजातीय चित्रकला की प्रदर्शनी, गढ़कलेवा, बस्तरिहा व्यंजन, आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान की प्रदर्शनी, अंत्यावसायी निगम की विभागीय योजनाओं का प्रदर्शनी, ट्रायफेड आदि के स्टॉल लगाए जाएंगे।

यूक्रेन से वापस हुए छात्रों व पालकों ने बृजमोहन अग्रवाल को सौंपा ज्ञापन

■ **छात्रों के आगे की पढ़ाई को लेकर निर्णय ले सरकार**

■ **बृजमोजन ने प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, विदेश व केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री को लिखा पत्र**

रायपुर/नवप्रदेश। भाजपा विधायक एवं पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल को यूक्रेन से वापस हुए छात्र एवं उनके पालकों ने मुलाकात कर प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा और पढ़ाई की व्यवस्था करने में सहयोग करने की मांग की।

निवास पर आयोजित बैठक में आज रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण यूक्रेन से वापस हुए मेडिकल छात्रों तथा उनके पालकों ने मुलाकात की और प्रधानमंत्री के नाम पर ज्ञापन सौंपा। सौंपे गए ज्ञापन में यूक्रेन से उन्हें सकुशल वापसी के केन्द्र के प्रयासों के लिए धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा गया है कि उनके आगे के अध्ययन के लिए सरकार शीघ्र-अतिशीघ्र निर्णय ले ताकि उनका भविष्य खराब न हो और वे नियमित रूप से मेडिकल की बढ़ाई जारी रख सकें।

ज्ञापन में उन्होंने पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल से उनकी मांगों एवं समस्याओं पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का ध्यान आकृष्ट कराने का भी अनुरोध किया है। श्री अग्रवाल ने छात्रों एवं पालकों की चिंता को स्वभाविक बताया है और यथा संभव मदद करने का आश्वासन दिया है।

श्री अग्रवाल ने छात्रों द्वारा उठाए गए विषयों को लेकर माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह व विदेश मंत्री एवं केंद्रीय स्वास्थ्य परिवार कल्याण मंत्री को पत्र लिखकर यूक्रेन से वापस आए मेडिकल छात्रों के विषय पर इनके आगे की पढ़ाई को लेकर शीघ्र कोई निर्णय लेने की मांग की है वाह छात्रों एवं पालकों का ज्ञापन संबंधित मंत्रियों को प्रेषित किया।

लवन शाखा नहर कार्यो के लिए 64 लाख रूपए स्वीकृत

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ शासन ने बलौदाबाजार भाटापारा जिले के विकासखंड-पलारी की लवन शाखा नहर के वितरक शाखा क्रमांक-9 अन्य धमनी एवं मुड़ियाडीह माईनर नहरों का रिमॉडलिंग, सी.सी लाईनिंग कार्य एवं स्ट्रक्चर्स के पुनर्निमाण और कार्यो के लिए 64 लाख 36 हजार रूपये स्वीकृत किये है। शाखा नहर के कार्य पूर्ण हो जाने पर रूपांकित सिंचाई 322.92 हेक्टेयर की हो रही कमी की पूर्ति सहित पूर्ण रूपांकित क्षेत्र में सिंचाई होगी।

जल संसाधन विभाग मंत्रालय महानदी भवन द्वारा सिंचाई योजना के कार्यो को पूर्ण कराने के लिए मुख्य अभियंता महानदी परियोजना जल संसाधन विभाग रायपुर को प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई है। योजना का कार्य स्वीकृत राशि एवं निर्धारित समयावधि में पूरा करने के निर्देश अधिकारियों को दिये गये है।

खैरागढ़ की जनता ने भाजपा के प्रदेश ही नहीं केंद्रीय नेताओं को भी नकारा : कांग्रेस

■ **जहां-जहां शिवराज प्रहलाद कुलस्ते ने किया प्रचार वहां भाजपा हारी**

रायपुर/नवप्रदेश। खैरागढ़ की जनता ने भाजपा के राज्य ही नहीं केंद्रीय नेताओं को भी नकार दिया है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की तरफ से केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद पटेल केंद्रीय मंत्री फग्गनसिंह कुलस्ते, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चुनाव प्रचार करने आये थे। इन तीनों ही नेताओं ने खैरागढ़ में कुल 12 सभा किया था मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने 6 सभा ,केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद पटेल ने 4 और केंद्रीय मंत्री फग्गनसिंह कुलस्ते ने 2 सभा किया था। इन नेताओं ने जिन 12 स्थानों पर चुनावी सभा कर जनता से भाजपा के पक्ष में मतदान की अपील की थी उन सभी 12 स्थानों पर भाजपा प्रत्याशी बुरी तरह पिछड़ गई। इन स्थानों पर एक भी बूथ में भाजपा को बढ़त नहीं मिली। प्रह्लाद पटेल ने 6 सभा किया जिनमें 5 में भाजपा हार गई जालबांधा में कांग्रेस -295 भाजपा को 196, उदयपुर में कांग्रेस 447 भाजपा को 142, राहुद में कांग्रेस को 254 भाजपा को 220 भोरमपुर कला में कांग्रेस 295 भाजपा 284, अमलीडीह खैरागढ़ शहर में कांग्रेस 706 भाजपा 496 मत मिले।

कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि छत्तीसगढ़ के भाजपा नेताओं को जनता पहले ही नकार चुकी है। भाजपा का आलाकमान भी इस बात को जानता है इसलिए प्रभारी डी पुरंदेश्वरी अपने दौरे में रमन सिंह, धर्मलाल कौशिक और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णुदेव साय सहित रमन मंत्रिमंडल में 15 साल मंत्री रहे किसी को भी साथ ले जाने में परहेज करती हैं। छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी के स्थानीय नेता विश्वसनीयता के संकट के दौर से गुजर रही है। भाजपा नेतृत्व जान चुका है कि 15 साल कुशासन और भ्रष्टाचार को छत्तीसगढ़ के लोग अभी भूले नहीं है। इसलिए भाजपा नेतृत्व इन नेताओं से दूरी बनाए रखना चाहता है। खैरागढ़ उपचुनाव में केंद्रीय नेताओं को प्रचार हेतु इसीलिए भेजा गया था। रमन और अन्य नेताओं को मजबूरी में चुनाव में उतारा गया तो प्रभारी पुरंदेश्वरी ने खुद चुनाव से दूरी बना ली ताकि हार का ठीकरा उनके मत्थे न आये। छत्तीसगढ़ के भाजपा नेताओं ने कांग्रेस सरकार के खिलाफ खूब झूठ और अनर्गल प्रचार किया राज्य सरकार की योजनाओं के खिलाफ बातें कहा खैरागढ़ में कांग्रेस के घोषणा पत्र के खिलाफ दुष्प्रचार किया जनता ने भाजपा के इस झूठ और दुष्प्रचार के खिलाफ खैरागढ़ विस की जनता ने मतदान कर के भाजपा को आइना दिखाया।

सांस्कृतिक धरोहरों को सहेजने का कार्य सबसे अहम : भूपेश

रायपुर/नवप्रदेश। अपने सांस्कृतिक मूल्य और सांस्कृतिक धरोहरों को सहेजने के साथ ही आर्थिक विकास का रास्ता हमने चुना, हमने अपने तीज त्योहारों परंपराओं को सहेजने की दिशा में कार्य किया। इसी क्रम में भक्त माता कर्मा की जयंती पर भी अवकाश आरंभ किया इस अवकाश की मांग सामाजिक जनों ने नहीं की थी लेकिन हमें महसूस हुआ कि भक्त माता कर्मा के भक्तों के लिए यह बहुत अच्छा कार्य होगा। यह संदेश मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने दुर्ग जिले के ग्राम परसदा में साहू समाज के कार्यक्रम के अवसर पर दिया। इस अवसर पर उन्होंने आदर्श विवाह के नव दंपति को भी आशीर्वाद दिया। मुख्यमंत्री ने कुम्हारी में साहू समाज के सामुदायिक भवन के लिए 50 लाख रुपये की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सांस्कृतिक परंपराओं को सहेजने के साथ आर्थिक विकास का रास्ता भी हमने अपनाया है। उन्होंने कहा कि हमारी सांस्कृतिक मान्यताएं कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था से संबंधित है और इन्हें बढ़ावा देकर हम कृषि अर्थव्यवस्था को मजबूत कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि शहरी विकास के लिए भी तेजी से योजनाएं शासन ने आरंभ की है। कुम्हारी क्षेत्र में नपा के वार्डों के लिए 24 करोड़ रुपये के विकास कार्य किये जा रहे हैं। इसके साथ ही कुम्हारी क्षेत्र में स्कूलों का जीर्णोद्धार भी होगा।

मंत्री डॉ. डहरिया ने चिखली में तीन करोड़ के विकास कार्यों की सौगात दी

■ **सामूहिक विवाह और मां कर्मा जयंती समारोह में हुए शामिल**

रायपुर/नवप्रदेश। नगरीय प्रशासन विकास एवं श्रम मंत्री डॉ. शिव कुमार डहरिया आरंग विकासखण्ड के ग्राम चिखली में करीब तीन करोड़ के विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। डॉ. डहरिया चिखली में साहू समाज के सामूहिक विवाह कार्य और मां कर्मा जयंती समारो में शामिल हुए। उन्होंने नवदम्पतियों को शुभकामनाएं दी। डॉ. डहरिया ने चिखली में 6 लाख 50 हजार रूपए की लागत से बनने वाले निषाद समाज के सामुदायिक भवन, 10 लाख 50 हजार की लागत के उप स्वास्थ्य केन्द्र, 7 लाख 63 हजार की लागत के हाई स्कूल भवन के अतिरिक्त कक्ष, 4 लाख 71 हजार की लागत के नवीन प्राथमिक शाला के अतिरिक्त कक्ष, एक करोड़ 61 लाख 25 हजार की लागत जल आवर्धन और जल प्रदाय योजना तथा महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना के करीब एक करोड़ 34 लाख 4 हजार के विकास कार्यों का भूमिपूजन किया।

जनसरोकार के किए जा रहे कार्य

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए डॉ. डहरिया ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में जनसरोकार के सभी आवश्यक कार्य कराए जा रहे हैं। आम लोगों पर केन्द्रित शासन की कल्याणकारी योजनाओं से लोगों को लाभान्वित किया जा रहा है। गांव और शहरों में लोगों की सुविधा के लिए सभी जरूरी विकास कार्य किए जा रहे हैं। इस अवसर पर विधायक शकुंतला साहू, जनपद अध्यक्ष आरंग खिलेश देवांगन, केसरी साहू, कोमल साहू, शिव साहू, संदीप साहू सहित साहू समाज के अनेक पदाधिकारी एवं

श्री दक्षिणेश्वर हनुमान मंदिर में हनुमान जन्मोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया

रायपुर/नवप्रदेश। श्री पिपलेश्वर महादेव श्री दक्षिणेश्वर हनुमान मंदिर फाफाडीह कुम्हारपारा रायपुर में हनुमान जन्मोत्सव बड़ी धूम धाम से मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर समिति अध्यक्ष घनश्याम तिवारी ने बताया कि श्री हनुमान

जन्मोत्सव पर समस्त वार्डवासियों के सहयोग से भंडारा, सुंदरकांड पाठ, महाआरती की गयी। रात्रि श्री श्याम भजन मंडली धमतरी द्वारा हनुमान भजन प्रस्तुत किया गया। सुमधुर भजनों से भक्तगण मंत्रमुग्ध हो उठे।

छत्तीसगढ़ का नया बजट राज्य की विकास की दिशा तय करेगा : मुख्यमंत्री बघेल

■ **मुख्यमंत्री की रेडियोवार्ता लोकवाणी की 28वीं कड़ी का प्रसारण हुआ**

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने रेडियो पर प्रसारित अपनी मासिक रेडियो वार्ता लोकवाणी की 28वीं कड़ी में प्रदेशवासियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि हमारा नया बजट, नए छत्तीसगढ़ के विकास की दिशा तय करने वाला है। प्रदेश की खुशहाली में जनभागीदारी की सर्वाधिक भूमिका रहे, प्रदेश की समृद्धि में प्रत्येक छत्तीसगढ़वासी की भागीदारी रहे, यह हम सुनिश्चित करेंगे। हमारी सरकार जनहित और राज्य के विकास के लिए चट्टान की तरह मजबूती से काम कर रही है। कोरोना संकट, जीएसटी और केन्द्रीय करों के हिस्से में कमी के बावजूद राजस्व आधिक्य का बजट प्रस्तुत किया गया है। राज्य का ऋण भार और वित्तीय घाटा लगातार कम हो रहा है तथा पूंजीगत व्यय लगातार बढ़ रहा है। आज प्रसारित लोकवाणी - 'नवा छत्तीसगढ़, नवा बजट' विषय पर केन्द्रित रही। छत्तीसगढ़ राज्य गठन के बाद अब तक का सबसे बड़ा बजट राज्य सरकार द्वारा प्रस्तुत किया गया है। राज्य के बजट का आकार एक लाख 12 हजार 603 करोड़ 40 लाख रूपए है।

मुख्यमंत्री ने लोकवाणी में कहा कि निश्चित तौर पर छत्तीसगढ़ का बजट 1 लाख करोड़ के ऊपर पहुंचना, प्रत्येक छत्तीसगढ़वासी के लिए गौरव का विषय है। वित्तीय वर्ष 2022-23 के राज्य सरकार के बजट में हमने अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या के अनुपात में बजट प्रावधान किया है, वहीं सामाजिक और आर्थिक क्षेत्र को भी बराबर तवज्जो दी है। वर्ष 2022-23 में कृषि बजट के लिए 20 हजार 405 करोड़ रुपए की राशि रखी है। हम अपने संसाधनों के सम्मान, वेल्यू-एडीशन, अपनी मेहनतकश जनता की लगन और मेहनत को सही मान और राज्य के उत्पादन को सही दाम दिलाते हुए आगे बढ़ेंगे।

उन्होंने कहा कि धान के किसानों को विभिन्न योजनाओं के सहयोग से 2500 रुपए प्रति क्विंटल से कम दाम किसी भी सूरत में न मिले। गन्ना के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य 271 से बढ़ाकर 355 रुपए प्रति क्विंटल किया गया है। किसानों को उच्च गुणवत्ता के प्रमाणित बीज दिलाने के लिए 'कृषक समग्र विकास योजना' में 123 करोड़ रुपए का बजट प्रावधान है। 'चिराग परियोजना' के लिए 200 करोड़ रुपए का बजट प्रावधान किया गया है। फल-फूल और सब्जी की खेती के लिए किसानों को अनुदान सहायता दी जाएगी। कृषि तथा उद्यानिकी फसलों के सुरक्षित भण्डारण के लिए इंटीग्रेटेड पैक हाउस की स्थापना की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने के लिए गौठानों को महात्मा गांधी ग्रामीण औद्योगिक पार्क के रूप में विकसित करने का संकल्प भी हम पूरा करने जा रहे हैं। यहां बुनियादी अधोसंरचना के लिए 600 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।मुख्यमंत्री ने कहा कि पीएससी तथा व्यापम अब परीक्षार्थियों से परीक्षा शुल्क नहीं लेगा। बजट के बाद भी एक नई घोषणा करते हुए हमने विशेष कनिष्ठ कर्मचारी चयन बोर्ड के माध्यम से होने वाली परीक्षाओं में भी परीक्षा शुल्क माफकर दिया है। इस तरह हम युवाओं की मदद के लिए एक कदम और आगे बढ़े हैं। आदिवासी अंचलों में देवस्थलों पर पूजा करने वाले, मांझी, बैगा, गुनिया, पुजारी से लेकर हाट पाहर्या, बाजा मोहरिया आदि लोगों को 'राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना' से जोड़ने की घोषणा की गई है। इस योजना के सभी पात्र हितग्राहियों को मिलने वाली वार्षिक सहायता राशि 6 हजार से बढ़ाकर 7 हजार रुपए कर दी गई है। मुख्यमंत्री श्री बघेल द्वारा युवाओं को रोजगार के साधन उपलब्ध कराने के लिए बस्तर संभाग के जिलों में नारंगी वन क्षेत्र में से 30 हजार 439 हेक्टेयर भूमि राजस्व मद में वापस दर्ज की गई है, इससे वहां के निवासियों को कृषि एवं व्यवसाय हेतु पट्टे दिए जा सकेंगे। नए उद्योगों की स्थापना की जा सकेगी। गौठान को रूरल इंडस्ट्रियल पार्क के रूप में विकसित करने, प्रत्येक नगरीय निकाय क्षेत्र में सी-मार्ट की स्थापना करने, महिला स्व-सहायता समूहों को बढ़ावा देने, अधोसंरचना विकास के विभिन्न कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए भरपूर प्रावधान हमने किए हैं। महात्मा गांधी नरेगा, मुख्यमंत्री समग्र ग्रामीण विकास योजना, उत्थान परियोजना, मिलाप परियोजना आदि से ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका के नए साधन विकसित होंगे।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि जनता की मांग को देखते हुए मुख्यमंत्री सुगम सड़क योजना के लिए 150 करोड़ का बजट प्रावधान किया है, ताकि स्कूल, अस्पताल, आंगनबाड़ी जैसे सरकारी भवनों को पक्की सड़कों से जोड़ा जा सके।

विधायक ने किया सीसी सड़क का भूमिपूजन, कमीशन बना विकास में रोड़ा!

बैकुंठपुर/नवप्रदेश। जिले की अधिकांश ग्राम पंचायतों में विकास के नाम पर सरकारी धन राशि से कमीशन की होली खेली जा रही है। प्रशासनिक नियंत्रण से मुक्त ग्राम सचिवों ने विकास कार्यो में अधिकारी व दौड़ धूप के नाम पर कमीशन निर्धारित कर रखी हैं जिसका ही परिणाम है कि ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्य कुछ ही दिनों में दम तोड़ देती हैं और अधिकारी अपना कमीशन तय कर ग्रामीण विकास को ठेंगा दिखा रहे हैं। ऐसा ही एक मामला जनपद पंचायत बैकुंठपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत चिरगुड़ा में सामने आया है जहां स्थानीय विधायक अम्बिका सिंहदेव ने ग्रामीणों को मांग पर कीचड़ युक्त सड़क से मुक्ति दिलाने सीसी सड़क की स्वीकृति विधायक निधि से दी व इसका भूमिपूजन फर वरी 2022 में अपने हाथों से किया किन्तु ग्राम पंचायत सचिव के द्वारा कार्य शुरू करने से पूर्व भाग दौड़ व अधिकारियों को कमीशन देने की मांग निर्धारित नहीं होने से कार्य अब तक शुरू नहीं होने दिया साथ ही सरपंच को कार्य की जानकारी नहीं होने का हवाला देते हुए अन्य पंचों को भी कार्य शुरू नहीं करने का निर्देश उच्च अधिकारियों ने दिया है यह कहकर ग्राम पंचायत में अपने पद का उपयोग कर मनमानी करती रही जिससे अब पंचायत सचिव के कमीशन की चाह ने ग्राम में विकास कार्यो को लेकर ग्रहण लगा दिया है जिससे अब पंचायत सचिव के कमीशन की मांग के कारण अब सामग्री की कीमत बढ़ने से विकास कार्य प्रभावित होने की आशंका है। बता दें कि ग्राम पंचायत चिरगुड़ा, विकासखंड बैकुंठपुर में गत फरवरी में पांच लाख रुपये की लागत से सीसी सड़क स्वीकृति दी थी। इसका प्रथम क़िस्त भी जारी कर दिया किन्तु पंचायत सचिव की उदासीनता व कमीशन की मांग से कार्य अब तक सुरु नहीं हुआ।

स्थानीय विधायक अम्बिका सिंहदेव ने ग्रामीणों की मांग पर विधायक निधि से

शिकायत भी बेअसर

ग्राम पंचायत सचिव के द्वारा विकास कार्यो में कमीशन की मांग को लेकर ग्राम के उप सरपंच ने कलेक्टर कोरिया को जन दर्शन में आवेदन भी दिया किन्तु शिकायत भी बेअशर रहा जिसका ही परिणाम हैं कि ग्राम पंचायत चिरगुड़ा में ग्राम सचिव द्वारा खुलेआम स्वीकृत मापदंड के अनुसार ग्राम में चल रहे कार्य पे वर्तमान सरपंच व पंचों के साथ ही ग्रामीणों के सामने किसी भी कार्य को सुरु करने से पूर्व अपना भागदौड़ व अधिकारियों को कार्य के स्वीकृति व मूल्यांकन में 17 प्रतिशत कमीशन देना पढ़ता हैं यह कह कर वर्तमान सरपंच को कार्य में भ्रष्टाचार करने की नसीहत दिया जाता हैं । इस संबंध में सचिव द्वारा ग्रामीणों व पंचों से यही कहा जाता रहा है कि जो शासन का नियम है, उसी के हिसाब से कार्य कराया जाना है। यहां तक कि शिकायत करने पर भी कोई अधिकारी जांच करने नही पहुँचते बल्कि कमीशन से कार्य जल्दी हो जाता हैं । कुल मिलाकर जनपद पंचायत बैकुंठपुर अंतर्गत ग्राम पंचायतों में कमीशन का खेल अनवरत जारी है। ग्रामीणों का कहना है कि अगर सचिव के द्वारा कराए गए कार्यों के बिल की जांच कराई जाय तो सच्चाई सामने आ जाएगी।

घर के अंदर सो रही महिला के गले से सोने की चैन पार

मुंगेली/नवप्रदेश। घर के अंदर सो रहे दम्पत्ति के कमरे में घुसे अज्ञात चोर ने महिला के गले से सोने का लॉकेट खींचकर चोरी कर लिया। आहट पर पति की नींद खुली चोर को पकड़ने के प्रयास में उसका मोबाईल एवं शर्ट घटना स्थल पर ही छूट गया। घटना की रिपोर्ट पुलिस में दर्ज करने के बाद पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ धारा 457 के तहत जुर्म दर्ज कर कार्यवाही कर रही है। बोधापारा थाना लालपुर निवासी गुजेन सिंह सोण्ड्रे पिता मोहन सिंह सोण्ड्रे उम्र 32 वर्ष 11 अप्रैल को अपने परिवार के साथ दरवाजा बंदकर रात्रि में सोया था। रात्रि करीबन 12 बजे दरवाजा के सिटकनी को हिलाकर अज्ञात व्यक्ति कमरा अंदर घुसकर उसकी पत्नी के गला में पहने सोना के तीन लाकेट करीबन 2 मासा को झटककर भाग रहा था। आहट होने पर गुजेन सिंह सोण्ड्रे की नींद खुल गई। उसने कमरे में घुसे चोर को पकड़ा। चोर हाथ छुड़ाकर भागने में सफ ल रहा। पकड़ने के दौरान उसके पहने हुए सेण्डो एवं जींस का शर्ट नीला कलर एवं 2 नग मोबाईल वहीं गिर गया। चोर के मोबाईल देखने पर अभिनाश दिवाकर लिखा हुआ था। युवक ने घटना की रिपोर्ट थाना लालपुर में की। पुलिस अज्ञात चोर के खिलाफ धारा 457 के तहत जुर्म दर्ज कर कार्यवाही कर रही है।

पोलिंग के जीत से ही विधानसभा का जीत निश्चित : साय

दतिम/नवपदेश। मोड़/नवप्रदेश। भाजपा प्रदेश के संगठन महामंत्री पवनसाय व प्रदेश सह कोषाध्यक्ष नंदन जैन भैयाथान मंडल के कार्यालय में कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर संगठन का पाठ पढ़ाया। संगठन महामंत्री पवन साय व सह कोषाध्यक्ष नंदन जैन ने बीते शनिवार को भाजपा मंडल के कार्यकर्ताओं को संगठन का पाठ पढ़ाते हुए उन्होंने बारी बारी कार्यकर्ताओं का परिचय प्राप्त कर पोलिंग बूथ की स्थिति जानकारी ली। उन्होंने कहा कि सभी कार्यकर्ता अपने अपने पोलिंग बूथ को मजबूत करें जब हम बूथ जीतेंगे तभी चुनाव जीत पाएंगे। भाजपा संगठन हमेशा पार्टी के प्रति समर्पित कार्यकर्ता गढ़ने का कार्य करती है। ऐसे कार्यकर्ता तैयार हो जाते हैं तब चुनाव जीतना आसान होता है। पार्टी में कभी भी व्यक्ति बड़ा नहीं होता है बल्कि संगठन बड़ा होता है। नंदन जैन ने पत्रकारों के द्वारा खैरागढ़ के चुनाव के हार पर सवाल पूछे जाने पर कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार पूरा धनबल लगाकर चुनाव जीती है उन्होंने सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि जब आचार संहिता लगने के बाद भी सूबे के मुख्यमंत्री चुनाव जीतने हेतु जिला बनाने का घोषणा करना पड़ रहा है इससे समझा जा सकता है की सरकार से जनता कितना खुश है। बैठक में हार का कारण पूछने पर कार्यकर्ताओं ने बताया कि कांग्रेस का स्थानीय प्रत्याशी होना ही जीत का प्रमुख कारण है। भाजपा कार्यकर्ताओं ने भी आगामी विधानसभा चुनाव हेतु स्थानीय उम्मीदवार की मांग करते हुए कहा कि यह सीट पहले भाजपा की परंपरागत सीट मानी जाती थी अगर पार्टी के द्वारा स्थानीय प्रत्याशी दिया जाता है तो भाजपा का जीत इस विधानसभा से तय है। इस दौरान सत्यनारायण सिंह, रामू गोस्वामी, प्रकाश दुबे, राजीव प्रताप सिंह, अनुप सिन्हा, ददई कुशवाहा, राजेश तिवारी, आशीष प्रताप सिंह, राम बाई, सीताराम कुशवाहा, लालचंद शर्मा, शिव पांडेय, अमन प्रताप सिंह, विराट प्रताप सिंह, प्रदीप सारथी, आशीष गुप्ता, राकेश पाठक, कुमरेश दुबे, संदीप दुबे, विक्रम सिंह सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कुपोषण से जंग में जीत के लिए विविध गतिविधियां हो रही संचालित

■ लोगों का बढ़ रहा रूझान

सूरजपुर/नवप्रदेश। कुपोषण व एनीमिया मुक्त सूरजपुर जिला निर्माण के लिए हर वर्ग के लोगों में जागरूकता की अलख जगाकर बकायदा संचालित होने वाली गतिविधीयों में अधिक से अधिक शामिल होने के लिए लगातार प्रयासों व स्थानीय स्तर पर सुपोषित आहार उपयोग के लिए सब्जियों, फल व मुनगा का रोपण कराकर उपलब्धता गांव में होने से धीरे धीरे उपयोग पर बढ़ता रूझान सफ लता की दस्तक बतौर जरूर उभर कर सामने आया है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की प्राथमिकता को साकार करने के लिए कलेक्टर डॉ गौरव कुमार सिंह, सीईओ जिला पंचायत राहुल देव के कुशल नेतृत्व व महिला एवं बाल विभाग के डीपीओ चन्द्रबेश सिसोदिया के मार्गदर्शन में गांव के रहवासियों के बीच कुपोषण व एनिमिया पर जन जागरूक्ता व चिन्हित करनें के लिए पंचायत व स्वास्थ्य विभाग के साथ महिला एवं बाल विकास विभाग की संयुक्त कवायद सें फैली तमाम मिथकों को दूर करने के लिए कवायदों से सफलता की राह भी लगातार प्रशस्त हो रही हैं। इसी कड़ी में ग्राम पंचायतों में आयोजित होने वाले ग्राम सभाओं में मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान का वाचन कराने के साथ ही मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान अंतर्गत एनीमिया कैम्प का आयोजन कर बच्चों की हिमोग्लाबीन जांच की गई है। जिसमें 7.8 ग्राम से कम हीमोग्लाबीन वाले 200 बच्चों 8 ग्राम से कम हीमोग्लोबीन वाले 554 बच्चों एवं 9 ग्राम से कम हीमोग्लोबीन वाले 2711 बच्चों का चिन्हांकन किया गया है। इनके लिए लक्ष्य सुपोषण अभियान अंतर्गत जनवरी 2022 से 06 माह से 06 वर्ष के करीब 15214 लक्षित कुपोषित बच्चों को अण्डा , बादाम पट्टी ,मोरिंगा बार उपलब्ध कराने व उपयोग को लेकर लगातार निगरानी व प्रेरित करने से बच्चों के परिजनों द्वारा उपयोग में रूची बढ़ी है।

गांजे के पौधे के साथ 1 आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

सूरजपुर/नवप्रदेश। विश्रामपुर पुलिस ने गांजे के पौधे के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की जा रही है। पुलिस को मुखबिर ने सूचना दी कि ग्राम रामनगर धौरापारा निवासी पवन सिंह अपने घर के पास बाड़ी में गांजा का पौधा उगाकर रखा है। जिस पर पुलिस उसके घर में दबिश दी। उसके बाड़ी में खोजबीन करने पर बाड़ी से 16 नग अवैध मादक पदार्थ गांजा का पौधा वजन 3 किलो 400 ग्राम कीमत करीब 15 हजार बरामद किया गया।

कलेक्टर की पहल पर जन सहभागिता से लाइब्रेरी को मिल रही विविध पुस्तकें

सूरजपुर/नवप्रदेश। किताब घर सूरजपुर के संचालक अशोक गुप्ता ने कलेक्टर के समक्ष तक्षशिला मेधा परिसर जिला लाइब्रेरी सूरजपुर के लिए पाठ्य पुस्तकें, प्रतियोगी पुस्तकें, धार्मिक एवं कहानी सहित विभिन्न पुस्तकें कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह को डोनेट किया। कलेक्टर ने स्वेच्छा से पुस्तक दान करने के लिए आभार प्रकट किया है। कलेक्टर की पहल पर सभी वर्ग के लिए साहित्य, धार्मिक, प्रतियोगी पुस्तकें, शिक्षाप्रद पुस्तकें जनसहभागिता के सहयोग से जिला लाइब्रेरी को मिल रही है पुस्तकें। गौरतलब है कि विगत दिनों मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने जिला लाइब्रेरी का लोकार्पण किया था। लाइब्रेरी में पाठकों हेतु सभी आवश्यक सुविधाएं व्यवस्था उपलब्ध हैं। विभिन्न सब्जेक्ट्स से रिलेटेड हिन्दी एवं इंग्लिश भाषा की हजारों पुस्तकें, बुक का नाम अथवा लेखक का नाम बताकर तत्काल अपनी जरूरत की बुक प्राप्त कर सकते है।

बाबा साहब की जयंती में शामिल हुई शीलू साहू

मुंगेली/नवप्रदेश। लोरमी ग्राम पंचायत लालपुर आश्रित ग्राम मारुकापा में आयोजित मूर्ति अनावरण एवं बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर जयंती कार्यक्रम में मंचस्थ अतिथि के रूप में शामिल हुई 'जिला पंचायत सदस्य शीलू साहू' मुख्य अतिथि बिलासपुर लोक सभा क्षेत्र सांसद अरुण साव, मुंगेली विधायक पुन्नू लाल मोहले, पूर्व कलेक्टर भारतीय जनता पार्टी प्रदेश मंत्री ओ पी चैधरी, पूर्व विधायक तोखन साहू, लालपुर सरपंच संदीप भार्गव, अन्य अतिथि द्वारा बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर के प्रतिमा में माल्या अर्पित किया गया। पं. दीनदयाल उपाध्याय, पं. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, अटल बिहारी बाजपेई, स्वामी विवेकानंद जी प्रतिमा का अनावरण पुष्प हार अर्पित किया गया।

बांस गीत जुराव कार्यक्रम में छग अंचल के कलाकारों ने की शिरकत

मुंगेली/नवप्रदेश। बांस गीत गाथा अकादमी के तत्वाधान में आयोजित बांस गीत जुराव कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ अंचल के सैकड़ों कलाकारों ने शिरकत की। बांस गीत के साथ ही बांसुरी, मुरली एवं नगदेवन बजाने वाले कलाकार भी उपस्थित हुए तथा महाभारत, आल्हा उदल, श्रीमद् भागवत, कृष्ण चरित्र, लोरिक चंदा, गाय भैंसी इत्यादि लोक गाथा के गाने वाले बांस गीत गायक भी उपस्थित हुए। मुख्य अतिथि निदेशक एवं अध्यक्ष बांसगीत गाथा अकादमी डॉ. सोमनाथ यादव, रामलाल यादव, अनिल यादव, अमित यादव, जिला अध्यक्ष बिलासपुर यादव समाज जितेंद्र यादव, गौंटिया शत्रुघन यादव, लखन यादव, देवान हंसराम यादव, बड़कू यादव, पंच प्रीत यादव, संयोजक श्रीराम सिरिया यादव बड़ा बाजार एवं अध्यक्ष नवागढ़ राज देशहा यादव समाज हरि गुड्डू यादव एवं समाज प्रमुख सहित सभी मंचस्थ अतिथियों ने बांस गीत का आनंद लिया। अतिथियों ने अपने उद्बोधन में इस कला को जीवित रखने व इसके उत्तरोत्तर विकास के लिए कार्यरत रहने की बात कही। मुख्य अतिथि की आसंदी से बोलते हुए बांसगीत गाथा अकादमी के निदेशक एवं अध्यक्ष डॉ. सोमनाथ यादव ने इस विषय पर प्रकाश डाला कि बांस गीत गाथा अकादमी का गठन क्यों किया गया है। इससे बांसगीत कलाकारों को किस प्रकार एक उचित मंच और बांस गीत कला को पूरा सम्मान मिल पाएगा। इस अवसर पर बांस के साथ ही बांसुरी, मुरली एवं नगदेवन बजाने वाले कलाकार भी उपस्थित हुए तथा महाभारत, आल्हा उदल, श्रीमद् भागवत, कृष्ण चरित्र, लोरिक चंदा, गाय भैंसी इत्यादि लोक गाथा के गाने वाले बांस गीत गायक भी उपस्थित हुए। उक्त कार्यक्रम में नवागढ़ राज देशहा यादव समाज के समस्त पदाधिकारी गण उपस्थित रहे। जिनकी उपस्थिति में बांस गीत कार्यशाला संपन्न किया गया। जिसमें प्रमुख रुप से बांस गीत गाथा अकादमी के सचिव एवं नवागढ़ राज देशहा यादव समाज के सचिव ने संचालन किया तथा जानकारी दी कि बांस गीत केवल यादव जाति के द्वारा ही गाई एवं बजाई जाती है तथा यह विशेष रूप से मुंगेली अंचल में ही आज अपने समृद्ध स्वरूप में मौजूद है।जिसको सहेजने, संरक्षित रखने एवं युवाओं को इस कला के लिए प्रेरित करते हुए उन्हें इस कला में पारंगत करने के उद्देश्य से ही बांसगीत गाथा अकादमी के माध्यम से कार्यशाला आयोजन किया गया।

न्यायालय तहसीलदार, केशकाल जिला कोण्डागांव (छ.ग.)
रा.मा.क्र./अ-6/2021-22
ग्राम केशकाल, तहसील केशकाल

उद्घोषणा

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका जुबेदा बानो पिता अब्दुल लतीफ जाति मुसलमान निवासी केशकाल तहसील केशकाल जिला कोण्डागांव छ.ग. द्वारा उनके नाम पर ग्राम केशकाल प.ह.नं. 17 केशकाल तहसील स्थित भूमि खसरा नं. 1/8/झ, 1/8/ज कुल खसरा नं. 2 रकबा क्रमशः 0.1050, 0.0610 हे. कुल रकबा 0.1660 हे. कृषि भूमि राजस्व अभिलेख में दर्ज है। उक्त खाता में अपनी स्वेच्छा अपने पुत्र मो. सलीम पिता अब्दुल गनी का नाम सम्मिलित कराना चाहती है।

इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को दावा आपत्ति हो तो प्रकरण सुनवाई दिनांक 28.04.2022 तक स्वयं या अपने अधिवक्ता के द्वारा अपना दावा/आपत्ति पेश कर सकता है। समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 13.04.2022 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के सील मुद्रा के अधीन जारी।

सील
तहसीलदार
केशकाल

प्रथम पृष्ठ का शेष...

अब ब्रांडेड दवाइयां लिखी ...

को यह जानकारी मिली थी कि बार-बार हिदायत के बावजूद डॉक्टर जेनेरिक की बजाय ब्रांडेड दवाईयां लिख रहे हैं। उल्लेखनीय है कि लोगों को सस्ती दवाईयां मिलें, इसके लिए छत्तीसगढ़ सरकार ने श्री धन्वंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर शुरू किए हैं। बैठक में बताया गया कि प्रदेश में इस योजना के तहत 159 मेडिकल स्टोर संचालित हैं। इन मेडिकल स्टोर्स के माध्यम से अब तक विक्रय की गई दवाईयों से लगभग 17 लाख 92 हजार नागरिकों के 17 करोड़ 38 लाख रूपए की बचत हुई है। बैठक में बताया गया कि प्रदेश की 9 नगर निगमों में 500 वर्ग मीटर तक के आवासीय प्लॉटस पर निर्माण हेतु ऑनलाईन भवन अनुज्ञा प्रणाली लागू की गई है, जिसके माध्यम से अब तक 3771 भवन अनुज्ञा जारी की गई है। बैठक में मुख्यमंत्री ने लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत नगरीय निकायों द्वारा नागरिकों को दी जाने वाली अधिक से अधिक सेवाओं को ऑनलाईन करने के निर्देश दिए हैं।

पीएम आवास के 2544 आवास पूर्ण : बैठक में रायपुर विकास प्राधिकरण के सीईओ ने बताया कि रायपुर विकास प्राधिकरण द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के 2544 आवास पूर्ण हो चुके हैं। इन्द्रप्रस्थ योजना फेस-2 में 2416 ईडब्ल्यूएस एवं एलआईजी प्लेट्स का निर्माण पूर्ण कर लिया गया है। कमल विहार योजना सेक्टर-4 में 128 ईडब्ल्यूएस प्लेट्स का निर्माण हो गया है। उक्त प्लेट्स हेतु एप्रोच रोड का निर्माण 30 अप्रैल तक पूर्ण कर लिया जाएगा। छग गृह निर्माण मंडल के आयुक्त ने बताया कि मंडल द्वारा प्रक्रियाओं का सरलीकरण करते हुए ऑनलाईन पंजीयन, भुगतान एवं आबंटन प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। भवनों की किश्त, रख-रखाव शुल्क, जलकर आदि की राशि, एमआर बुक के स्थान पर पीओएस मशीन के माध्यम से प्राप्त की जा रही है। वर्तमान में मंडल की 44 परियोजनाओं में संपत्तियों का विक्रय ऑनलाईन वेबसाइट/एप के माध्यम से किया जा रहा है। कुल 796 संपत्तियों मूल्य रूपए 227.40 करोड़ का विक्रय ऑनलाईन माध्यम से किया गया है।

दीवार में लगी टाइल्स...

करीब 10 बजे अचानक दीवार पर लगी टाइल्स भराभरी कर गिर गई। इस हादसे में राशि 6 साल, मिताली 6 साल, योगेंद्र 4 साल व लक्षित कुमार 4 साल घायल हो गए। जानकारी के मुताबिक, आंगनबाड़ी केंद्र कार्यकर्ता लोमिन ने मीडिया को बताया कि भैंसबोड़ आंगनबाड़ी केंद्र में दो साल पहले ही दीवारों में टाइल्स लगाए थे। कुछ दिनों से टाइल्स दीवार को छोड़ रहे थे और सोमवार को यह घटना घट गई। वहीं महिला बाल विकास अधिकारी हरिकीर्तन राठौर ने बताया कि यह टाइल्स कौन लगाया यह पता नहीं है। फ़ाइल देखकर ही बता पाऊंगा। फिलहाल सभी बच्चे खतरे से बाहर हैं।

7 वाहनों को किया...

और पंचायत भवन के पास खड़े हो गए। सड़क निर्माण में लगे ट्रैक्टरों के टैंकर को फोड़कर आग लगा दी और ठेकेदार को काम बंद करने कहा। नक्सलियों ने गांव के सरपंच-सचिव को पूंजीपतियों से दूर रहने की भी चेतावनी दी है। माओवादियों ने एक बड़ा बैनर भी लगाया है, जिसमें सड़क निर्माण करने वाले ठेकेदार को चेतावनी दी गई है। घटना स्थल के लिए पुलिस पार्टी रवाना की गई है।

चौथी मंजिल से ...

विभाग में सहायक ग्रेड 3 के पद पर काम कर रहा था। ओमप्रकाश और उसकी पत्नी का रविवार की रात करीब 1 घंटे से विवाद हो रहा था। पड़ोसियों और पत्नी के सामने आए बयान के मुताबिक दोनों एक दूसरे के साथ बहस कर रहे थे। घर के आसपास के लोगों ने भी झगड़े की आवाज सुनी। कमरे से बाहर आकर ओमप्रकाश ने कहा कि मैं छत से कूदकर जान दे दूंगा। गुस्से में ओमप्रकाश की पत्नी ने भी कह दिया जाओ जाकर कूद जाओ। भागते हुए ओमप्रकाश छत की ओर गया और सीधे छलांग लगा दी। पत्नी भी हड़बड़ा कर छत पर गई तो उसने देखा कि ओमप्रकाश नीचे पड़ा है। उसकी चीख सुनकर आसपास के लोग भी आ गए। ओमप्रकाश को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

जहांगीरपुरी में पथराव...

में पहले से शामिल हैं। उन्होंने अभी और भी गिरफ्तारियां होने की संभावना व्यक्त की है। उन्होंने कहा, हम मामले से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर गौर कर रहे हैं। स्थिति के सामान्य होने तक इलाके में प्रतिबंध लागू रहेंगे।

पुलिस आयुक्त ने बताया कि दिल्ली पुलिस और अर्धसैनिक बलों को जहांगीरपुरी समेत महानगर के अन्य संवेदनशील इलाकों में तैनात किया गया है।

लखीमपुर हिंसा : मुख्य...

कर दिया था। एसआईटी ने 30 मार्च को उच्चतम न्यायालय को बताया कि उसने मुख्य आरोपी की जमानत के खिलाफअपील दायर करने के संबंध में प्रदेश सरकार से सिफारिश की थी।

मुख्य आरोपी आशीष की जमानत का विरोध कर रहे याचिकाकर्ताओं ने गवाहों को धमकाने तथा सबूतों से छेड़छाड़ की आशंका के भी आरोप लगाए थे हालांकि, राज्य सरकार का पक्ष रख रहे वकील महेश जेठमलानी ने पीठ के समक्ष दलील देते हुए कहा था कि मामले से संबंधित गवाहों को पूरी सुरक्षा प्रदान की जा रही है। किसी को कोई खतरा नहीं है।

उन्होंने शीर्ष अदालत को बताया था कि एसआईटी ने गवाहों पर खतरे की आशंका के कारण आशीष की जमानत के खिलाफअपील दायर करने की सिफ़ारिश की थी, लेकिन राज्य सरकार ने सभी गवाहों को पुलिस सुरक्षा प्रदान करने का दावा करते हुए एसआईटी के विचार से अपनी असहमति व्यक्त की थी।जमानत का विरोध कर रहे कुछ याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ वकील दुष्यंत दवे ने गवाहों को धमकी दिए जाने के मुद्दे को जोरशोर से पीठ के समक्ष उठाया था। उन्होंने कहा कि एक गवाह को भारतीय जनता पार्टी के उत्तर प्रदेश में सत्ता में लौटने का जिक्र करते हुए धमकी दी गई थी। श्री दवे ने पीठ के समक्ष उक्त गवाह की शिकायत पढ़ते हुए कहा था,卐अब बीजेपी सत्ता में है। देखना तेरा क्या हाल करता हूं। उन्होंने सवाल किया कि क्या इस तरह की धमकी गंभीर मामला नहीं है?

किसानों के परिजनों से कुछ दिन पहले अधिवक्ता सी एस पांडा और शिव कुमार त्रिपाठी ने भी जमानत के खिलाफ सर्वोच्च अदालत में विशेष अनुमति याचिका दायर की थी। इन वकीलों की याचिका पर ही शीर्ष न्यायालय ने मामले की जांच के लिए पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति राकेश कुमार जैन के नेतृत्व में एसआईटी गठित की थी।

कथित रूप से कार से कुचलकर चारा किसानों की मृत्यु होने के बाद भड़की हिंसा में दो भाजपा कार्यकर्ताओं के अलावा एक अन्य कार चालक एवं एक पत्रकार की मृत्यु हो गई थी।

किसानों की ओर से दायर याचिका में आरोप लगाये गये हैं कि उत्तर प्रदेश में उसी पार्टी की सरकार है, जिस पार्टी की सरकार में आरोपी आशीष के पिता केंद्र में राज्य मंत्री हैं। शायद इसी वजह से प्रदेश सरकार ने जमानत के खिलाफशीर्ष अदालत में याचिका दायर नहीं की थी।

केंद्रीय राज्य मंत्री के पुत्र आशीष की जमानत को चुनौती देने वाली याचिकाओं के जवाब में उत्तर प्रदेश सरकार ने उच्चतम न्यायालय में हलफ़नामा दाखिल कर कहा था कि जमानत का प्रभावी ढंग से विरोध नहीं करने के उस पर लगाए गए आरोप पूरी तरह से गलत एवं असत्य हैं। सरकार ने कहा था कि उच्च न्यायालय द्वारा आशीष को जमानत देने के आदेश को चुनौती देने का निर्णय संबंधित अधिकारियों के समक्ष विचाराधीन है।

गवाहों को सुरक्षा प्रदान करने के शीर्ष अदालत के आदेश पर सरकार ने कहा था कि उसने घटना से संबंधित 98 गवाहों को सुरक्षा प्रदान की जा रही है। सभी की सुरक्षा का जायजा नियमित रूप से लिया जाता है।

कार्यालय सहायक आयुक्त आबकारी जिला बिलासपुर (छ.ग.)
// पुनः निविदा सूचना //

निविदा सूचना क्र./आब./ठेका/2022/1940 बिलासपुर, दिनांक 12.04.2022

सर्वसाधारण की विशेष जानकारी के लिए यह सूचना प्रकाशित की जाती है कि छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कार्पोरेशन लिमिटेड द्वारा बिलासपुर जिले में संचालित 25 देशी, 15 कम्पोजिट एवं 29 विदेशी मदिरा कुल 69 मदिरा दुकानों में वित्तीय वर्ष 2022-23 की अवधि में संग्रहित होने वाले खाली कार्टून (पुट्ठा) की खरीदी प्रति किलोग्राम की दर से किए जाने हेतु सील बंद लिफाफे में निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक निविदाकार 5000/- रु. निविदा शुल्क डिमांड ड्राफ्ट उप महाप्रबंधक, सी.एस.एम.सी.एल. बिलासपुर के नाम पर देय हो, जमा कर निविदा प्रारूप एवं दुकानों की सूची कार्यालयीन समय में दिनांक 25.04.2022 को शाम 5.30 बजे तक प्राप्त कर सकते हैं।

निविदाकारों को निविदा के साथ 3,00,000/- रु. अमानत राशि, उप महाप्रबंधक सी.एस.एम.सी.एल. बिलासपुर के पक्ष में जारी बैंक ड्राफ्ट के साथ टेक्निकल/वित्तीय निविदा पृथक-पृथक बंद लिफाफे में दिनांक 27.04.2022 को दोपहर 12.00 बजे तक कार्यालय उप महाप्रबंधक, सी.एस.एम.सी.एल. बिलासपुर में जमा कर सकेंगे, नियत तिथि व समय पश्चात प्राप्त निविदा स्वीकार्य नहीं होगा। टेक्निकल निविदा उसी दिन दोपहर 02.00 बजे निविदा मूल्यांकन हेतु गठित समिति के समक्ष खोली जावेगी। टेक्निकल निविदा में पात्र पाए गए निविदादाता को ही वित्तीय निविदा इसी दिन खोली जावेगी। जिन निविदाकारों की टेक्निकल निविदा निर्धारित मापदण्डों के प्रतिकूल रहेगी, उनकी वित्तीय निविदा नहीं खोली जावेगी। अधिक दर वाले वित्तीय निविदादाता की निविदा को स्वीकार किया जावेगी। निविदा के नियम/शर्तें तथा निविदा प्रारूप एवं संचालित देशी/ विदेशी मदिरा दुकानों की जानकारी अवकाश के दिवसों को छोड़कर शेष दिवसों में कार्यालयीन समय पर कार्यालय उप महाप्रबंधक सी.एस.एम.सी.एल. बिलासपुर से प्राप्त की जा सकती है।

उपायुक्त आबकारी
जिला-बिलासपुर (छ.ग.)
जी-90300/3

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक यशवंत धोटे द्वारा, मीनल पब्लिकेशन एंड प्रोडक्शन प्रा.लि. शेड नंबर 74, सरोरा रोड, उरला इंडस्ट्रियल एरिया रायपुर, से मुद्रित कर वर्मा एग्जोटीका फ्लैट नंबर 103, सर्किट हाउस के सामने बिलासपुर से प्रकाशित, संपादक- प्रमोद शर्मा* प्रबंध संपादक- चन्द्रशेखर धोटे, फोन नंबर : 8120029029-9406245514, डाक पंजीयन क्रमांक G-2-112/CG/BPL/108/2020-22

सुहाना खान की डेब्यू फिल्म 'द आर्चीज' की शूटिंग शुरू

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड के किंग खान शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान, अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा और बोनी कपूर की बेटी खुशी कपूर की डेब्यू फिल्म 'द आर्चीज' की शूटिंग शुरू हो गई है।

फिल्म 'द आर्चीज' की निर्माता रीमा कागती ने सोशल मीडिया पर इस बात की जानकारी दी है। फिल्म 'द आर्चीज' का निर्देशन जोया अख्तर कर रही है। वह फिल्म को प्रोड्यूस भी करेंगी। यह फिल्म कॉमिक सीरीज पर आधारित होगी।

रीमा कागती ने अपने इंस्टाग्राम पर द आर्चीज के पहले शॉट की डीटेल्स देते हुए एक क्लैपबोर्ड की फोटो शेयर की। रीमा ने इस पोस्ट पर कैप्शन लिखा, #आर्चीज, #शूटस्टार्ट्स #टाइगरबेबी का पहला सोलो प्रोड्क्शन। उन्होंने जोया अख्तर को टैग करते हुए पार्टनर इन क्राइम बताया। इस फिल्म को जोया और रीमा साथ में मिलकर प्रोड्यूस कर रही हैं। बताया जा रहा है कि अगस्त्य नंदा इस फिल्म में आर्ची एंड्रयूज का रोल प्ले करते हुए नजर आएंगी, जबकि खुशी और सुहाना कॉमिक के दूसरे कैरेक्टर बेट्टी और वेरोनिका के रोल में दिखाई देंगी। फिल्म की शूटिंग ऊटी और आसपास के हिल स्टेशंस में की जाएगी।

यश कुमार की 'पति पत्नी और भूतनी' का फर्स्ट लुक रिलीज

मुंबई (वार्ता)। भोजपुरी अभिनेता यश कुमार की आने वाली फिल्म 'पति पत्नी और भूतनी' का फर्स्ट लुक रिलीज हो गया है।

निर्देशक नीलमणि सिंह की बहुप्रतीक्षित फिल्म पति पत्नी और भूतनी का फर्स्ट लुक जारी कर दिया गया है। माँ शांति मोशन पिक्चर्स प्रस्तुत फ़िल्म 'पति पत्नी और भूतनी' के निर्माता वेद प्रकाश तिवारी हैं। निर्माता वेद प्रकाश तिवारी ने बताया कि हमारी इस फ़िल्म का टाइटल ही नही कॉन्सेप्ट भी बेहद अलग है। हॉरर कॉमेडी के रूप में हम एक बेहतर फ़िल्म लेकर आ रहे हैं, जो आम फिल्मों से बिल्कुल भी अलग होगी। हम फ़िल्म का निर्माण बड़े कैनवास पर की गई है और प्रदर्शन भी भव्यता से की जाएगी।

फ़िल्म को लेकर यश कुमार भी बेहद रोमांचित हैं। यश कुमार ने कहा, ÷फ़िल्म 'पति पत्नी और भूतनी' की कहानी मुझे शूट करती है, यह दर्शकों को भी पसंद आएगी। फिलहाल पूरा ध्यान फ़िल्म के प्रदर्शन पर है। ÷ गौरतलब है कि फ़िल्म 'पति पत्नी और भूतनी' में यश कुमार के साथ ऋचा दीक्षित, सी पी भट्ट, संजय वर्मा, सोनिया मिश्रा, दीप्ति तिवारी, श्रेया राय मुख्य भूमिका में हैं।डीओपी फिरोज खान, कोरियोग्राफर कानू मुखर्जी, एक्शन हीरा यादव का है।

रणवीर सिंह ने जयेश भाई जोरदार का पोस्टर शेयर किया

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह ने अपनी आने वाली फिल्म जयेशभाई जोरदार का नया पोस्टर सोशल मीडिया पर शेयर किया है। रणवीर सिंह इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म जयेशभाई जोरदार को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में रणवीर सिंह गुजराती शाख्स का किरदार निभाते हुए दिखाई देंगे, जो समाज की पितृसत्तात्मक सोच और कुरितियों का पुरजोर विरोध करते हुए दिखाई देंगे। रणवीर सिंह ने सोशल मीडिया पर इस फिल्म का नया मजेदार पोस्टर साझा किया है, जिसमें वह जयेशभाई के लुक में दिखाई दे रहे हैं। इस तस्वीर में देखा जा सकता है कि रणवीर जयेशभाई के किरदार में आर्श्चयचकित दिख रहे हैं, जबकि तस्वीर में उनके हाथ में एक न्यू बॉर्न बेबी की आर्टिफिशियल तस्वीर दिख रही हैं।

रणवीर द्वारा शेयर इस न्यू तस्वीर पर जयेशभाई को लड़का होगा या लड़की भी लिखा हुआ नजर आ रहा है। इस फिल्म में रणवीर सिंह के साथ शालिनी पांडेय,बोमन ईरानी और रत्न पाठक शाह भी अहम किरदार में दिखाई देंगी। दिव्यांग टक्कर के निर्देशन में बनी इस फिल्म का निर्माण यशराज फिल्म्स के बैनर तले किया गया है। यह फिल्म 13 मई, 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

टाइगर श्रॉफ ने 'हीरोपंती 2' के लिए सीखी स्टिक फाइटिंग

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड के एक्शन हीरो टाइगर श्राफने अपनी आने वाली फिल्म हीरोपंती 2 के लिये स्टिक फाइटिंग सीखी है। टाइगर श्राफइन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'हीरोपंती 2' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। हाल ही में 'हीरोपंती 2' का ट्रेलर जारी किया गया, जिसमें टाइगर के एक्शन को देखकर दर्शक दंग रह गये। बताया जा रहा है कि टाइगर ने हीरांपती 2 के लिये स्टिक फाइटिंग की कला सीखी, जिसे उन्होंने अपनी किसी भी फिल्म में पहली बार प्रदर्शित किया है। यह कला कलारीपयट्टू की भारतीय मार्शल आर्ट के अंतर्गत आती है। गौरतलब है कि फिल्म हीरोपंती 2 में टाइगर श्रॉफबबलू के मुख्य किरदार में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में उनके साथ तारा सुतारिया और नवाजउद्दीन सिद्दिकी की भी अहम भूमिका है। अहमद खान के निर्देशन में बनी इस फिल्म का निर्माण साजिद नाडियाडवाला फिल्म्स के बैनर तले किया गया है। यह फिल्म 29 अप्रैल, 2022 को ईद के मौके पर रिलीज होगी।

न्यूज गैलरी

टेबल टेनिस खिलाड़ी विश्वा की सड़क हादसे में मौत

गुवाहाटी (वार्ता)। गुवाहाटी एयरपोर्ट से शिलांग जाते समय तमिलनाडु के टॉप टेबल टेनिस खिलाड़ी दीनदयालन विश्वा की सड़क हादसे में रविवार को मौत हो गई। विश्वा 83वीं सीनियर राष्ट्रीय टेबल टेनिस चैंपियनशिप के लिए जा रहे थे। इस दौरान एक ट्रक ने उनके वाहन को टक्कर मार दी।

हम अपने प्लान को भुना नहीं सके: जडेजा

पुणे (वार्ता)। चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान रवींद्र जडेजा ने गुजरात टाइटंस से मिली नजदीकी हार के बाद कहा कि टीम आखिरी पांच ओवर में अपने प्लान को भुना नहीं पायी। जडेजा ने मैच के बाद रविवार को कहा,' पहले छह ओवर में हमने अच्छा किया था, लेकिन डेविड मिलर ने बहुत अच्छे शॉट खेले, उन्हें क्रेडिट जाता है। बॉल रूककर आ रही थी, सोचा था कि अच्छा स्कोर है, लेकिन आखिरी के पांच ओवर में हम अपने प्लान को भुना नहीं सके। क्रिस जॉर्डन के साथ हम आखिरी ओवर में गए कि वह अनुभवी हैं, लेकिन आज वह ऐसा नहीं कर सके, इसी वजह से तो यह टी20 ?क्रिकेट है।'

दिल्ली ने जीती महिला कुश्ती चैंपियनशिप

रांची (वार्ता)। दिल्ली की महिला टीम ने इतिहास रचते हुए 190 अंकों के साथ अंडर 17 (कैडेट) फ्री स्टाइल,ग्रीको रोमन और महिला चैंपियनशिप में खिताब जीत लिया। हरियाणा 187 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा। महाराष्ट्र को 116 अंकों के साथ तीसरा स्थान मिला। भारतीय कुश्ती महासंघ ने देश में कुश्ती को प्रोत्साहित करने के लिए फेडेरशन कप आयोजित करने का फैसला किया है। फेडेरशन कप रांची में 17 से 19 अप्रैल तक होगा।

स्लेज हैमर अकादमी फाइनल में

नई दिल्ली (वार्ता)। 32वें संदीप सूरी मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट के सेमीफाइनल मैच में मैन ऑफ द मैच उदित मोहन (119*) के नाबाद शतक और रोहित दुआ (3/29) की बेहतरीन गेंदबाजी ने स्लेज हैमर क्रिकेट अकादमी को रवींद्र क्रिकेट अकादमी के खिलाफ 5 विकेट से सत्यवती कॉलेज, नई दिल्ली में जीत दिलाई और फ़ाइनल में पहुंचा दिया।

रिटेल व्यापार में 30 हजार छोटे ब्रांड कर रहे हैं जरूरतों को पूरा: कैट

नई दिल्ली (वार्ता)। कॉन्फेडरेशन ऑफ आल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के अनुसंधान खंड कैट रिसर्च एंड ट्रेड डेवलपमेंट सोसाइटी के हालिया सर्वेक्षण के अनुसार लगभग 3000 कॉर्पोरेट ब्रांड भारत की लगभग 20त्र आबादी की जरूरतों को पूरा करते हैं जबकि देश के विभिन्न राज्यों में 30 हजार से अधिक छोटे और मध्यम क्षेत्र के ब्रांड देश के बाकी 80त्र लोगों की जरूरतों को पूरा कर रहे हैं।

यह सर्वेक्षण व्यापार के खाद्यान्न, तेल, किराना आइटम, व्यक्तिगत सौंदर्य प्रसाधन, आंतरिक वस्त्र, रेडीमेड वस्त्र, सौंदर्य और शरीर की देखभाल के उत्पाद, जूते, खिलौने, शैक्षिक खेल एवं स्वास्थ्य देखभाल जैसे क्षेत्रों में किया गया।

कैट ने विज्ञप्ति में कहा कि यह एक भ्रांति है कि बड़े कॉरपोरेट घरानों के लगभग 3000 बड़े ब्रांड विशेष रूप से एफएमसीजी क्षेत्र उपभोक्ता वस्तुओं और सौंदर्य प्रसाधन आदि क्षेत्रों में देश के लोगों की जरूरतों को पूरा कर रहे हैं जबकि हकीकत यह है की देश के हर हिस्से में फैले 30 हजार से अधिक छोटे और मध्यम लेकिन क्षेत्रीय स्तर के ब्रांड भारत के लोगों की मांग को पूरा कर रहे हैं।

कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी.सी. भरतिया और राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि यह एक वास्तविकता को दर्शाता है कि छोटे और स्थानीय ब्रांड ग्राहकों के बीच ज्यादा लोकप्रिय हैं और देश की अधिकांश आबादी द्वारा ख़रीदे जाते हैं और वह भी ऐसी स्तिथि में जब कुछ विदेशी ई-कॉमर्स कंपनियों द्वारा लागत से भी कम मूल्य पर सामान बेचना और भरी डिस्काउंट देना शामिल हैं और वहीं कुछ एफएमसीजी कंपनियों ने वितरकों के नेटवर्क को दरकिनार करने के प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार गैर-कॉर्पोरेट क्षेत्र को आवश्यक समर्थन नीतियां देती है और ई-कॉमर्स कंपनियों को नीति और कानून का पूरी तरह से पालन करवाती है, तो देश का खुदरा व्यापार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मेक इन इंडिया(भारत में निर्मित) तथा आत्मनिर्भर भारत को पूरा करने में सक्षम है।

केशोड़-मुंबई मार्ग पर उड़ान सेवा शुरु

नई दिल्ली (वार्ता)। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने भारत सरकार की आरसीएस-उड़ान (यूडीएएन) योजना के तहत केशोड़-मुंबई मार्ग पर शनिवार को उड़ान संचालन शुरु कर दिया। इसमें हवाई सेवा प्रदान करने वाली कंपनी एलायंस एयर को आरसीएस- 4.1 बोली प्रक्रिया के तहत यह मार्ग प्रदान किया गया था।

मंत्रालय ने कहा कि केशोड़-मुंबई मार्ग पर विमान सेवा के साथ ही उड़ान-आरसीएस योजना के तहत अब 417 मार्गों पर हवाई संचालन किया जाएगा। एलायंस एयर उड़ान योजना के तहत केशोड़ को मुंबई से जोड़ने वाली पहली एयरलाइन कंपनी है। एयरलाइन बुधवार, शुक्रवार और रविवार को सप्ताह में तीन बार अपनी उड़ानें संचालित करेगी। मुंबई से विमान दोपहर 12 बजे प्रस्थान करेगा और दोपहर 1:25 बजे केशोड़ पहुंचेगा। जबकि केशोड़ से प्रस्थान का समय दोपहर 1:50 बजे होगा और यह दोपहर 3:10 बजे मुंबई पहुंचेगा। इस मार्ग पर कम दूरी की उड़ानों के लिए बने अपने 70 सीटों वाले एटीआर 72-600 टर्बो प्रोप विमान को तैनात करेगी। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया, गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्रभाई पटेल के साथ अन्य गणमान्य इसके उद्घाटन में मौजूद रहे। श्री सिंधिया ने कहा, उड़ान (यूडीएएन) योजना के तहत यह नयी उड़ान हमारे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को मुंबई से जोड़ेगी जो देश की वित्तीय राजधानी के रूप में उन्हें प्रिय थी। इस नए मार्ग के शुरु होने से पर्यटक आसानी से मशहूर विश्व प्रसिद्ध पर्यटक आकर्षण - सोमनाथ मंदिर और गिर राष्ट्रीय उद्यान केशोड़ पर जा सकेंगे। इसके अलावा केशोड़ में फर्नीचर, कपड़ा, रसायन, सीमेंट आदि जैसे विभिन्न उद्योग स्थापित हैं, जो नए उड़ान मार्ग के शुरू होने से लाभान्वित होंगे।'

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली (वार्ता)। देश में सोमवार को भी जीवाश्म ईंधन की कीमत में कोई परिवर्तन नहीं हुआ। तेल विपणन कंपनियों ने पिछले 12 दिनों में पेट्रोल-डीजल के दामों में कोई परिवर्तन नहीं किया है।

इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन की मूल्य अधिसूचना के अनुसार, दिल्ली में पेट्रोल 105.41 रुपये प्रति लीटर और डीजल 96.67 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। वहीं, मुंबई में पेट्रोल की कीमत 120.51 रुपये प्रति लीटर और डीजल के दाम 104.77 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है।

चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 110.85 रुपये और डीजल की कीमत 100.94 रुपये पर बरकरार है। कोलकाता में पेट्रोल और डीजल की कीमत क्रमशः 115.12 रुपये प्रति लीटर और 99.83 रुपये प्रति लीटर है। देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतें 137 दिन की स्थिरता के बाद गत 22 मार्च से बढ़नी शुरू हुई थी। कंपनियों ने पिछले 25 दिन में 14 बार पेट्रोल और डीजल के दामों में वृद्धि की। इस दौरान इनके दामों में करीब 10 रुपये प्रति लीटर की तेजी आयी है।

उल्लेखनीय है कि सोमवार लगातार 12वां दिन है, जब कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। इससे पहले एक अप्रैल को कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया था।

पदार्पण कप्तानी में मिली जीत यादगार है : राशिद खान

पुणे (वार्ता)। गुजरात टाइटंस के कप्तान राशिद खान ने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफमिली जीत के बाद कहा कि यह जीत यादगार है, मेरा डेब्यू कप्तानी थी, मैंने बल्लेबाजी में भी अच्छा किया, यह अच्छा लगा। हम मैच को अंत तक ले जाना चाहते थे। राशिद ने कहा,' आखिरी सात ओवर में हमें 90 रन चाहिए थे तो हमें पता था कि हम यह मैच जीत सकते हैं। हमारी टीम में काबिलियत है और हमने करके दिखाया। इस टीम के खिलाफबात हुई थी कि एक बल्लेबाज कम है, लेकिन मैं अच्छे से बल्लेबाजी कर रहा था, टीम ने मुझ पर भरोसा जताया और मैं खुश हूं कि मैंने योगदान दिया बल्ले से भी। मैं मिलर से बात कर रहा था कि गेंद को तेज हिट करना है। जॉर्डन की गेंदबाजी के समय मैं जिम्मेदारी लेना चाहता था, मैं सोचकर चल रहा था कि अगर 20 रन भी इस ओवर में आ जाते हैं तो हम मैच को जीत सकते हैं।'

थोक महंगाई बढ़कर 14.55 प्रतिशत पर पहुंची

नई दिल्ली (वार्ता)। रूस और यूक्रेन के बीच जारी जंग के कारण ईंधन के साथ ही वैश्विक स्तर पर अन्य कमोडिटी की कीमतों में आयी तेजी से इस वर्ष मार्च में देश में थोक मूल्य सूचकांक पर आधारित थोक महंगाई बढ़कर 14.55 प्रतिशत पर पहुंच गयी जबकि फरवरी 2022 में यह 13.11 प्रतिशत पर रही थी। मार्च 2021 में यह महंगाई 7.89 प्रतिशत रही थी। करीब एक साल से थोक महंगाई दो अंकों में बनी हुयी है और फिलहाल इसमें कमी की उम्मीद नहीं की जा रही है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार मासिक आधार पर खाद्य पदार्थों की थोक महंगाई फरवरी 2022 के 8.47 प्रतिशत से बढ़कर मार्च में 8.71 प्रतिशत पर पहुंच गयी। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार मार्च महीने में सब्जियों और अन्य खाद्य पदार्थों में नरमी रही जबकि ईंधन और बिजली के दामों में तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई है। सब्जियों की महंगाई फरवरी में 26.93 प्रतिशत जो मार्च में घटकर 19.88 प्रतिशत पर आ गयी। अन्य खाद्य पदार्थों में भी नरमी रही है और यह फरवरी 2022 की 8.19 प्रतिशत से घटकर मार्च में 8.06 पर आ गई। मार्च में ईंधन और बिजली फरवरी 2022 के 31.50 प्रतिशत की तुलना में बढ़कर 34.52 प्रतिशत पर पहुंच गयी।

रॉब की इंग्लैंड की पुरुष क्रिकेट टीम का प्रबंध निदेशक नियुक्त

लंदन (वार्ता)। ब्रॉडकास्टिंग के क्षेत्र में अपने एक सफल करियर के बाद केंट व इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज़ रॉब की को इंग्लैंड की पुरुष क्रिकेट टीम का प्रबंध निदेशक नियुक्त किया गया है। वह तत्काल ही पदभार ग्रहण करेंगे। इसके लिए उन्हें स्काय स्पोर्ट्स के साथ अपने काम से त्यागपत्र देना होगा।

अब रॉब इंग्लैंड क्रिकेट टीम की रणनीति और उसके प्रदर्शन के प्रति जवाबदेह होंगे। इसके साथ ही वह मौजूदा अंतरिम मैनेजिंग डायरेक्टर ऐंड्रयू स्ट्रॉस द्वारा शुरू की गई उच्च कोटि के प्रदर्शन की समीक्षा को सुनिश्चित करने में भी अहम भूमिका अदा करेंगे। भले ही रॉब अतीत में किसी प्रशासनिक पद पर नहीं रहे हैं, इसके बावजूद वह इस पद के प्रबल दावेदारों में से एक थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक़ इस रेस से मार्कस नॉर्थ के बाहर होने ने रॉब के मार्ग को और प्रशस्त कर दिया। रॉब ने ऐसे वक्त में पदभार संभाला है, जब इंग्लैंड क्रिकेट टीम उधेड़बुन की स्थिति से गुज़र रही है।

आईपीएल क्रिकेट

मिलर ने नाबाद 94 और राशिद खान ने 40 रन की आतिशी पारियां खेली

मिलर-राशिद की आतिशी पारियों से जीता गुजरात

पुणे (वार्ता)। डेविड मिलर की नाबाद 94 और लेग स्पिनर राशिद खान की 40 रन की आतिशी पारियों से गुजरात सुपर जायंट्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को रविवार को आईपीएल मुकाबले में मात्र एक गेंद शेष रहते तीन विकेट से हराकर अपनी पांचवीं जीत हासिल की और तालिका में शीर्ष स्थान पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली।

चेन्नई ने ऋतुराज गायकवाड़ की 73 रन की आतिशी पारी और अम्बाती रायुडू के 46, शिवम् दुबे के 19 और कप्तान रवींद्र जडेजा के नाबाद 22 रन की बदौलत 20 ओवर में पांच विकेट पर 169 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया लेकिन मिलर और राशिद खान की आतिशी पारियों से गुजरात ने 19.5 ओवर में सात विकेट पर 170 रन बनाकर रोमांचक जीत अपने नाम की। चेन्नई को छह मैचों में पांचवीं हार का सामना करना पड़ा।

लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजरात का शीर्ष क्रम लड़खड़ा गया और उसने 16 रन पर तीन विकेट गंवा दिए। डेविड मिलर एक छोर पर टिके रहे जबकि दूसरे छोर पर विकेट गिरते रहे। गुजरात का पांचवां विकेट 87 के स्कोर पर गिरा लेकिन मिलर ने राशिद खान के साथ छठे विकेट के लिए 70 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की । राशिद ने 18वें ओवर में क्रिस जॉर्डन की गेंदों पर छक्के-चौके उड़ाते हुए 25 रन बटोरे।

क्रिस जॉर्डन आखिरी ओवर डाल रहे थे। मिलर ने छक्का मारा लेकिन अगली गेंद पर लपके गए, पर कमर से ऊंची यह गेंद नो बॉल निकली । मिलर ने अगली गेंद पर चौका मार दिया। पांचवीं गेंद पर दो रन लेकर मिलर ने गुजरात को विजेता बना दिया। मिलर ने 51 गेंदों पर नाबाद 94 रन में आठ चौके और छह छक्के लगाए और प्लेयर ऑफ द मैच बने। राशिफ़ ने 21 गेंदों पर 40 रन में दो चौके और तीन छक्के लगाए।

गुजरात के सारे बल?लेबाज घुटने टेक रहे थे लेकिन मिलर खड़े रहे, प्रहार करते रहे और बाद में राशिद के कैमियो ने भी मदद की, अंत में रोमांचक दौर में पहुंचे इस मैच को मिलर जिताने में कामयाब रहे। लंबे समय बाद मिलर ने इस तरह की पारी खेली है। इससे पहले अपने मैदान पर ऋतुराज ने भी अर्धशतक लगाया था और रायुडू के साथ अच?छी साझेदारी करके टीम को 169 रनों तक पहुंचाया था लेकिन यह रन कम रह गए।ऋतुराज ने अपने पिछले साल की फॉर्म दिखाते हुए 48 गेंदों पर 73 रन में पांच चौके और पांच छक्के लगाए। चेन्नई ने अपने दो विकेट पॉवरप्ले में गंवाए।

रोबिन उथप्पा तीन और मोईन अली एक रन बनाकर आउट हुए। लेकिन गायकवाड़ और रायुडू ने तीसरे विकेट के लिए 92 रन की मजबूत साझेदारी की। रायुडू ने 31 गेंदों पर 46 रन में चार चौके और दो छक्के लगाए।

शेयर बाजार में हाहाकार, सेंसेक्स एक माह के निचले स्तर पर पहुंचा

मुंबई (वार्ता)। रूस-यूक्रेन संकट के और गहराने एवं अमेरिकी फेड रिजर्व के ब्याज दरों में तेज वृद्धि करने के रुख से एशियाई बाजार के कमजोर रुख से निराश निवेशकों की आईटी, टेक, वित्त, दूरसंचार, बैंकिंग और रियल्टी समेत चौदह समूहों में बिकवाली से शेयर बाजार में आज हाहाकार मच गया। बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1172.19 अंक लुढ़ककर करीब एक माह के निचले स्तर और 58 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे 57,166.74 अंक पर आ गया। इससे पहले सेंसेक्स इस वर्ष 21 मार्च मार्च को 57,292.49 अंक पर रहा था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 302.00 अंक का गोता लगाकर 17,173.65 अंक पर रहा। दिग्गज कंपनियों की तरह बीएसई की छोटी और मझौली कंपनियों पर भी बिकवाली हावी रही। मिडकैप 0.95 प्रतिशत की गिरावट लेकर 24,747.35 अंक और स्मॉलकैप 1.01 प्रतिशत टूटकर 29,223.81 अंक पर आ गया। इस दौरान बीएसई में कुल 3670 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2062 में बिकवाली जबकि 1462 में लिवाली हुई वहीं 146 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह एनएसई में 26 कंपनियां लाल जबकि 24 हरे निशान पर रहीं। इस दौरान बीएसई के 14 समूह में गिरावट जबकि शेष पांच में तेजी रही।

जान जोखिम में डाल कर ग्रामीण निकाल रहे कोयला, हादसे में 1 की मौत, 2 घायल

■ डर से परिवार ने मौत की वजह बताई पेड़ से गिरना, पीएम नहीं होना संदेह

बैकुंठपुर/नवप्रदेश। पटना थाना क्षेत्र में कोयले का अवैध उत्खनन धड़ल्ले से किया जा रहा। यह बात किसी से छुपी नहीं फिर भी जिले के जिम्मेदार अधिकारी इस और ध्यान नहीं दे रहे। ऐसा नहीं है कि उन्हें भी इस बात की जानकारी नहीं की कोयला के क्षेत्र में क्या हो रहा है? पर ऐसे में सवाल यह उठता है की अवैध कारोबार को रोके तो रोके कौन? पटना थाना क्षेत्र सहित जिले के वनांचल क्षेत्र में ऐसे दर्जनों अवैध खदान संचालित है और प्रतिदिन उस अवैध खदानों से जान जोखिम में डालकर 100 से 200 लोग रोजी रोटी के लिए काम कर कोयला निकाल रहे हैं। ग्रामीणों को पैसे की जरूरत है तो कोल माफियाओं को कोयले की, दोनों की जरूरतो में गरीब की जान खतरे में पर इसकी चिंता करें कौन? गरीब की आवाज तब तक बाहर नहीं जाती है जब तक उनकी मदद के लिए कोई खड़ा नहीं होता। कुछ ऐसा ही मामला पटना थाना क्षेत्र के अंतर्गत जंगलों में संचालित अवैध खदानों का है। जहां लोग जान जोखिम में डालकर अवैध कोयला उत्खनन इसलिए कर रहे हैं क्योंकि उनके पास रोजगार नहीं है पर पैसे की जरूरत और पेट भरने की मजबूरी ने उन्हें इस खतरनाक काम में लगा रखा है। जबकि सरकार दावा कर रही है कि रोजगार की कमी कहीं नहीं है कोई भूखा नहीं है। यही वजह है कि जान जोखिम में डालकर चंद पैसों के लिए ग्रामीण अवैध उत्खनन कर कोयला निकाल कोल माफियाओं को कोयला दे रहे हैं। जान तो ग्रामीणों की जानी हैं कोलमाफिया या पुलिस प्रशासन का क्या जाना है? इस बात की आशंका हमेशा बनी रहती है कि कभी भी ग्रामीणों के साथ दुर्घटना हो सकती है जो कि हो गया अब प्रशासन ही इस घटना से अनभिग्य हैं जिससे हादसे के बाद मृतक का बिना पोस्टमार्टम किये परिवार को सौंप देना अब कई सवाल छोड़ गया जिससे प्रशासन की भूमिका को लेकर भी सवाल उठना लाजमी है?

पीएम न होना दबाव तो नहीं

जानकारी अनुसार घटना के बाद मृतक को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां उसे आईसीयू में रखा गया था। ईलाज के दौरान उसकी मौत हो गई किन्तु मौत की खबर पुलिस को भी नहीं दी गई न ही मृतक का पीएम कराया गया। जबकि इस तरह की घटना में मृतक का पीएम होना अनिवार्य है किंतु मृतक का पीएम न होना इस घटना को लेकर कई सवाल छोड़ गया। वहीं जिम्मेदार अधिकारी भी अब जांच से पूर्व कुछ भी कहने से बचते नजर आ रहे।

सालभर दोबारा उत्खनन शुरू

पटना क्षेत्र के तीन ग्राम पंचायत में दर्जनभर अवैध कोयला खदान को बंद करने के सालभर बाद दोबारा उत्खनन होने लगा है। मामले में शुक्रवार को ग्राम पूटा के जंगल में हादसा हुआ, जिसमें एक ग्रामीण की मौत और दो ग्रामीण घायल हुए हैं। जानकारी के अनुसार बैकुंठपुर से लगभग 25 किलोमीटर दूर पटना थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत मुरमा, अंगा व पुटा के जंगल में दर्जनभर अवैध कोयला खदानें चिह्नित थी। जिसमें कई वर्षों से अवैध कोयला खनन हो रहा था। मामले में पिछले साल संयुक्त टीम गठित कर डायनामाइट विस्फोट कर अवैध खदानों को बंद कराया गया था। वहीं सालभर बाद दोबारा अवैध कोयला खनन शुरू हो गया है। अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई नहीं होने से ग्राम पंचायत पूटा के जामघाट अवैध कोयला खदान हादसे में ग्रामीण अमर सिंह पिता बसवाही की मौत हो गई व दो घायल ग्रामीणों के घायल होने की बात कही जा रही है।

तीन दिन पहले खदान धंसने से एक की हो गई मौत

सूत्रों के मुताबिक तीन दिवस पहले अवैध खदान धंसने से एक व्यक्ति की मौत हो गई तो 2 घायल हो गए पर राहत की बात यह है कि यह गरीब लोग इतने डरे हुए थे कि इस मामले को अलग ही दिशा दे दिया गया। ग्रामीण ने पुलिस से बचने की वजह से मौत की वजह पेड़ से गिरना बताया और वह अपने इस बयान से पुलिस को भी राहत दी साथ ही कोलमाफियों को भी पर नुकसान तो उस परिवार को हुआ जिसने एक अपना खो दिया और उसके एवज में अब वह आर्थिक लाभ से भी वंचित हो जाएगा जो उसे उन कोल माफियाओं पर एफआईआर दर्ज कर मिलता जिनके लिए वह अवैध कोयला उत्खनन के धंधे में लिप्त था और उन कोल माफियाओं पर कार्यवाही भी होती जो ऐसा उन्हें करने पर मजबूर कर रहे थे।

प्लांट का विरोध, किसानों ने रखा मत

कहा- खेती-किसानी हमारी रोजी रोटी

बेमेतरा/नवप्रदेश। बेरला ब्लाक के ग्राम मुड़पार में स्टील प्लांट की स्थापना का क्षेत्र के सैकड़ों किसानों ने विरोध दर्ज कराया। किसान नेता योगेश तिवारी के नेतृत्व में पहुंचे किसानों ने गांव में प्लांट स्थापना को लेकर अपनी पीड़ा बताई। किसानों ने बताया कि गांव की सरहद में एक सीमेंट कारखाना है जिसका दंश एक दशक से अधिक समय से ग्रामीण झेल रहे हैं। इसलिए मुड़पार समेत आसपास के दर्जन भर गांव के किसान एक स्वर में प्लांट स्थापना का विरोध कर रहे हैं। भारत सरकार पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की अधिसूचना के प्रावधान अनुसार इस परियोजना के लिए जनसुनवाई बुलाई गई। संयुक्त कलेक्टर दुर्गेश वर्मा की अध्यक्षता में सोमवार को सुबह 11 बजे शुरू हुई जनसुनवाई दोपहर करीब 3 बजे समाप्त हुई। सुरक्षा के दृष्टिकोण के सुनवाई स्थल पर भारी पुलिस बल तैनात था। किसान नेता योगेश तिवारी ने कहा कि गांव में प्लांट स्थापना के लिए संबंधित जीआर इस्पात प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की ओर से अनापत्ति प्रमाण पत्र के लिए ग्राम पंचायत में आवेदन नहीं किया गया हैं। बिना एनओसी जन सुनवाई बुलाई गई। सुनवाई को खुले मैदान में जानबूझकर रखा गया था, ताकि भरी दोपहरी में ग्रामीण विरोध दर्ज कराने नहीं पहुंच सकें। बावजूद क्षेत्र के सैकड़ो किसानों ने विरोध दर्ज कराया। जनसुनवाई के दौरान प्लांट स्थापना को लेकर क्षेत्र के किसानों ने अपना मत रखा। इसमें पेंड्री निवासी बिष्णु वर्मा ने कहा कि खेती हमारी मां है और उससे बड़ा कोई कारखाना नहीं है, भूमि में एक बीज सींचने पर सौ बीज पैदा होते हैं, इसलिए हम खेती करना चाहते हैं, उद्योग स्थापना के पक्ष में एक भी ग्रामीण नहीं हैं। जनसुनवाई की वीडियोग्राफी कराई गई।

इस क्षमता के प्लांट स्थापना के लिए जनसुनवाई

मेसर्स जीआर इंट्रीग्रेटेड स्टील प्राइवेट लिमिटेड की ओर से आयरन ओरे थूपुट 1 करोड़ 20 लाख टीपीए, आयरन ओरे पैलेट 18 लाख टीपीए, स्पंज आयरन 1 लाख 98 हजार टीपीए, माइल्ड स्टील बिल्ट 1लाख 94 हजार 40 टीपीए, रीहीटिंग फर्नेश 2 लाख 24 हजड 70 टीपीए, फेरो एलॉयज 20 हजार टीपीए, पिग आयरन 40 हजार टीपीए, पावर प्लांट 32 एम डब्लू, सीमेंट 1 लाख टीपीए और फ्लाई एश ब्रिक्स 1 लाख 38 हजार 600 टीपीए के पर्यावरणीय स्वीकृति के लिए लोक सुनवाई बुलाई गई हैं।

विश्व धरोहर दिवस पर छत्तीसगढ़ के शैल-कला धरोहर पर छायाचित्र प्रदर्शनी

धरोहरों के संरक्षण पर व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन

रायपुर/नवप्रदेश। विश्व धरोहर दिवस पर संस्कृति एवं पुरातत्त्व विभाग द्वारा आज प्रदर्शनी और व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित हुआ। महंत घासीदास स्मारक संग्रहालय परिसर रायपुर में आयोजित कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के 13 जिलों से ज्ञात शैल-कला धरोहर पर मानचित्र और छायाचित्र प्रदर्शनी लगाई गई। धरोहरों के संरक्षण पर व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन संस्कृति विभाग के सचिव श्री अन्बलगन पी. और पदमश्री श्री ए.के. शर्मा, डी. एस. बी. ओवा भोपाल और श्री राहुल तिवारी ने किया।

पदमश्री श्री ए.के. शर्मा ने धरोहरों के संरक्षण में लोगों की भूमिका पर कहा कि धरोहरों को प्राकृतिक कारकों से ज्यादा मानवीय कारकों से खतरा है। लोग जागरूकता के अभाव में अथवा अज्ञानतावश धरोहरों को नुकसान पहुंचाते हैं। इस प्रवृत्ति से बचना चाहिए। धरोहरों की सुरक्षा और स्वच्छता के लिए सभी लोगों को सहयोग करना चाहिए। विशिष्ट अतिथि एवं भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण में पूर्व संयुक्त महानिर्देशक श्री डी.एस.पी. ओता ने धरोहरों को प्राकृतिक क्षरण से बचाकर संरक्षित करने में पर्यावरण की भूमिका पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा की प्राकृतिक और सांस्कृतिक धरोहरों को बचाने के लिए उसके आसपास के पर्यावरण और लैंडस्केप सहित विद्यमान लोक परंपरा को भी सहेजने की जरूरत है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण रायपुर मंडल के सहायक अधीक्षण पुरातत्वीय अभियंता श्री राहुल तिवारी ने निर्मित धरोहरों के संरचनात्मक अनुरक्षण और संरक्षण तकनीक तथा विधियों के बारे में अपने विचार रखे। धन्यवाद ज्ञापन प्रभारी संग्रहाध्यक्ष डॉ. पी.सी. सारख ने किया।

इस अवसर पर प्रो. एस. एल. कोका. डी. अरूण कुमार, श्री अशोक तिवारी, श्री राहुल कुमार सिंह सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी व पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर के पुरातत्त्व और मानवविज्ञान अध्ययनशाला के विद्यार्थी एवं शोधार्थी तथा नगर के प्रबुद्धजन उपस्थित रहे। पुरातत्वेत्ता प्रभात कुमार सिंह ने कार्यक्रम का संचालन किया।

देश में तंबाकू नियंत्रण नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए रायपुर में आयोजित हुई क्षेत्रीय परामर्श कार्यशाला

■ 10 राज्यों के प्रतिनिधियों एवं सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी हुए शामिल

रायपुर/नवप्रदेश। क्षेत्रीय परामर्श कार्यशाला का आयोजन रायपुर में इंसटीर्टुट ऑफ पब्लिक हेल्थ बैंगलुरु, इंडियन अलायंस, द यूनियन, पं0 जवाहर लाल नेहरु चिकित्सा महाविद्यालय रायपुर एवं इंडियन एसोशिएशन ऑफप्रिवेन्टींग एण्ड सोशल मेडिसीन रायपुर के संयुक्त तत्वाधान में किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य देश में तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम और तंबाकू नियंत्रण नीतियों के क्रियान्वयन को समझने और देश के विभिन्न जनसांख्यिकीय क्षेत्रों में तंबाकू नियंत्रण नीतियों के क्रियान्वयन में विभिन्न चुनौतियों को समझना एवं आगामी रणनीति तैयार किया जाना है।

कार्यशाला सत्र का शुभारंभ नीरज बंसोड, संचालक स्वास्थ्य सेवाएँ छत्तीसगढ़ एवं डॉ0 तृप्ति नागरिया अधिष्ठाता पं. जेएनएम मेडिकल कॉलेज रायपुर ने किया और तंबाकू नियंत्रण नीतियों में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की गई। साथ ही तंबाकू नियंत्रण की दिशा में आने वाली चुनौतियों के संबंध में चिंता व्यक्त की गई। अधिष्ठाता चिकित्सा महाविद्यालय ने महिलाओं द्वारा तंबाकू उपयोग किये जाने पर चिंता व्यक्त करते हुये महिलाओं को तंबाकू से होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं से अवगत कराया। डॉ0 तृप्ति नागरीया, अधिष्ठाता पं0 जवाहरलाल स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय ने बताया कि आने वाली पीढ़ी को तंबाकू के हानिकारक प्रभावों से बचाने के लिए महिलाओं के द्वारा तंबाकू उपयोग को रोकने हेतु विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

डॉ. प्रगति हेब्बार सहायक निदेशक, आईपीएच, बेंगलुरू ने बताया कि आईपीएच द्वारा इस परामर्श कार्यशाला का आयोजन अनुष्ठाना परियोजना के अंतर्गत किया गया है।

जालबांधा में उप तहसील कार्यालय किया प्रारंभ

राजनांदगांव/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देश पर कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा ने जनसुविधा एवं जनहित को दृष्टिगत रखते हुए प्रशासनिक दृष्टिकोण से खैरागढ़ तहसील अंतर्गत जालबांधा में उप तहसील कार्यालय प्रारंभ किया है। खैरागढ़ तहसील कार्यालय में पदस्थ नायब तहसीलदार सुश्री रश्मि दुबे को आगामी आदेश पर्यन्त उप तहसील कार्यालय जालबांधा में पदस्थ किया है।

कपिलेश्वर मंदिर के स्मारक को किया जाएगा संरक्षित

रायपुर/नवप्रदेश। संस्कृति विभाग ने जिला मुख्यालय बालोद में स्थित कपिलेश्वर मंदिर समूह और बावली कलात्मक महत्व के प्राचीन स्मारकों के संरक्षण के लिए कलेक्टर को पत्र जारी कर जिला पुरातत्वीय संघ के माध्यम से सुरक्षा के आवश्यक उपाय करने को कहा है। गौरतलब है कि यह दोनों स्थल राज्य शासन द्वारा संरक्षित स्मारक है। गौरतलब है कि राज्य सरकार पुरातात्विक एवं ऐतिहासिक महत्व के स्थलों को चिन्हाकिंत कर संरक्षित एवं संवंर्धित करने की दिशा विशेष रूप से कार्य कर रही है।

प्राचीन किला के संरक्षण के लिए को संस्कृति विभाग ने लिखा पत्र

रायपुर/नवप्रदेश। संस्कृति विभाग ने दुर्ग जिले अंतर्गत धमधा के बड़ा तालाब स्थित महामाया मंदिर के पास 13वीं शताब्दी में निर्मित किला के संरक्षण के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण रायपुर मंडल के अधीक्षण पुरातत्वविद् को पत्र लिखकर किला के संरक्षण के लिए अनुरोध किया है। उल्लेखनीय है कि यह किला 13वीं शताब्दी निर्मित है। जिसे वर्ष 1935 में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा संरक्षित किया गया था, लेकिन 1962 में इस किला को संरक्षित सूची से हटा दिया गया। यह किला संरक्षण के अभावा में जीर्ण-शीर्ण हो रहा है अर्थात् ढह रहा है। संस्कृति विभाग द्वारा ढह रहे इस किला के संरक्षण-अनुरक्षण के लिए आवश्य कार्यवाही करने की अपील की गई है। गौरतलब है कि राज्य सरकार पुरातात्विक एवं ऐतिहासिक महत्व के स्थलों को चिन्हाकिंत कर संरक्षित एवं संवंर्धित करने की दिशा विशेष रूप से कार्य कर रही है।

रिपा के तहत 12 गांव चिंहाकित, गौठान बनेंगे ग्रामीण आजीविका के प्रमुख केंद्र

बलौदाबाजार/नवप्रदेश। रूरल इंडस्ट्रियल पार्क के तहत जिले के 12 गांव के गौठान में आद्योगिक केंद्र बनाने की तैयारी जोरों से चल रही है। कलेक्टर डोमन सिंह ने सम्बंधित विभिन्न विभागों के साथ बैठक कर तैयारी सम्बंधित आवश्यक दिशा निर्देश दिए है। ग्रामीण आजीविका केंद्र के तहत रूरल इंडस्ट्रियल पार्क के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से इन पार्क के तहत डेयरी,मत्स्य,फूड प्रोसेसिंग,सीमेंट ब्रिक्स, राइस मिल, हल्दी मसाला यूनिट एवं आइसक्रीम मेकिंग सहित अन्य गतिविधियों का संचालन किया जाएगा। इसके तहत प्रत्येक विकासखंड में 2-2 गांव शामिल है। इन ग्रामों में बलौदाबाजार के पुरैना खपरी, मोहतरा,भाटापारा कडार, पथरिया, सिमगा रोहरा, सुहेला, पलारी गिर्रा, हरिनभट्टा, कसडोल से मटिया देवरीकला, बिलाईगढ़ से रोहिना एवं बेलटिकरी शामिल है। इस मौके पर उन्होंने गौधन न्याय योजना के क्रियान्वयन सम्बंधित विस्तृत समीक्षा की है। उन्होंने बैठक में कहा कि मुख्यमंत्री के दौरा के दौरान पूरा केंद्र बिंदु गौधन न्याय योजना एवं गौठानही होगा। गौधन के क्रियान्वयन में जरा भी लापरवाही नहीं बरतनी है। उनका शत प्रतिशत संचालन गौठान में होना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने सभी जिला अधिकारियों को समय सीमा के भीतर कार्य करने के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में मुख्यमंत्री का जिले में भ्रमण तय है। इस दृष्टि से शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता वाले योजनाओं का क्रियान्वयन शत प्रतिशत हो उसकी जिम्मेदारी सम्बंधित जिला अधिकारियों की होती है। इस कार्य मे जरा भी लापरवाही बर्दाश्त नही की जाएगी। साथ ही उन्होंने राज्य शासन की फ्लैगशिप योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पंहुचाने के निर्देश दिए है। जिले के 644 ग्राम पंचायतों में से 622 ग्राम पंचायतों में गौठानो की स्वीकृति हो गयी है। जिनमे बलौदाबाजार में 102, पलारी 89, बिलाईगढ़ 122, कसडोल 116, भाटापारा 89 सिमगा में 104 ग्राम पंचायत शामिल है। इनमें पंचायत के 591 एवं वन के 31 ग्राम शामिल है। उक्त बैठक में जिला पंचायत सीईओ डॉ फरिहा आलम सिद्की, डीएफओ केआर बढई सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

आजादी के बाद 2 दर्जन से अधिक गांवों में लालटेन युग का होगा अंत

मनेन्द्रगढ़/नवप्रदेश। मनेंद्रगढ़-भरतपुर-सोनहत विधायक गुलाब कमरो के अथक प्रयास से विधानसभा क्षेत्र के सुदूर वनांचल 15 पहुंच विहीन गांवों में विद्युतीकरण हेतु मुख्यमंत्री मजराटोला विद्युतीकरण योजना के तहत 4 करोड़ 62 लाख रूपए की राशि मंजूर की गई है। विदित रहे कि इसके पूर्व विधायक कमरो की ही पहल पर 11 विद्युतविहीन ग्रामों में विद्युतीकरण हेतु 5 करोड़ की राशि स्वीकृत की जा चुकी है। स्वीकृत राशि से विधानसभा क्षेत्र के भरतपुर विकासखंड के 2 गांव, सोनहत विकासखंड के 7 व मनेंद्रगढ़ विकासखंड के 6 कुल 15 गांव रोशन होंगे। विधायक द्वारा शासन से विधानसभा क्षेत्र में आजादी के बाद से बिजली जैसी बुनियादी सुविधा की कमी से जूझ रहे विद्युतविहीन ग्रामों में विद्युतीकरण योजना के अंतर्गत विद्युत विहीन ग्रामों का ग्रिड के माध्यम से बिजली की सुविधा प्रदान किए जाने की मांग की गई थी। स्वीकृत राशि से विकासखंड सोनहत केग्राम तंजरा, छिगुरा, तर्रा, बसेर, लोलकी, कछाड़ी एवं ठकुरहत्थी में विद्युतीकरण का कार्य किया जाएगा। इसी प्रकार मनेंद्रगढ़ विकासखंड के बौरीडांड़ ग्राम पंचायत अंतर्गत ग्राम मिलनपथरा, चुकतीपानी, ग्राम धनहर, सोनहरी, राधेरमननगर, ग्राम पंचायत बुंदेली के कारीठिहाई एवं भरतपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम मसर्रा व रजरावल में मुख्यमंत्री मजराटोला विद्युतीकरण योजना के तहत बिजली पहुंचाई जाएगी। विधायक ने बिजली जैसी बुनियादी सुविधा के लिए निरंतर बड़ी राशि स्वीकृत किए जाने पर प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल एवं विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरण दास महंत के प्रति आभार व्यक्त किया है।

इन गांवों के लिए करोड़ों की राशि मंजूर

मुख्यमंत्री मजराटोला विद्युतीकरण योजना के तहत बिजली विहीन क्षेत्रों में प्राथमिकता से बिजली पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। पिछले माह विधायक कमरो के प्रयासों से शासन की इस महती योजना के तहत् जिन 11 विद्युतविहीन गाँवों में बिजली जैसी बुनियादी सुविधा उपलब्ध कराने के लिए लगभग 5 करोड़ की राशि मंजूर की गई थी उनमें विकासखंड भरतपुर के मन्नौढ़, मैनपुर, करवा, मुर्किल, टिसकोली व नेउर, सोनहत विकासंड अंतर्गत हसदेव नदी के उद्गम स्थल ग्राम मेण्ड्रा एवं मनेन्द्रगढ़ विकासखण्ड के पढ़ेवा, हंसपुर, बोदरा टोला (बिहारपुर) एवं नवाडीह शामिल हैं। बताया जाता है कि सभी ग्रामों में शासन की मंशा के तहत प्राथमिकता के आधार पर विद्युतीकरण कार्य किए जाने हैं जिसके लिए टेंडर की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। शीघ्र कार्य आरंभ होने वाले हैं जिसे लेकर आजादी के बाद से बिजली जैसी मूलभूत सुविधा की बाट जोह रहे ग्रामीणों में हर्ष व्याप्त है।

बुनियादी सुविधाएं मुहैया करा रही सरकार

भरतपुर विकासखंड में कई ऐसे पहुंचविहीन गांव हैं जहां आज भी बिजली की कोई सुविधा नहीं है। ग्रामीणों का कहना है कि पूर्ववर्ती भाजपा सरकार ने बुनियादी सुविधाओं के लिए उन्हें काफी रूलाया है, लेकिन वर्तमान में प्रदेश में काबिज संवेदनशील भूपेश बघेल की सरकार और विधायक गुलाब कमरो के नेतृत्व ने प्राथमिकता से बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराकर उनके आँसू पोछने के कार्य किए हैं। विधायक के नेतृत्व में संपूर्ण विधानसभा क्षेत्र निरंतर विकास की ओर अग्रसर है। वहीं ग्रामीण जनप्रतिनिधियों का कहना है कि अब समस्याओं के समाधान के लिए ग्रामीणों को भटकना नहीं पड़ रहा है। यह शासन और क्षेत्रीय विधायक गुलाब कमरो का ही सार्थक प्रयास है कि समाधान तुंहर दुआर जैसे शिविर लगाकर ग्रामीणों तक पहुंचकर उनकी समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, पानी जैसी मूलभूत सुविधाएं प्राथमिकता से मुहैया कराई जा रही हैं।

घरेलू गैस सिलेण्डर के अवैध कारोबार करने वाले पर की गई कार्यवाही

बलरामपुर/नवप्रदेश। कलेक्टर कुंदन कुमार के निर्देश पर जिला खाद्य अधिकारी शिवेन्द्र काम्टे एवं खाद्य निरीक्षक बलरामपुर संतोष कवंर के द्वारा बलरामपुर में घरेलू गैस सिलेण्डर के अवैध कारोबार करने वाले दुकानों में कार्यवाही किया गया है। इस दौरान ग्राम पंचायत भनौरा स्थित धर्मेंद्र केशरी के दुकान से कुल 08 नग सिलेण्डर, सुविधा इंटरप्राईजेस बलरामपुर से कुल 21 सिलेण्डर, तथा मदन मेटल से कुल 9 घरेलू गैस सिलेण्डर जप्त किया गया। उक्त तीनों प्रकरण में द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस प्रदाय और वितरण विनियमय 2000 के प्रावधानों का उल्लंघन पाये जाने के कारण आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के तहत कार्यवाही हेतु न्यायालय कलेक्टर बलरामपुर में प्रस्तुत किया जायेगा।